जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 6 मई, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

रियल एस्टेट में
रियल रिटर्न्स

₹4000/- Sq Ft में फ्लैट!
₹5000/- Sq Ft में कोठी!

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

अब हर महीने रेट बढ़ेगी

| PRODUCT TYPE | UNIT TYPE | SIZE | PRESENT RATE | 31 MAY 2026 | 30 JUNE 2026 | 31 JULY 2026 | 31 AUG. 2026 | 30 SEPT. 2026 | 31 OCT. 2026 | 30 NOV. 2026 | 30 DEC. 2026 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| WALK-UP APARTMENT | 2 BHK (GF) | 1350 Sq Ft | 65 Lacs | 66 Lacs | 68 Lacs | 70 Lacs | 72 Lacs | 74 Lacs | 76 Lacs | 78 Lacs | 80 Lacs |
| | 3 BHK (SF) | 1900 Sq Ft | 75 Lacs | 76 Lacs | 78 Lacs | 80 Lacs | 82 Lacs | 84 Lacs | 86 Lacs | 88 Lacs | 90 Lacs |
| | 3 BHK (FF) | 1900 Sq Ft | 80 Lacs | 82.5 Lacs | 85 Lacs | 87.5 Lacs | 90 Lacs | 92.5 Lacs | 95 Lacs | 97.5 Lacs | 1 Cr |
| KOTHI | 3 BHK BIG | 2000 Sq Ft | 1.05 Cr | 1.075 Cr | 1.10 Cr | 1.125 Cr | 1.15 Cr | 1.175 Cr | 1.20 Cr | 1.225 Cr | 1.25 Cr |
| | 4 BHK BIGGER | 2325 Sq Ft | 1.26 Cr | 1.29 Cr | 1.32 Cr | 1.35 Cr | 1.38 Cr | 1.41 Cr | 1.44 Cr | 1.47 Cr | 1.50 Cr |
| | 4 BHK BIGGEST | 3200 Sq Ft | 1.60 Cr | 1.65 Cr | 1.70 Cr | 1.75 Cr | 1.80 Cr | 1.85 Cr | 1.90 Cr | 1.95 Cr | 2 Cr |

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com | www.kedia.com | 78770-72737 | SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH *T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

राजस्थान के
1 लाख
ग्राहकों का भरोसा

स्विस तकनीक का उपयोग करके पूरी तरह स्वचालित
Bühler प्लांट से निर्मित सूजी

प्रोडक्ट कैटेगरी
आटा | सूजी | दलिया | बेसन | दाल | चावल | गेहूं | पोहा | सोया चंक्स | खड़े मसाले | पिसे मसाले
ब्लेंडेड मसाले | सेंधा नमक | फ्लेवर्ड मखाने | रोस्टेड चना | कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | चाय | गुड़ | मिश्री

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply
MRP ₹ Incl. of all taxes

## विचार बिन्दु

गुणों से ही मनुष्य महान होता है, ऊँचे आसन पर बैठने से नहीं। महल के ऊँचे शिखर पर बैठने मात्र से कौवा गरुड़ नहीं हो सकता। –चाणक्य

# शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था को देखने वाला कोई है भी?

राजस्थान के लगभग हर बड़े और मध्यम शहर में ट्रैफिक व्यवस्था दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। मुख्य चौराहों पर लंबा जाम, गलत दिशा में दौड़ते वाहन, जहां-तहां खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहन, अतिक्रमण से घिरी सड़कें तथा नियमों की खुलेआम अनदेखी आम दृश्य बन गये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब प्रत्येक शहर में ट्रैफिक पुलिस के अनेक बड़े अधिकारी नियुक्त हैं, तब यह अव्यवस्था आखिर क्यों बनी हुई है? जनता यह जानना चाहती है कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों को सड़कों की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती? क्या उनकी जिम्मेदारी केवल कार्यालयों में बैठकर कागजी कार्यवाही करना रह गई है? यदि अफसर नियमित रूप से सड़कों पर उतरें, संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण करें और मौके पर समाधान करवाएं, तो क्या स्थिति में बड़ा सुधार नहीं हो सकता? ट्रैफिक व्यवस्था केवल चालान काटने तक सीमित नहीं होती है। इसका उद्देश्य सुचारु यातायात, नागरिक सुरक्षा और सड़क अनुशासन स्थापित करना होता है। जनता टैक्स देती है, नियमों का पालन करती है और बदले में सुरक्षित व व्यवस्थित सड़कें चाहती है। यह नागरिक अधिकार है। शहरों में ट्रैफिक के सुचारु संचालन के लिये एक अच्छे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की ज़रूरत को सभी स्वीकार करते हैं किन्तु व्यवस्था की गुणवत्ता सुधारने के लिए रणनीतियां अपनाने को लेकर मतभिन्नता नज़र आती है।

पिछले दो दशकों में जयपुर सहित देश के अनेक शहरों में मेट्रो रेलें शुरू की गई हैं। इस पर आम सहमति है। मगर बस यात्रियों की आवाजाही आसान बनाने के लिए बस स्टॉप की सही जगह तय करने, को लेकर भारी समस्याएं हैं। जयपुर में करोड़ों रुपये खर्च कर सड़कों के बीच में बस रेपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम बनाए गए। वे असफल रहे और उन्हें हटाने पर फिर से करोड़ों रुपये खर्च किए गए। मेट्रो सिस्टम बनाने और चलाने में भारी निवेश करने के बावजूद यह भी सच है कि सभी मेट्रो सिस्टम में यात्रियों की संख्या, अनुमानित संख्या का केवल 25-35 प्रतिशत ही है। इसलिए अगर सभी नागरिकों को एक अच्छी गुणवत्ता वाली सर्वजनिक परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करानी है, तो एक ऐसे एकीकृत पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम की ज़रूरत है, जो अलग-अलग आकार के शहरों और ज़मीनी इस्तेमाल के अलग-अलग तरीकों के हिसाब से, यात्रा की अलग-अलग ज़रूरतों को पूरा कर सके।

ऐसा माना जाता है कि किसी भी शहर में ज़्यादातर यात्राएं 10 किलोमीटर से कम लंबी होती हैं, चाहे वहां आबादी कितनी भी क्यों न हो, या लोगों की आय कितनी भी क्यों न हो। जहां पांच किलोमीटर से कम लंबी यात्राओं के लिए सड़क-आधारित बस सिस्टम सही रहते हैं, वहीं 10 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी यात्राओं के लिए मेट्रो जैसे हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम ज़्यादा आकर्षक होते हैं। करीब 80 लाख की आबादी से बड़े शहरों के लिए एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ सिस्टम, जिसमें 300-400 किलोमीटर की मेट्रो और 1000 किलोमीटर का बस सिस्टम सार्वजनिक परिवहन का एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। दस लाख से कम आबादी वाले छोटे शहरों में, सभी मुख्य और उप-मुख्य सड़कों पर चलने वाला बस सिस्टम-जिसमें कुछ हिस्सों में बसों के लिए अलग लेन भी हो, यात्रा की ज़रूरतों को पूरा कर सकता है।

तीन-पहिया वाहन तथा ई-रिक्शा जैसे बीच के दर्जे के सार्वजनिक परिवहन वाहन बहुत छोटे शहरों के लिए सही रहते हैं। ये वाहन बड़े शहरों में बस और मेट्रो सिस्टम के लिए एक बहुत अच्छा 'फीडर सिस्टम' भी बनते हैं। यानी वे यात्रियों को मुख्य सिस्टम तक पहुंचाने का ज़रिया बनते हैं। सार्वजनिक परिवहन को नागरिकों के लिए एक 'ज़रूरी सेवा' के तौर पर देखा जाना चाहिए, और इसके लिए ऐसे उपयुक्त वित्तीय विकल्पों को चुना जाना चाहिए जो सभी नागरिकों की आने-जाने की ज़रूरतों को पूरा कर सकें। अगले दो दशकों में भारत की शहरी आबादी के दोगुना हो जाने की उम्मीद है। वर्तमान में, भारत की शहरी आबादी का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा पांच लाख की आबादी से कम वाले छोटे शहरों में रहता है। ज़्यादातर शहरों में सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने वालों की संख्या लगातार कम हो रही है, जबकि मोटर वाले दोपहिया वाहनों और कारों का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। लोगों की आय के बढ़ते स्तर और उनकी मोटर वाले निजी वाहनों की बढ़ती सामर्थ्य के कारण, रोज़मर्रा की आवाजाही की ज़रूरतों के लिए मोटर साइकिलों और कारों का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ा है।

**ऐसा माना जाता है कि किसी भी शहर में ज़्यादातर यात्राएं 10 किलोमीटर से कम लंबी होती हैं, चाहे वहां आबादी कितनी भी क्यों न हो, या लोगों की आय कितनी भी क्यों न हो। जहां पांच किलोमीटर से कम लंबी यात्राओं के लिए सड़क-आधारित बस सिस्टम सही रहते हैं, वहीं 10 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी यात्राओं के लिए मेट्रो जैसे हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम ज़्यादा आकर्षक होते हैं। करीब 80 लाख की आबादी से बड़े शहरों के लिए एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ सिस्टम, जिसमें 300-400 किलोमीटर की मेट्रो और 1000 किलोमीटर का बस सिस्टम सार्वजनिक परिवहन का एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है।**

शहरी और ग्रामीण, दोनों ही इलाकों में स्कूटर या मोटरसाइकल रखने वालों की संख्या कारों के मुकाबले कहीं ज़्यादा तेज़ी से बढ़ रही है। सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों की तुलना में निजी वाहनों का एक फ़ायदा यह है कि वे इस्तेमाल करने वालों को उनके घर तक पहुंचने की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, यात्रा के किसी खास साधन की उपलब्धता और सुविधा का निर्धारण बुनियादी ढांचे के डिज़ाइन पर भी निर्भर कर्ता है। शहरों में सड़कों के मौजूदा डिज़ाइन पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वालों के लिए बेहद मुश्किल भरे हैं। सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में आने-जाने की यात्राएं ज़्यादातर पैदल चलकर ही पूरी होती हैं।

पैदल चलने वालों के लिए बने बुनियादी ढांचे की खराब गुणवत्ता सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के इस्तेमाल पर असर डालती है। यातायात के साधन के चुनाव में यात्रियों की पसंद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सुविधा और विश्वसनीयता है। निजी वाहनों, विशेष रूप से स्कूटर और मोटर साइकिलों, की सुविधा, उनकी अनुकूलता और लचीलेपन के कारण, यात्रियों का एक बड़ा हिस्सा अपनी दैनिक यात्रा के लिए दोपहिया वाहन को चुनता है। उन्हें किसी भी रास्ते से ले जाया जा सकता है और जितनी चाहें उतनी बार रास्ते बदले जा सकते हैं। इसके ठीक विपरीत, बसों या मेट्रो का रास्ता तय होता है, और यदि उपयोगकर्ता का गंतव्य इस रास्ते पर नहीं पड़ता है, तो उसे वाहन बदलना पड़ता है, जो कि जटिल और समय लेने वाला हो सकता है। इस प्रकार, काम से घर तक की यात्रा, भले ही उसमें कई छोटी-छोटी यात्राएं शामिल हों, निजी वाहन का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ता के मन में एक ही यात्रा बनी रहती है। दूसरे शब्दों में, निजी वाहन का उपयोग करते समय बीच में वाहन बदलने की संख्या शून्य होती है। यह बात विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी गंतव्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक कुल ट्रांसफर की संख्या सार्वजनिक परिवहन के साधन और रास्ते के चुनाव को प्रभावित करती है। निजी वाहनों का यह लचीलापन उन्हें बसों और मेट्रो की तुलना में परिवहन का एक अधिक पसंदीदा साधन बनाता है।

एक कुशल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को निजी वाहन द्वारा दी जाने वाली सुविधा और आराम के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का चुनाव और उसका संचालन, यात्रा की मांग के पैटर्न के संदर्भ में, साथ ही सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की अंतर्निहित विशेषताओं, जैसे उनकी क्षमता, विश्वसनीयता, नेटवर्क कनेक्टिविटी, परिचालन लागत, पूंजीगत लागत के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। परिवहन के मौजूदा तरीके अर्थात, यात्रा के साधनों का चुनाव और तय की गई दूरी-यात्रियों की पसंद के साथ-साथ यात्रा के विभिन्न साधनों की उपलब्धता और गुणवत्ता के प्रभाव को भी दर्शाते हैं। विशेष रूप से, यात्रा की दूरी मौजूदा वाहन स्वामित्व, सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की उपलब्धता, यात्रियों की आर्थिक क्षमता और भूमि उपयोग के तरीकों से प्रभावित होती है। यात्रा की अलग-अलग मांगों को ध्यान में रखते हुए ही प्रासंगिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का चुनाव किया जाना चाहिए। एकीकृत प्रणाली सार्वजनिक परिवहन में यात्रियों की संख्या को बढ़ाने में सहायक हो सकती है, और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में यात्रियों की संख्या बढ़ने से जुड़े सभी सामाजिक लाभ भी इसी से प्राप्त होते हैं।

शहरों में सड़क यातायात को बाधित करने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में अव्यवस्थित पार्किंग, चौराहों पर तीन पहिया टैक्सियों का बेतरतीब जमावड़ा और सड़कों पर अतिक्रमण प्रमुख हैं। ये समस्याएँ न केवल यातायात की गति को धीमा करती हैं, बल्कि दुर्घटनाओं और प्रदूषण का कारण भी बनती हैं। वाहनों की गलत पार्किंग के कारण सड़कें संकरी हो जाती हैं, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। कई लोग दुकानों, बाजारों और मुख्य मार्गों पर वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों को परेशानी होती है। इसी प्रकार चौराहों पर ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा चालकों का बिना नियम के खड़ा होना यातायात व्यवस्था को बिगाड़ देता है। यात्रियों की प्रतीक्षा में ये वाहन सड़क के बीचों-बीच रुक जाते हैं, जिससे जाम और अव्यवस्था फैलती है। इसके अतिरिक्त सड़कों पर दुकानदारों द्वारा किया गया अतिक्रमण भी बड़ी समस्या है। फुटपाथों पर सामान फैलाने और सड़क किनारे अवैध निर्माण के कारण पैदल यात्रियों को सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिये राजस्थान में शहरवार ट्रैफिक प्रबंधन की समीक्षा जरूरी है, जिसमें अफसरों की जवाबदेही तय हो, पीक आवर्स में पुलिस कर्मियों की फील्ड ड्यूटी सुनिश्चित की जाए तथा अतिक्रमण और गलत पार्किंग पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही आधुनिक तकनीक, स्मार्ट सिग्नल प्रणाली और बेहतर सड़क योजना पर भी ध्यान दिया जाना भी उतना ही जरूरी है। अगर अधिकारी सिर्फ दफ्तरों में बैठें और ज़मीन पर निगरानी न करें, तो व्यवस्था नहीं सुधरेगी। फील्ड विज़िट, संवेदनशील चौराहों पर उपस्थिति, डेटा आधारित प्लानिंग और जवाबदेही जरूरी है। अब समय आ गया है कि अफसरों के साथ ट्रैफिक व्यवस्था कागजों से निकलकर सड़कों पर दिखाई दे जिसके लिये सरकार को एक सोची-समझी रणनीति बनानी होगी, ताकि सभी नागरिकों को एक अच्छी गुणवत्ता वाली सार्वजनिक परिवहन प्रणाली मिल सके।

**–अतिथि संपादक,**
**राजेन्द्र बोड़ा**
**( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )**

# एमजीआर से थलपति विजय तक: दक्षिण की राजनीति में बरकरार है फिल्मी सितारों का जलवा

## ''विजय की विजय यात्रा से क्या तमिल राजनीति का नया अध्याय शुरू?''



डॉ. योगेश शर्मा

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार विजय, जिन्हें उनके फ़ैंस 'थलपति' के नाम से जानते हैं, उनकी पार्टी टीवी के (तमिलगा वेट्री कड़गम) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके को भी पीछे छोड़ सबको चौंका दिया है। 108 सीटें जीतकर यह लगभग तय हो गया है कि सरकार विजय की पार्टी के नेतृत्व में ही बनेगी। बहुमत 118 से 10 सीटें कम रहने के बावजूद विजय की असाधारण सफलता की कहानी किसी भी तरह कमज़ोर नहीं पड़ती। इसके साथ ही दक्षिण भारत की राजनीति की वह परंपरा और भी मजबूत होती दिखाई देती है, जहाँ सिल्वर स्क्रीन के नायकों को जनता ने जननायक के रूप में स्वीकार किया है। यह लेख इसी तथ्य को केंद्र में रखता है।

विजय ने फरवरी 2024 में तमिलगा वेट्री कड़गम की घोषणा की और यह स्पष्ट किया कि वे तत्काल लोकसभा चुनाव की राजनीति में नहीं उतरेंगे, बल्कि उनका लक्ष्य 2026 का विधानसभा चुनाव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति को वे आंशिक काम नहीं मानते, इसलिए सक्रिय राजनीति में आने के बाद अभिनय से दूरी बनाकर पूरी तरह जनसेवा करेंगे। अक्टूबर 2024 में हुई उनकी पहली बड़ी रैली ने यह संकेत दे दिया था कि उनका प्रवेश केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि गंभीर राजनीतिक तैयारी का हिस्सा है। उस रैली में उन्होंने विभाजनकारी राजनीति, वंशवाद, भ्रष्टाचार और द्रविड़ मॉडल के नाम पर सत्ता-संचय की आलोचना की। विजय ने अपनी विचारधारा को द्रविड़ राष्ट्रवाद और तमिल राष्ट्रवाद के संयोजन के रूप में प्रस्तुत किया। उनके अनुसार ये दोनों इस मिट्टी की दो आँखें हैं। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय, समानता, लोकतंत्र, दो-भाषा नीति, महिला सशक्तीकरण और जातिगत जनगणना का समर्थन किया। उन्होंने पेरियार के सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों के विचारों को स्वीकार किया, लेकिन नास्तिकता को अपनी पार्टी की अनिवार्य वैचारिक शर्त नहीं बनाया। यह दृष्टिकोण उन्हें पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से जोड़ता भी है और उससे अलग भी करता है।

तमिलनाडु की राजनीति में थलपति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम का उभार केवल एक अभिनेता के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि यह दक्षिण भारत की लंबी परंपरा का नया अध्याय है। दक्षिण भारत में सिनेमा और राजनीति का संबंध विजय से बहुत पहले शुरू हो चुका था। दक्षिण भारत विशेषकर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों में सिनेमा सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा है। फिल्में सामाजिक संदेश देने का एक सशक्त माध्यम रही हैं, जहाँ अभिनेता अक्सर असाधारण नायकों के रूप में दिखाए जाते हैं, जो अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं और गरीबों की मदद करते हैं जिससे दर्शकों के मन में एक अवचेतन विश्वास बनता है कि उनके पसंदीदा सितारे वास्तविक जीवन में भी बदलाव ला सकते हैं।

एम. जी. रामचंद्रन इस परंपरा के सबसे बड़े प्रतीक थे। वे केवल लोकप्रिय अभिनेता नहीं थे, बल्कि गरीबों के रक्षक और आम आदमी की उम्मीद के रूप में देखे जाते थे। जनता ने उनकी इस छवि पर विश्वास किया। पहले वे द्रविड़ राजनीति से जुड़े, फिर अपनी पार्टी बना। वे अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआई एडीएमके) के संस्थापक थे और 1977 से 1987 तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने यह साबित किया कि यदि फिल्मी छवि जनविश्वास में बदल जाए, तो वह सत्ता तक पहुँच सकती है। जयललिता भी एक सफल अभिनेत्री थीं और एम. जी. रामचंद्रन के साथ उनकी जोड़ी जनता में अत्यंत लोकप्रिय थी। एम. जी. रामचंद्रन की मृत्यु के बाद उन्हें पार्टी के भीतर भारी विरोध झेलना पड़ा। कई लोगों ने उन्हें स्वाभाविक उत्तराधिकारी मानने से इनकार किया, लेकिन उन्होंने अपने साहस, राजनीतिक कौशल और दृढ़ता से स्वयं को तमिलनाडु की सबसे शक्तिशाली नेताओं में स्थापित किया। जनता ने उन्हें 'अम्मा' के रूप में स्वीकार किया। छह बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री के रूप में कल्याणकारी राजनीति को भावनात्मक जनसमर्थन से जोड़ा।

तमिलनाडु से बाहर आंध्र प्रदेश में एन. टी. रामाराव ने सिनेमा और राजनीति के संबंध को ऐतिहासिक ऊँचाई दी। मेगास्टार एन. टी. रामाराव ने तेलुगु सिनेमा में कृष्ण, कर्ण और दुर्योधन जैसे पौराणिक पात्रों की भूमिकाएँ निभाकर जनता के मन में लगभग दिव्य स्थान बना लिया था। 1982 में उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी बनाई और 'तेलुगु स्वाभिमान' को राजनीतिक आंदोलन में बदल दिया। 1983 के चुनावों से पहले उनकी प्रचार-यात्रा ने दिखाया कि क्षेत्रीय अस्मिता और फिल्मी करिश्मा मिलकर राष्ट्रीय दलों को भी चुनौती दे सकते हैं। वे तीन बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

अगला नाम है पवन कल्याण जो वर्तमान दौर के महत्वपूर्ण अभिनेता-राजनेताओं में से हैं। उन्होंने जन सेना पार्टी बनाई और आंध्र प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग जगह बनाने की सफल कोशिश की है। जून 2024 से आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत।

हालाँकि दक्षिण भारतीय राजनीति में भी कुछ नाम ऐसे भी रहे, जो सिनेमाई पर्दे पर अत्यंत लोकप्रिय थे, लेकिन राजनीति में उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। चिरंजीवी ने तेलुगु सिनेमा की लोकप्रियता को राजनीति में बदलने का प्रयास किया। उन्होंने प्रजा राज्यम पार्टी बनाई, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। शिवाजी गणेशन तमिल सिनेमा के महानतम अभिनेताओं में गिने जाते हैं। लेकिन उनकी राजनीतिक यात्रा फिल्मी जीवन जैसी सफल नहीं रही। कमल हासन ने भी राजनीति में वैकल्पिक रास्ता बनाने की कोशिश की लेकिन मजबूत विचारों और प्रसिद्धि के बावजूद उनकी पार्टी को बड़ी चुनावी सफलता नहीं मिली। करुणास, नेपोलियन और सारथ कुमार जैसे नाम भी इस परंपरा का हिस्सा हैं। इससे

स्पष्ट होता है कि केवल विचार और स्टारडम पर्याप्त नहीं; राजनीति में जमीनी संगठन, सामाजिक गठबंधन और निरंतर जनसंपर्क भी आवश्यक हैं। ये उदाहरण बताते हैं कि सिनेमा राजनीति का प्रवेश-द्वार हो सकता है, लेकिन स्थायी राजनीतिक सफलता अलग प्रकार की मेहनत मांगती है।

मई 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव परिणामों में अभिनेता विजय के असाधारण उभार ने इस धारणा को और मजबूत किया है कि दक्षिण भारत की राजनीति, उत्तर भारत की राजनीति की तुलना में कई मायनों में अलग प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक कारकों पर निर्भर करती है। दक्षिण भारतीय सिनेमा की विशेषता यह रही है कि उसने आम आदमी के जीवन को केंद्र में रखा। तमिल और तेलुगु फिल्मों में गाँव, सड़क, बाजार, मजदूर, किसान, जाति, गरीबी, आत्मसम्मान और अन्याय जैसे प्रश्न बार-बार उठे। इसलिए अभिनेता जनता के जीवन से जुड़ता गया। पर्दे का नायक जनता के वास्तविक संघर्षों का प्रतिनिधि बन गया।

दक्षिण भारतीय राजनीति में फिल्मी सितारों की सफलता का एक बड़ा आधार प्रशंसक मंडल या फैन क्लब संस्कृति है। प्रशंसक केवल पोस्टर लगाने या जन्मदिन मनाने तक सीमित नहीं हैं, वे रक्तदान, राहत कार्य, सामाजिक सेवा, स्थानीय नेटवर्क और चुनावी प्रचार तक सक्रिय रहते हैं। इसलिए जब कोई बड़ा अभिनेता राजनीति में आता है, तो उसके पास पहले से एक भावनात्मक और संगठनात्मक आधार मौजूद होता है।

ऐसा नहीं है कि उत्तर भारत की राजनीति में बॉलीवुड नायकों या नायिकाओं को सफलता नहीं मिली। सुनील दत्त, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन से लेकर हेमा मालिनी और कंगना रनौत तक ऐसे अनेक नाम गिनाए जा सकते हैं, जिन्होंने राजनीति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लेकिन अंतर यह है कि बॉलीवुड के अधिकांश अभिनेताओं या अभिनेत्रियों ने राजनीति में आने के बाद भी अपनी फिल्मी पहचान को राजनीतिक व्यक्तित्व से अलग, बल्कि कई बार उससे ऊपर ही बनाए रखा। इसके विपरीत दक्षिण भारत के पर्दे के नायकों ने राजनीति में प्रवेश करने के बाद अपनी निष्ठा, समय, संसाधन, ऊर्जा और सामाजिक पूँजी को बड़े पैमाने पर राजनीति के लिए समर्पित किया। एम. जी. रामचंद्रन, जयललिता और एन. टी. रामाराव इसलिए सफल हुए क्योंकि उन्होंने अपनी छवि को संगठन, विचार, कल्याणकारी राजनीति और जनसंपर्क में बदला। ऐसे में विजय की प्रचंड सफलता के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे भी दक्षिण भारत की उसी परंपरा को आगे बढ़ाएँगे, जिसमें सिनेमाई लोकप्रियता को जनसेवा, संगठन और वैचारिक राजनीति में रूपांतरित किया जाता है। साथ ही, यह भी माना जा सकता है कि तमिलनाडु की पिछले कई दशकों की द्रविड़ राजनीति अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है। इसमें लेशमात्र भी संदेह नहीं कि विजय का उभार केवल एक अभिनेता की चुनावी सफलता नहीं, बल्कि दक्षिण भारतीय राजनीति की विशिष्ट प्रकृति का नया प्रमाण है।

अंततः दक्षिण भारतीय सिनेमा और राजनीति का संबंध केवल ग्लैमर की कहानी नहीं है। यह सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय अस्मिता, जातीय समीकरण, सांस्कृतिक गौरव, जननायकवाद और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का जटिल संगम है। यहाँ जनता केवल दल नहीं चुनती, वह प्रतीक भी चुनती है; केवल नीति नहीं देखती, वह भरोसा भी खोजती है। इसलिए दक्षिण भारत में सिल्वर स्क्रीन की चमक बार-बार सत्ता के गलियारों तक पहुँची है। ऐसे में विजय का उभार इस बात का संकेत है कि तमिलनाडु की जनता अब एक नए चेहरे, नई राजनीतिक भाषा और नए राजनीतिक दावे को सुनने के लिए तैयार दिखाई दे रही है। अंतर यह है कि वे ऐसे समय में राजनीति में आए हैं जब सोशल मीडिया, युवा मतदाता, वंशवाद-विरोध, और वैकल्पिक राजनीति की मांग पहले से अधिक तेज है। यही कारण है कि उनका प्रयोग तमिलनाडु की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है। विजय की पार्टी ने पहली चुनावी परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम जैसी परंपरागत शक्तियों को गंभीर चुनौती दी है। इसलिए इसे केवल चुनावी घटना नहीं, बल्कि तमिलनाडु की छह दशक पुरानी द्रविड़ राजनीति के भीतर एक नए जननायक के प्रवेश के रूप में देखा जा सकता है।

**–डॉ. योगेश शर्मा,**
**( लेखक संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ है। )**

# प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को इस सेशन में भी छात्रवृत्ति मिलेगी

## सत्र 2026-27 में भी सरकार की प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं जारी रहेंगी

- **शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार, सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को विद्यार्थियों का डेटा अपडेट कर छात्रवृत्ति प्रस्ताव ऑनलाइन भेजने होंगे, ताकि समय पर राशि विद्यार्थियों तक पहुंच सके**
- **शिक्षा विभाग के अनुसार इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़कर रखना है**

**बीकानेर,** (निसं)। प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। सत्र 2026-27 में भी राज्य सरकार की विभिन्न प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं जारी रहेंगी और पात्र विद्यार्थियों को इनका लाभ मिलेगा। इस बार भी विद्यार्थियों को अलग से आवेदन नहीं करना होगा, बल्कि स्कूल स्तर से ही शाला दर्पण पोर्टल के जरिए पूरी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार, सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को विद्यार्थियों का डेटा अपडेट कर छात्रवृत्ति प्रस्ताव ऑनलाइन भेजने होंगे, ताकि समय पर राशि विद्यार्थियों तक पहुंच सके। इन योजनाओं में प्री-मैट्रिक स्तर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 6 से 10 तक छात्रवृत्ति शामिल हैं। इसके अलावा कक्षा 1 से 10 तक सफाई एवं स्वास्थ्य कार्य से जुड़े परिवारों के बच्चों के लिए भी विशेष छात्रवृत्ति योजना संचालित रहेगी। केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत कक्षा 9-10 के ओबीसी, एससी और एसटी विद्यार्थियों को भी लाभ दिया जाएगा। वहीं पोस्ट-मैट्रिक स्तर पर कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित एससी, एसटी, ओबीसी और आर्थिक पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग की छात्रवृत्तियां जारी रहेंगी। इसके साथ ही शहीद या दिव्यांग सैनिकों के बच्चों तथा भूतपूर्व सैनिकों की प्रतिभावान पुत्रियों के लिए भी विशेष छात्रवृत्ति योजनाएं लागू रहेंगी।

शिक्षा विभाग का कहना है कि इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़कर रखना है, ताकि वे बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। इस बार भी पूरी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है, जिससे अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

# जेएनवीयू : पेंशनधारकों का धरना 16वें दिन भी जारी

## वि.वि. प्रशासन के सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया

- **सभी ने एक स्वर में कुलगुरु को जयपुर जाकर पेंशन के स्थाई समाधान तथा पेंशन के बकाया राशि के तुरंत भुगतान कर राहत के लिए कहा**

**जोधपुर,** (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में पेंशनधारकों का बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर मंगलवार को सोलहवें दिन भी कुलपति कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन जारी रहा। धरना स्थल पर सैकड़ों की संख्या में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स तथा महिलाएं उपस्थित रही। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विश्वविद्यालय प्रशासन के सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस पाठ के जरिए ईश्वर से प्रार्थना की गई कि कुलगुरु को सद्बुद्धि दे कि वह जल्दी से जल्दी जयपुर जाकर पेंशन की समस्या के स्थाई समाधान हेतु संबंधित मंत्रियों और उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर उसका समाधान होने तक वहीं रूक कर आदेश लेकर आएं। इसके लिए सद्बुद्धि यज्ञ भी किया गया।

पेंशनर्स को प्रोफेसर कश्यप धूत, प्रो. पीएम सिंघवी, प्रो. विनीता परिहार, प्रो. रामनिवास शर्मा और अशोक व्यास ने संबोधित किया। सभी ने एक स्वर में कुलगुरु को जयपुर जाकर पेंशन के स्थाई समाधान तथा पेंशन के बकाया राशि के तुरंत भुगतान कर राहत के लिए कहा। धरना स्थल पर पूर्व कुलपति भंवर सिंह राजपुरोहित, प्रो. शरद राजीमवाले, प्रो. अरविंद राय, प्रोफेसर सुशील लालवानी, प्रो. रेनू शर्मा, प्रोफेसर मांगीलाल वडेरा, प्रो. वीएस पलारिया, प्रो. एसके परिहार, दिनेश रामावत, बाबू सिंह, रणवीर सिंह गहलोत, ओम पुरोहित, बीडी जोशी, मदन सिंह, प्रो. अरविंद परिहार आदि पेंशनर्स उपस्थित रहे।

# राशिफल बुधवार 6 मई, 2026



पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, मूल नक्षत्र दिन 3:54 तक, सिद्ध योग रात्रि 1:12 तक, बालव करण प्रातः 7:52 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 3:54 तक, कुमार योग प्रातः 7:52 से दिन 3:54 तक है। आज चतुरथी तिथि में वृद्धि हुई है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:06 तक, शुभ 10:45 से 12:23 तक, चर 3:41 से 5:19 तक, लाभ 5:19 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:49, सूर्यास्त 6:58



### मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



### वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद हो सकते हैं।



### मिथुन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



### कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।



### सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।



### कन्या

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुविधाओं में वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



### तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।



### वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।



### धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में महत्वपूर्ण एवं मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



### मकर

परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।



### कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।



### मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 272 प्रभात जयपुर, बुधवार 6 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

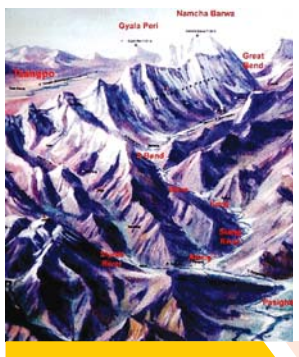


**Reaching The Bend**

One particular variety is known as the 'Mithun Mirchi' (mithun chilly) as it is so strong that by eating it, even a Mithun can be tamed. These were small but extremely potent chillies, the *jaan leva khursani* (mirchi that can take life)

**The Seven Sutherland Sisters**

# लंदन से न्यूयॉर्क तथा इस्लामाबाद से ढाका तक अखबार भगवा रंग में रंगे से लगे

## सभी जगह भारत में हुए विधानसभा चुनाव का विस्तृत कवरेज हुआ, विशेषकर प.बंगाल में भाजपा की जीत का

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों के पन्नों पर भगवा रंग छाया रहा, जब उन्होंने चार राज्यों और एक केन्द्र शासित राज्य में विधानसभा चुनाव के परिणामों की रिपोर्ट दी। अधिकांश विदेशी मीडिया रिपोर्टों में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में चुनावी जीत पर ध्यान केन्द्रित किया गया, जिसने तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के 15 वर्षों के राज्य पर काबिज शासन को समाप्त कर दिया।

लंदन से न्यूयॉर्क और इस्लामाबाद से ढाका तक, प्रकाशनों ने तमिल सुपरस्टार जोसेफ विजय को भी प्रमुख स्थान दिया, जिन्होंने केवल दो साल पहले तमिलगा वेत्रि कज़गम (टीवीके) पार्टी लॉन्च की थी और सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कज़गम (डी.एम.के.) पार्टी को परास्त किया।

बीबीसी ने अपने कवरेज में विपक्ष के गढ़ पश्चिम बंगाल पर भाजपा के नियंत्रण पर ध्यान केन्द्रित किया। "मोदीज़ बी.जे.पी. कॉन्कर्स बंगाल, वन ऑफ इंण्या'ज टफैस्ट पोलिटिकल फ्रंटियर्स" शीर्षक वाले लेख में ब्रिटिश प्रकाशन ने कहा कि पूर्वी राज्य में भाजपा की जीत मोदी के 12 वर्षों के शासन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल होगी।

लेख में कहा गया, "यह केवल तीन कार्यकाल वाली वर्तमान मुख्यमंत्री की हार नहीं है, बल्कि पार्टी की पूर्वी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- बीबीसी ने प.बंगाल की जीत को मोदी के बारह साल के शासन की सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि बताया। बीबीसी के अनुसार, यह तीन बार मुख्यमंत्री बनी ममता बनर्जी की हार ही नहीं, भाजपा की "इस्टर्न इंडिया" की यात्रा का गौरवशाली समापन है।
- लंदन के एक और प्रमुख अखबार, "दा गार्जियन" ने भी प.बंगाल की जीत पर फोकस रखा और इस जीत को विपक्ष का मनोबल तोड़ने और प्रहार के रूप में वर्णित किया।
- न्यूयार्क टाइम्स के लेख के अनुसार, भाजपा की बंगाल की जीत "ऐतिहासिक" थी, क्योंकि इसने देश के इस बड़े राज्य में जीत हासिल की है, जहाँ वह पहले कभी भी सरकार बनाने के नज़दीक तक नहीं पहुँची थी।
- वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, 2024 के आम चुनाव के नतीज़ों ने भाजपा को मजबूर कर दिया था, क्षेत्रीय दलों पर निर्भर होने के लिए। पर, अब मोदी इस जीत के कारण 2029 में चौथी बार प्रथानमंत्री बनने की सोचने लगेंगे।
- पाकिस्तान के डॉन अखबार व ढाका में ट्रिब्युन ने एएफपी की रिपोर्ट को प्रमुखता से छापा और कहा, इस जीत के बाद मोदी के हाथ मजबूत होंगे, इकॉनमिक विदेश नीति की चुनौतियों का सामना करने के लिए।

# कौन होगा प.बंगाल का मुख्यमंत्री

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के पर्यवेक्षक होंगे और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी उनके साथ उप-पर्यवेक्षक होंगे, जबकि मंत्रिमंडल 9 मई को शपथ लेगा।

मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम पहले से ही संभावित उम्मीदवारों में शामिल हैं। सुवेन्दु अधिकारी से लेकर वरिष्ठ नेता दिलीप घोष तक - मुख्यमंत्री बनने की दौड़ पूरी तरह खुली है।

- शुभेन्दु अधिकारी और दिलीप घोष का नाम चर्चा में है। पर, फैसला अमित शाह के हाथों में है, जिन्हें प.बंगाल में केन्द्रीय पर्यवेक्षक भी बनाया गया है।

भाजपा नेताओं ने कहा है कि पार्टी ने दिलीप घोष के नाम को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है, जो खरगपुर से जीते हैं, साथ ही राज्य इकाई प्रमुख समिक भट्टाचार्य और उपाध्यक्ष अग्निमित्रा पॉल को भी संभावित मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में माना जा रहा है।

अगर पार्टी महिला मुख्यमंत्री का समर्थन करने का निर्णय लेती है, तो पॉल

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मुझे जनादेश से नहीं, साज़िश से हराया गया है'

## प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनौती दी, केन्द्र सरकार संविधान के प्रावधानों के तहत एक्शन ले सकती हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आज विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की हार के बाद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि यह निर्णय जनता का असली मत नहीं, बल्कि एक साज़िश का परिणाम हैं।

उन्होंने टीएमसी की चुनावी लड़ाई को भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि चुनाव आयोग के खिलाफ बताया, जिसने भाजपा के लिए काम किया। बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगभग 100 सीटों पर मत लूटे गए और जानबूझकर गणना धीमी की गई, ताकि उनकी पार्टी का हौसला टूटे।

दृढ़तापूर्वक कहते हुए कि इतिहास का एक काला अध्याय रचा गया है, बनर्जी ने कहा, "मेरा इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हम जनता के मत से नहीं, बल्कि साजिश के कारण हारे। मैं नहीं हारी, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी। वे संविधानिक नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकते हैं।"

कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, टीएमसी प्रमुख ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को कमज़ोर करने का आरोप लगाया।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि इस चुनाव के खलनायक है, ज्ञानेश कुमार। उन्होंने जनता के लोकतांत्रिक अधिकार को लूटा है और ईवीएम को लूटा है, क्या कोई मुझे बता सकता है कि मतदान के बाद भी ईवीएम 80 से 95 प्रतिशत तक कैसे चार्ज थी, यह कैसे संभव है?
- ममता बनर्जी ने कहा, बड़े पैमाने पर उनके पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया, गिरफ्तार किया गया। यही नहीं पूरे प्रशासनिक अमले को बदल दिया गया, ताकि वे मनमानी कर सकें।
- ममता बनर्जी ने कहा, अब वे सारा ध्यान राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने पर देंगी।

# जहाँ एसआईआर में सबसे ज्यादा नाम कटे, वहाँ कैसा रहा पार्टियों का प्रदर्शन

## प.बंगाल में एसआईआर में वोटर्स का नाम कटना एक बड़ा कारण बताया जा रहा है, भाजपा की जीत का

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। इस साल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदाताओं का नाम काटा जाना एक बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया, वही चुनाव, जिसमें भाजपा ने तृणमूल के गढ़ में धावा बोला और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 15 साल के शासन का अंत किया।

चुनाव से ठीक पहले, राज्य के 90 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। यह तब हुआ, जब चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के लिए एसआईआर का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य मृत और डुप्लीकेट मतदाताओं के रिकॉर्ड को साफ करना था।

तृणमूल ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया लक्षित और पक्षपातपूर्ण थी, और इस बात का डर जताया था कि पार्टी अपना मतदाता आधार खो सकती है। अब जब पार्टी सत्ता खो चुकी है, यह देखने लायक है कि हटाए गए नामों का तालमेल तृणमूल और भाजपा के वोटों के साथ कैसे बैठता है। बंगाल के 147 विधानसभा क्षेत्रों में 25,000 से अधिक नाम हटाए गए।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- एक रिव्यु के अनुसार, जिन 147 सीटों पर 25,000 से ज्यादा नाम काटे गए, उनमें सबसे ज्यादा सीटें (95) भाजपा को मिलीं और तृणमूल को मात्र 51 सीटें मिलीं।
- 67 सीटों पर 15 से 35 हज़ार वोटर्स के नाम कटे, यहाँ भी भाजपा आगे निकली, उसने 47 सीटें जीतीं और तृणमूल को 19 सीटें मिलीं।
- 62 सीटें ऐसी थी जहाँ 5 से 15 हज़ार नाम कटे थे, यहाँ भाजपा 50 सीटें जीतीं, तुणमूल को 12 सीटें मिली और 13 सीटें ऐसी थीं जहाँ 5 हज़ार व उससे कम नाम कटे थे, वे भी भाजपा ने जीतीं।

# जेपी नड्डा होंगे असम में केन्द्रीय पर्यवेक्षक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। भारतीय जनता पार्टी ने असम में विधायक दल नेता के चुनाव के लिए केन्द्रीय पर्यवेक्षक के रूप में केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा को नियुक्त किया है, जबकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सह-पर्यवेक्षक होंगे।

- नड्डा के सहायक के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को नियुक्त किया गया है।

हिमंता बिस्वा सरमा, जिन्होंने 10 मई 2021 को अपने पहले कार्यकाल की शपथ ली थी, अब मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरा कार्यकाल लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की संभावना है, जो व्यापक जीत के बाद केन्द्र-राज्य की मजबूत साझेदारी को दर्शाता है।

# 'करतारपुरा नाले की चौड़ाई 32.6 मीटर होगी, नाला भी पक्का होगा'

## हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, जेडीए ने कोर्ट में शपथ पत्र पेश कर कहा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के करतारपुरा नाले में अतिक्रमण से जुड़े मामले में दायर जनहित याचिका को जेडीए के जवाब के बाद निस्तारित कर दिया और नाले को मानसून से पहले चौड़ा करने के आदेश दिए। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुड़ी ने अदालती आदेश की पालना में शपथ पत्र पेश किया, जिसमें कहा गया कि करतारपुरा नाला, जो कि 4 किमी लम्बा है, इसकी चौड़ाई 32.6 मीटर रखी जाएगी और जल प्रवाह के दोनों ओर पांच-पांच मीटर का कॉरिडोर बनाया जाएगा। परियोजना का डिजाइन एमएनआईटी के विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किया गया है और इसमें आगामी 100 साल की क्षमता का ध्यान भी रखा गया है। जेडीए की ओर से कहा गया कि इस नाले से गाद हटाकर उसे पक्का किया जाएगा। इसके अलावा वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करते हुए इसके सीवरेज को द्रव्यवती नदी के एसटीपी प्लांट से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि इस मामले की पिछली सुनवाई में ज़ोन-5 के उपायुक्त ने शपथ पत्र पेश कर कहा था कि करतारपुरा नाले की चौडाई 22 से 30 मीटर कर देंगे और उसके अतिरिक्त 10-10 मीटर का सुरक्षा कॉरिडोर दोनों तरफ छोड़ा जाएगा। उनकी ओर से कहा गया था कि 10 मार्च 2025 को नगरीय विकास विभाग ने जेडीए सचिव को पत्र लिखकर अदालती आदेशों के मुताबिक नाले की चौडाई बढ़ाने के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने को कहा था।

भले ही जेडीए ने नाले की चौडाई 30 मीटर के बजाय 32.6 मीटर कर दी है, लेकिन 10-10 मीटर का जो सुरक्षा कॉरिडोर दोनों तरफ छोड़ना था, उसे घटाकर 5-5 मीटर किया है। ऐसे में यह देखना होगा कि हर मानसून में करतारपुरा नाला ओवरफ्लो होने की जो स्थितियां बनती हैं, उनमें कितनी राहत मिलेगी। बताया जा रहा है कि जेडीए के इस नए प्लान के मुताबिक भी करीब 300 स्थायी-अस्थायी अतिक्रमणों को तोड़ा जाएगा। ऐसे में प्रभावित लोग अदालत का भी दरवाजा खटखटा सकते हैं।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश ने बताया कि नाले में जगह-जगह अतिक्रमण हो गया है और नाला पक्का भी नहीं है। अतिक्रमण के कारण कई जगहों पर नाले की चौडाई कम होकर कुछ फीट ही रह गई है। वहीं, उचित व्यवस्था नहीं होने से मानसून में यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। एक युवक कार सहित इसमें बह चुका है। इस दौरान उसकी मौत भी हो गई थी।

गौरतलब है कि पूर्व में जेडीए की ओर से अदालत में रिपोर्ट पेश कर कहा गया था कि नाले की चौडाई तीस मीटर रखने के साथ ही दोनों और दस-दस मीटर का कॉरिडोर रखा जाएगा, जिससे कई लोगों के निर्माण इसकी जद में आ गए थे।

- जेडीए ने यह भी कहा, इस नाले के दोनों तरफ 5-5 मीटर का सुरक्षा कॉरिडोर छोड़ा जाएगा।
- जेडीए की ओर से हाई कोर्ट में कहा गया है कि, इस परियोजना का डिज़ाइन एमएनआईटी के विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार कराया गया है और इसमें आगामी 100 साल की क्षमता का ध्यान भी रखा गया है।

# 'तमिलनाडु में आम कांग्रेस कार्यकर्ता विजय के पक्ष में था'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। गिरीश चोडणकर, जो तमिलनाडु के लिए कांग्रेस के एआईसीसी इन्चार्ज हैं, ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व का द्रमुक के साथ गठबंधन जारी रखने का निर्णय जमीनी स्तर के नेताओं की मजबूत भावना के विपरीत था, कार्यकर्ता अभिनेता विजय की टीवीके (तमिलागा वेत्रि कड़गम) के साथ जाने के पक्ष में

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- तमिलनाडु में कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडणकर ने कहा कि अगर राहुल गांधी, विजय की पार्टी के साथ गठबंधन करते तो वे 180-190 सीटें जीत सकते थे।

# गत लोकसभा में ऐतिहासिक जीत के बाद, गौरव गोगोई जोरहाट में विधानसभा चुनाव क्यों हार गए?

## हार का मुख्य कारण था, गौरव गोगोई के बारे में यह चर्चा हो जाना कि वे दिल्ली में संसद में अच्छा काम कर रहे हैं, पर, स्थानीय जनता को समय नहीं दे पाते, संपर्क ढीला पड़ता जा रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। असम में एक प्रमुख मुकाबला जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र में हुआ, जहां कांग्रेस के मुख्यमंत्री उम्मीदवार गौरव गोगोई और वरिष्ठ भाजपा नेता हितेन्द्रनाथ गोस्वामी के बीच कड़ी टक्कर रही।

जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र ने चौंकाने वाला निर्णय दिया, जिसमें राज्य कांग्रेस प्रमुख को लगभग 22,000 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

इस परिणाम ने व्यापक राजनीतिक बहस को जन्म दिया, क्योंकि गौरव गोगोई कांग्रेस के एक प्रमुख चेहरे और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के पुत्र हैं। यह भी याद रखें कि वे तीन बार सांसद रह चुके हैं।

इस बार, कांग्रेस ने गोगोई के लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना किया, सिवासागर को छोड़कर, जहां सहयोगी पार्टी राइजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई जीते।

गौरव की हार के पीछे कई कारण हैं।

मतदाताओं और कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की एक प्रमुख शिकायत यह थी कि गोगोई तक पहुँच पाना संभव नहीं था। कई लोगों ने महसूस किया कि चुनाव अभियान के दौरान वे पर्याप्त रूप से दिखाई नहीं दिए, जिससे उनकी जमीनी संपर्क शक्ति कमजोर हुई। अपने पिता की विरासत और "अहोम" समुदाय से होने की पहचान पर निर्भरता, जो जोरहाट में अच्छी पकड़ रखता है, उलटा असर डालती दिखी।

भाजपा ने सूक्ष्म रूप से एक नैरेटिव चलाया, जिसमें गौरव को राज्य स्तरीय नेतृत्व से ज्यादा, संसदीय राजनीति के लिए उपयुक्त बताया गया, ताकि मतदाता धारणा प्रभावित हो सके।

भाजपा ने चुनाव को लगातार "विकास" बनाम "विपक्षी अड़चन" के रूप में प्रस्तुत किया। यह नैरेटिव उन मतदाताओं के बीच प्रभावी रहा, जो विकास की धीमी गति को लेकर चिंतित थे।

पिछले पांच वर्षों में जोरहाट में किए गए दिखाई दे रहे विकास कार्यों ने सत्तारुढ़ पार्टी में जनता का विश्वास सुदृढ़ किया और गोस्वामी के लिए अनुकूल माहौल बनाया।

निर्वाचन क्षेत्र के पुनःनिर्धारण के बाद इस विधानसभा क्षेत्र में होलोंगापर पंचायत का शामिल होना भी निर्णायक साबित हुआ। पहले यह क्षेत्र पिछड़ा माना जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई, जिसने मतदाता की प्राथमिकता प्रभावित की।

इन सभी कारणों के ऊपर भाजपा का व्यापक प्रचार अभियान था। घर-घर जाकर किये गये प्रचार और स्थानीय नेतृत्व का समन्वित प्रयास नए जुड़े क्षेत्रों में गहरी पहुँच सुनिश्चित करने में

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- भाजपा ने भी इस सोच को खूब हवा दी कि गोगोई दिल्ली के लिए उपयुक्त हैं। पर, स्थानीय जनता के लिए "उपलब्ध" नहीं हैं।
- गोगोई की तुलना में भाजपा के उम्मीदवार हितेन्द्र नाथ गोस्वामी ने बड़ा शांत अभियान चलाया, जिसमें जोशीली भाषणबाजी व धुंआधार वादों का कोई रोल नहीं था। उन्होंने गोगोई की संसद में भूमिका की सराहना की तथा अपने आपको समर्पित स्थानीय नेता के रूप में प्रस्तुत किया।
- इस चित्रण ने स्थानीय वोटर में गोस्वामी के लिए भारी सहानुभूति जगाई, जो उनकी जीत का प्रमुख कारण बनी।

# स्कूल व्याख्याता भर्ती 2024 में आरपीएससी ने सवाल का जवाब बदला

जयपुर 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती- 2024 के एक प्रश्न की गलत जांच करने से जुड़े मामले में प्रमुख शिक्षा सचिव और आरपीएससी सचिव से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भूगोल विषय के व्याख्याता पद पर दी जाने वाली नियुक्तियों को याचिका के निर्णय के अधीन रुखा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने ये आदेश जसवंत सिंह की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि आरपीएससी की ओर भूगोल विषय के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- हाई कोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव तथा आरपीएससी सचिव से जवाब मांगा।

## संक्षिप्त

### सम्मान समारोह 26 जून को

फुलेरा। माली सैनी समाज धर्मशाला विकास समिति, भन्ने बालाजी द्वारा 26 जून को भव्य भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंगलवार को धर्मशाला परिसर में समाज के गणमान्य व्यक्तियों की एक महत्वपूर्ण बैठक वरिष्ठ समाजसेवी शेषनारायण सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के पश्चात कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर का विमोचन भी किया गया। जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष एवं गौसेवक अमर चन्द सैनी ने बताया कि धर्मशाला की स्थापना 26 जून 1999 को हुई थी। इस वर्ष संस्था के 27 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में धर्मशाला निर्माण में सहयोग देने वाले सभी भामाशाहों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर माली सैनी समाज संस्थान फुलेरा के अध्यक्ष तेजकरण सैनी, रामगोपाल, किशन लाल, प्रेमचन्द बडीवाल, लूणकरण सैनी, डालचन्द गढवाल, महेन्द्र सैनी, राधेश्याम सैनी, अनिल सैनी, मुकेश मालाकार, रामलीलाल पापटवान, मुकेश सैनी, धर्मेन्द्र सैनी, सूरज सैनी, नोरतमल सैनी, गणेशलाल सैनी, नानूराम सैनी, रुडाराम सैनी सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्धजन मौजूद रहें।

### क्रिकेट प्रतियोगिता का पोस्टर जारी

चौमूं/कालाडेरा। कस्बे के बस स्टैंड के पास स्थित भाला स्टेडियम में फ्रेंड्स सेवा समिति के तत्वावधान में 18 मई 2026 को कालाडेरा समर कप सीजन - 3 रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया जायेगा। क्रिकेट प्रतियोगिता के पोस्ट का विमोचन मंगलवार को भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन समय समय पर होता रहता है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। इस दौरान अमित शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, दीपक जांगिड, विजय नागर, लोकेश चौबे, सहीत कई लोग मौजूद थे।

### जुआ खेलते पांच आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में अलीगढ़ थाना पुलिस टीम ने अवैध जुए के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान अलीगढ़ के जंगल में छप्पर के नीचे ताश के पत्तों पर दांव लगाते हुए आरोपी विजय, ओमप्रकाश, कमर हुसैन, रिजवान और रहमान को रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 28 हजार 610 रुपए नगद जुआ राशि बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ थाने में प्रकरण दर्ज कर कानूनी अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। अवैध शराब के साथ आरोपी पकड़ा टोंक। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में निवाई सदर थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मंगलवार अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए निवाई सदर थाना क्षेत्र से आरोपी अजय सिंह रावत पुत्र चतर सिंह उम्र 28 साल निवासी बीज गोदाम के पास वनस्थली को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

### चादरपोशी में पधारे सैकड़ों भक्त

मनोहरपुर। बानसूर - फूटा जोहड़ा धाम जहाँ के महंत रतन दास जी महाराज का संकेतवास 5 अप्रेल को हो गया था जिनकी चादर पोशी की रस्म कल सोमवार को प्रदेशभर से पधारे संत महात्माओं की पावन उपस्थिति में उनके कृपा पात्र शिष्य युवराज आचार्य श्री गौसेवक श्री बलराम दास जी पर हुई आचार्य श्री बलराम दास जी प्रदेशभर से पधारे संतो का व भक्तों का आभार व्यक्त किया व उन्हेंने आशीर्वचन देतें हुए अपने गुरू महाराज के बारे में अनेक बातें बताई ऐसे में वो भाइक दिखे लेकिन उन्हेंने बताया की मैं मेरे गुरु महाराज के पद चिन्हो पर चलूँगा उनके सानिध्य व उनके आशीर्वाद से चल रही गौ सेवा ब्रह्माण सेवा आगे भी ऐसे ही चलती रहेंगी

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

# प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल का लक्ष्य है कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे : रामहेत

- किशनगढ़ बास के गांव जटियाना में एलईडी मोबाइल वैन ग्राम रथ ने किया योजनाओं का प्रचार



किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जटियाना में एलईडी मोबाइल वैन पहुंचने पर पूर्व विधायक रामहेत यादव ने ग्रामीणों को सम्बोधित किया।

किशनगढ़ बास। राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प के साथ मंगलवार को किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जटियाना में एलईडी मोबाइल वैन पहुंची। वैन के गांव में प्रवेश करते ही ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। स्क्रीन पर चल रही योजनाओं की जानकारी को बुजुर्ग, महिला और युवा सभी ने ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर पूर्व विधायक व भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्राम रथ अभियान का मूल उद्देश्य सरकार की योजनाओं को सीधे ग्रामीण अंचलों तक पहुंचाने के साथ लोगों को लाभ उठाने के लिए जागरूक करना है। उन्होंने कहा पहले लोग जानकारी के अभाव में लाभ से वंचित रह जाते थे। अब ग्राम रथ घर-घर जाकर योजनाओं की जानकारी दे रहा है। यादव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इन योजनाओं का अधिकतम लाभ लेकर अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाएं। रामहेत यादव ने कहा कि इस तरह के नवाचारपूर्ण अभियानों से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। जब लोगों को पता चलता है कि कृषि, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण, बिजली, पानी, सड़क जैसी योजनाएं उनके लिए ही बनी हैं, तो वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाते हैं अभियान के दौरान एलईडी मोबाइल वैन पर ऑडियो-वीडियो के माध्यम से योजनाओं का सरल और सहज प्रस्तुतिकरण किया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विकास कार्यों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।

# जनसुनवाई में लोगों ने बताई पानी, सड़क की समस्याएं



पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ ने ग्राम भांकरी अपने निज आवास पर जनसुनवाई आयोजित कर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने पानी, बिजली, सड़क, चिकित्सा व अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। विधायक धनकड़ ने प्रत्येक परिवादी की समस्या को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान ही उनकी प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों के लिए संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान मौजूद अधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भी जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड़ ने कहा कि जनता की समस्याएं सुनना और उनका समाधान करना मेरा कर्तव्य है। हर व्यक्ति को बिना भेदभाव के न्याय मिले, इसके लिए मैं हमेशा तत्पर हूं। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

## महिलाओं ने एईएन को चेतावनी दी

सांभरझील, (निसं)। भारतेंदु हरिश्चंद्र के प्रसिद्ध नाटक अंधेर नगरी से प्रसिद्ध हुई कहावत अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा। ऐसे ही हालात यहां के राजनीतिक दलों के बने हुए है। जिन्हें न तो आम जनता की समस्याओं से कोई सरोकार है और ना ही उनके दुख दर्द को दूर करने के लिए कोई संवेदना ही बाकी है। सांभर में भी आज लंबे समय से पेयजल समस्या से जूझ रही सैकड़ो ढाहणियों की आवाज को उठा पाने में पूरी तरह से भाजपा व कांग्रेस के नेता अनक्वालिफाइड सिद्ध हो गए तो आखिरकार इन्हेंने खुद ने एकजुटता दिखाते हुए पेयजल समस्या को दूर कराने के लिए कमर कस जलदाय विभाग के सहायक अभियंता के दफ्तर के बाहर पहुंच गई। इतना सब कुछ होने के बाद भी सत्ता व विपक्ष पदाधिकारी घरों में ही बैठे रहे। इन ढाहणियों ने गहरा आक्रोश जताया, धरना प्रदर्शन किया।

# 21 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ के तीसरे दिन माहौल हुआ भक्तिमय

- कथावाचक महंत जयराम दास महाराज ने सुनाया शिव विवाह का प्रसंग
- कथावाचकमाता सती के देह त्याग के बाद उन्होंने पुनः पर्वतराज हिमालय के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या कर भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया।

पावटा। क्षेत्र के पावटा कस्बा स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम पर महंत जयराम दास महाराज के सानिध्य में आयोजित 21 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ के तीसरे दिन भक्तिमय माहौल बना। श्रद्धालु यज्ञ मंडप के चारों ओर परिक्रमा कर रहे थे। वही यज्ञाचार्य द्वारकेश मिश्रा के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोचार के बीच हवन कार्य करवाया जा रहा था। खासकर महिला श्रद्धालु यज्ञ मंडप के परिक्रमा में ज्यादा तल्लीन दिखे। महंत जयराम दास महाराज ने बताया कि बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम में इस बार का 21 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ व नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा महोत्सव अद्वितीय होने जा रहा है। नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन कथावाचक राम पाठक महाराज ने श्रद्धालुओं को शिव कथा के प्रवचन में कहा कि भगवान शिव के विवाह का प्रसंग अत्यंत पावन और रोचक माना जाता है। माता सती के देह त्याग के बाद उन्होंने पुनः पर्वतराज हिमालय के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या कर भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। पार्वती की अटूट भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर शिव ने विवाह के लिए सहमति दी। उनके विवाह में देवता, ऋषि-मुनि और समस्त लोक उपस्थित हुए। शिव की बारात अत्यंत अनोखी थी, जिसमें भूत-प्रेत और गण शामिल थे, जिसे देखकर पार्वती की माता मैना देवी पहले चकित हुईं, लेकिन बाद में शिव के दिव्य रूप को देखकर प्रसन्न हो गईं। इस प्रकार भगवान शिव और माता पार्वती का यह दिव्य विवाह प्रेम, तपस्या और समर्पण का अद्भुत उदाहरण बन गया। इस दौरान भगवान शिव की एवं माता पार्वती की झांकी भी सजाई गई। इस दौरान जगन रामदयाल टांक, वीरेंद्र बंसल, कृष्ण कुमार गौड, लक्ष्मण सिंह, मालीराम शर्मा, महेश मोदी आंतेला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजक बाबा भूतनाथ कमेटी अध्यक्ष विकास शर्मा, रामवतार शर्मा, दिनेश शर्मा, मामराज स्वामी, सुशील गौड, आकाश शर्मा, अमन शर्मा, विजय शर्मा, लोकेश टांक, गोपाल टांक, अमित शर्मा, महेंद्र कुमावत, प्रदीप टांक, विनय गोयल, विनीत शर्मा, कालूराम, अमित बटवाल सहित कार्यकर्ताओं ने बताया कि आज से प्रतिदिन सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक श्री रुद्र महायज्ञ व दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक शिव महापुराण कथा का प्रतिदिन वाचन होगा जिस पर सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से प्रतिदिन कार्यक्रम में पधार कर कथा श्रवण करने की अपील की। चौधरी, कन्हैयालाल मीणा, विमल गर्ग,

# कॉन्स्टेबल हत्या मामले में दो आरोपी पकड़े

- कॉन्स्टेबल की हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी वन्यजीवों के शिकार करते है जो शिकार की फिराक में झाड़ियों में छिप कर बैठे थे, जब कॉन्स्टेबल ने उन्हें टोका तो झगड़ने लगे और कॉन्स्टेबल को गोली मार दी

टोंक। उनियारा में हुई कॉन्स्टेबल की हत्या मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी वन्यजीवों के शिकार कार्य करते है जो उस समय शिकार की फिराक में झाड़ियों में छिप कर बैठे थे, जब गत 4 मई को गश्त पर निकले कॉन्स्टेबल ने उन्हें टोका तो झगड़ने लगे और कॉन्स्टेबल को गोली मार दी। मामले की गम्भीरता लेते हुए अति. पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपियों को 12 घंटे बाद जंगल से ही पकड़ा लिया। अति.पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव ने बताया कि बनेठा थाने के उनियारा इलाके में गत 4 मई रविवार को कॉन्स्टेबल भागचंद सैनी का शव मिलने के बाद पुलिस टीम ने जंगल में सर्च अभियान शुरू किया, कार्यवाही के बाद रूपवास के जंगल से आरोपी राजेश पुत्र बजरंग लाल मीणा 32 साल निवासी मोटीस की झोपडिया उनियारा एवं दिलराज पुत्र सोहन लाल मीणा 32 साल जो जंगल में छुपे मिले। जिन्हे गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। कार्यवाही में पुलिस ने बताया कि जंगल में सर्च के दौरान पुलिस टीम को बारूद की गंध भी आ रही थी। जहां से आरोपियों को पकड़ा गया, वहां भी वैसी ही गंध महसूस हुई, आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की गई, तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस दौरान आरोपियों के पास से हत्या में टोपीदार बंदूक, बाइक, छर्रे व बारूद और एक छुरा भी बरामद मिला। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इसी बंदूक से फायर किया गया था। आरोपी पेशे से चालक है जो शनिवार की रात्रि को घटनास्थल (रूपवास मोड) के पास वन्यजीवों- मोर, खरगोश, तीतर का शिकार करने गए थे। भागचंद ने जब इनसे पूछताछ की तो इन्होंने उससे झगड़ा शुरू कर दिया। इसके बाद उसे गोली मार दी।

# भाजपा की जीत पर पटाखे फोड़े

फुलेरा। पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर फुलेरा कस्बे में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। गांधी चौक पर एकत्रित कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर की तथा एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाकर जीत का उत्सव मनाया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने कहा कि यह जीत देश की जनता के विकास और राष्ट्रहित की राजनीति पर विश्वास का प्रतीक है। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रणव कयाल ने कहा कि देश की जनता अब विकास आधारित राजनीति का समर्थन दे रही है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में तुष्टिकरण की राजनीति से जनता में असंतोष था, जिसका जवाब मतदाताओं ने चुनाव परिणामों के माध्यम से दिया। वहीं असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर सुरेश मिश्रा, आलोक तिवारी, सुरेश सैनी, संजय वार्ष्णेय, शेषनारायण सैनी, सीपी त्रिपाठी, महेशसहाय शर्मा, विनोद अरोड़ा, कमल शर्मा, मनीष गगरानी, पूनम कुमावत, गीता शर्मा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह और जोश देखने को मिला।

# फुलेरा में 34 साल से बस स्टैंड का इंतजार

- यात्री सड़क किनारे खड़े होने को मजबूर

फुलेरा। रेलनगरी के रूप में प्रसिद्ध फुलेरा कस्बे में रोडवेज बस स्टैंड का मामला वर्षों से लंबित है। करीब 34 साल बीत जाने के बाद भी यहां स्थाई बस स्टैंड शुरू नहीं हो सका है, जिससे यात्रियों को आज भी सडक किनारे खडे होकर बसों का इंतजार करना पड रहा है। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और विभागीय स्तर पर समन्वय के अभाव के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। जानकारी के अनुसार वर्ष 1991 में तत्कालीन पालिका अध्यक्ष स्व. राजेंद्र वार्ष्णेय के प्रयासों से न्यू कॉलोनी स्थित सिद्धि गणेश मंदिर के पास लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बस स्टैंड का निर्माण किया गया था।

वर्ष 1992 में इसका उद्घाटन हुआ, लेकिन रेलवे के तीन समपार फाटकों के कारण बसों का संचालन सुचारू नहीं रह सका और वर्ष 1993 में इसे बंद कर दिया गया। वर्तमान में यह भवन जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है तथा असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है।

इधर, वर्ष 2020 में नगर पालिका द्वारा परशुराम सर्किल, पांचबत्ती चौराहे के पास नए बस स्टैंड के लिए भूमि आवंटित की गई। वर्ष 2023 में तत्कालीन पालिका अध्यक्ष संगीता अग्रवाल ने करीब 50 लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया, किंतु अब तक रोडवेज विभाग से बसों के ठहराव की अनुमति नहीं मिलने के कारण यह भी उपयोग में नहीं आ सका है। बस स्टैंड के अभाव में यात्रियों को परशुराम सर्किल एवं ज्योतिबा फुले सर्किल पर अस्थाई ठहराव से ही बसों में चढना पडता है। प्रतिदिन डिडवाना, नागौर एवं जयपुर डिपो की करीब 18 से 20 बसें फुलेरा होकर गुजरती हैं, लेकिन निर्धारित स्थान नहीं होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पडता है। कई बार बसें बिना रुके निकल जाती हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

उल्लेखनीय है कि बस स्टैंड नहीं होने से बसों के आगमन-प्रस्थान की समय सारणी भी प्रदर्शित नहीं हो पाती, जिससे यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। इस समस्या को लेकर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत द्वारा विधानसभा में भी मुद्दा उठाया जा चुका है, लेकिन स्थाई समाधान अब तक नहीं हो पाया है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि नए बस स्टैंड से संचालन शुरू किया।

# किसानों को सरकारी योजनाओं से सशक्त बनाने के लिए ग्राम रथ पहुंच रहे है गांवों में

- राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाना है



मेहंदवास व पालड़ा में ग्राम रथ के पहुंचने पर छान भाजपा मंडल अध्यक्ष नंदलाल ने ग्रामीणों को सम्बोधित किया।

टोंक। राजस्थान सरकार के द्वारा चलाये गये ग्राम रथ अभियान के तहत टोंक उपखण्ड के ग्राम पंचायत मेहंदवास व पालड़ा में रथ द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान छान भाजपा मंडल अध्यक्ष नंदलाल ने कहा कि किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है, इससे विकास की रोशनी और जागरूकता की लहर गांव गांव पहुँच रही है। जिसमें राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को पहुंचाना है और ग्राम रथ अभियान इस दिशा में एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। इस अभियान से किसान, युवा, महिला, श्रमिक, पशुपालक एवं कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण के लिए विविध जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। इसी प्रकार निवाई में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एलईडी वैन जागरूकता रथ का उपयोग किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर कला जत्था के लोक कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। अभियान के तहत ग्रामीणों की समस्याओं और सुझावों के लिए एक सुझाव पेटिका भी रखी गई, जिसमें ग्रामीणों ने अपने सुझाव पत्र डाले।

**कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम**
**राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर**
क्रमांक :- 660 दिनांक :-04/05/26
**जाहिर आम-सूचना**
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या 265/12 (MIG-B) का आवंटन श्रीमती कौशल्या देवी खुटेटा पत्नी श्री घासी लाल गुप्ता को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 6086 दिनांक 19-11-2009 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 3706/6193 दिनांक 31-03-2013 के द्वारा श्रीमती नम्रता धींगरा पत्नी श्री मुकेश कुमार धींगरा के पक्ष में किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 02.05.2013 को कर दिया गया। श्रीमती नम्रता धींगरा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 28.02.2014 को श्री कमलेश्वर चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री श्याम सुन्दर चतुर्वेदी को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक (चतुर्थ) जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री कमलेश्वर चतुर्वेदी की मृत्यु दिनांक 31.10.2017 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री सोम्य चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री कमलेश्वर चतुर्वेदी द्वारा आवासन मण्डल में पंजीकृत हक त्याग के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री सोम्य चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री कमलेश्वर चतुर्वेदी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर 573/2026
**(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)**
चूंकि साध्वी सूर्या कुमारी पुत्री स्व. श्री देवनदास निवासी ए.डी./7 सी. देवी मार्ग, बनीपार्क, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री माधव मिशन ट्रस्ट कार्यालय पता-आगरा रोड, कानोता, जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.07.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

**विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश महोदय लक्ष्मणगढ़ जिला-सीकर
**दीनदयाल विरुद्ध राकेश आदि**
वाद बाबतः- सिविल मृत्यु उदघोषित किये जाने
वाद सं.-3 सन् 2026
बनाम-1. हर आम व खास
वादी ने आपके विरुद्ध सिविल मृत्यु उद्घोषित करवाने के लिये वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 22.05.2016 को दिन में सुबह 7 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य बाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में है या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा दाखिल / सुरजाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेजों पर, चाहे व आपके कब्जे व शक्ति में हो तो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समथर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगों तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 23 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर
सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट
लक्ष्मणगढ जिला सीकर

**न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, चाकसू जिला जयपुर**
क्रमांक-राजस्व/26/3765 दिनांक 29.04.2026
विषय- मु.न 196/2022 विजयबाला बनाम अब्दुल सईद में नोटिस साया करने बाबत
**विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन**
प्रतिवादीगण
1. अब्दुल सईद पुत्र छोटे खां
2. अब्दुल अजीज पुत्र कयूब खां
3. अब्दुलं गफूर पुत्र घांद खां (मृतक)
3/1 मंजूर पुत्र गफूर
3/2 मकसूद पुत्र गफूर
3/3 सायरा पुत्री गफूर
3/4 खातून पत्नि गफूर
4. अब्दुल मजीद खां पुत्र कयूम खां
5. अब्दुल रज्जाक पुत्र कयूम खां
6. अब्दुल रहमान पुत्र अलादीन खां
7. अब्दुल रशीद पुत्र बशीर खां
8. अब्दुल वहीद अलादीन खां
9. अब्दुल शकूर पुत्र चांद खां
10. बाबू खां पुत्र चांद खां
11. भौरी देवी पत्नि मदनलाल
12. मुन्ना खां पुत्र छोटे खां
13. मैहम्मद रफीक पुत्र कयूम खां
14. मौहम्मद ईदरिश पुत्र छोटे खां
15. मौहम्मद उमर पुत्र छोटे खां (मृतक)
15/1 अन्नान पुत्र उमर
15/2 जुबेर पुत्र उमर
15/3 नाजिम पुत्र उमर
16. मौहम्मद रफीक पुत्र बशीर खां
17. मौहम्मद शब्बीर पुत्र बशीर खां
18. मौहम्मद शब्बीर पुत्र चांद खां
19. मौहम्मद हनीफ पुत्र चांद खां
20. युसूफ पुत्र अलादीन
21. रहूफ पुत्र अब्दुल रसीद खां
22. सद्दीक मोहम्मद पुत्र बशीर खां
समस्त जाति मुसलमान निवासी ग्राम चन्दलाई तहसील चाकसू जिला जयपुर राज.
23. राजेन्द्र पुत्र मदन लाल
24. हनुमान पुत्र मदन लाल
25. कन्हैया लाल पुत्र मदनलाल
26. कैलाशचन्द पुत्र मदनलाल
27. घनश्याम पुत्र मदनलाल
28. जगदीश नारायण पुत्र शंकर
29. दमयंती देवी पुत्री मदनलाल
समस्त जाति महाजन निवासी-न्यू सांगानेर रोड, सोडाला जयपुर राज.
30. अब्दुल लतीफ पुत्र बशीर खॉ (मृतक)
30/1 अतीक पुत्र लतीफ
30/2 कदीर पुत्र लतीफ
30/3 सलीम पुत्र लतीफ
30/4 आसमां पुत्री लतीफ
30/5 सलमा पुत्री लतीफ
30/6 कनीज पत्नि लतीफ
जाति मुसलमान निवासी चन्दलाई तहसील चाकसू जिला जयपुर।
उक्त व्यक्तियों को दिनांक 6.5.26 को न्यायालय में उपस्थित होना है।
उपखण्ड अधिकारी चाकसू (जयपुर)

## खोया पाया

मेरे मकान 11/1423 का मूल आवंटन पत्र, डिक्लेरेशन व अन्य कागजात मालवीय नगर में कहीं गिर गए है, मिलने पर सूचित करें- किरण 8209127703

आवास संख्या 117/225 मूल आवंटन पत्र व नियमितिकरण स्लीप पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। सुरेन्द्र रानी जुनेजा मो. 9314124773

आवास संख्या 117/226 मूल आवंटन व कब्जा पत्र (handing over taken over) व नियमितिकरण स्लीप पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। सुरेन्द्र रानी जुनेजा मो. 9314124773

मेरे भूखण्ड संख्या डी-33 सृष्टि आवासीय योजना चाकसू जयपुर का मूल लीज डीड पट्टा नगर पालिका चाकसू द्वारा जारी किया गया था जो कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- देवेश बच्चानी मो. 7891890274

प्लाट नम्बर डी-32 योजना बक्शावाला सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। आनंद कुमार विद्यार्थी मो.नं.9829933132

## नाम परिवर्तन

मैं अपना नाम ओमेन्द्र कुमार शर्मा से ओमेन्द्र शर्मा पुत्र श्री शान्ति कुमार शर्मा, निवासी A-67 (डी) बालाजी ब्लेसिंग-2, Sec-51, अजमेर रोड, मानसरोवर जयपुर, रख रहा हूँ भविष्य में मुझे ओमेन्द्र शर्मा के नाम से ही जाना जाए।

मैं संजीव गोयल पुत्र श्री मदन लाल गोयल निवासी 1-न-8, जवाहर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम संजीव कुमार से बदलकर संजीव गोयल (SANJEEV GOYAL) रख लिया है। भविष्य में मुझे संजीव गोयल के नाम से जाना जाये।

I have changed my name Vinay to Vinay Dhayal for all future and legal Purpose. Vinay Dhayal 145, Krishna Vihar-C, Mangyawas, Mansarovar, Jaipur

I, Tej Kumar Doolani R/o 14/22, Mansarovar, Jaipur, declare that my name is wrongly mentioned as Rajkumar Daulani in my son Shubham Daulani's Class 10th certificate/ Marksheet. but correct name Tej Kumar Doolani. for all future purpose

**कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर**
क्रमांकः-न.पा.फु/2025-26/334 **आपत्ति सूचना** दिनांकः-05/05/2026
एतद् द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने लीज फी होल्ड आवासीय पट्टे हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है।

| क्र. स. | प्रार्थी का नाम | मूल पट्टा धारक का नाम | प्रस्तावित भूखण्ड | क्षेत्रफल वर्गगज | प्रयोजनार्थ |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री प्रभुदयाल, गुलाबचन्द, कालू, कैलाश चन्द पुत्रान श्री सेडूराम | श्री सेडूराम पुत्र नाथू रेगर | आवासीय भूखण्ड वाके रैगर बस्ती फुलेरा | 94.05 | लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा |

किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार लीज फ्री होल्ड के अन्तर्गत आवासीय पट्टा /ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्त्ता को प्रस्तुत करावे। बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी।
अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

**कार्यालय नगर निगम जयपुर**
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :– जसअ / 2026 / 61 दिनांक: 04.05.2026
**ई–निविदा सूचना क्रमांक :– 7/2026–27**
SUPPLY AND DELIVERY OF 01's CNG TRUCK MIUNTED ROAD SWEEPER MACHINE AS PER TENDER CONDITIONS हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2627GLOB00095 पर देखी जा सकती है।
उपायुक्त (गैराज)
नगर निगम जयपुर
राज.संवाद / सी / 26 / 2096

# पंजाब के गैंगस्टर जीशान अख्तर के गुर्गे को एजीटीएफ ने दबोचा

## विदेश में बैठे गैंगस्टर से जुड़कर व्यापारी के ऑफिस पर की थी फायरिंग

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पंजाब में रंगदारी और फायरिंग के मामले में फरार चल रहे एक गैंगस्टर को दौसा जिले के बांदीकुई से आरोपित चन्द्रप्रकाश शर्मा उर्फ चन्दू शर्मा को दस्तयाब किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

एजीटीएफ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि संगठित अपराधियों और फरार आरोपियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कडी में गठित विशेष टीम को सूचना मिली थी कि पंजाब के नकोदर सिटी में एक व्यापारी से रंगदारी मांगने और उसके कार्यालय पर फायरिंग की वारदात में शामिल आरोपी राजस्थान में छिपा हुआ है।

एजीटीएफ को पिछले करीब एक महीने से आरोपी की गतिविधियों और लोकेशन को लेकर लगातार इनपुट मिल रहे थे। टीम लगातार उसके

आरोपी चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू

ठिकानों और नेटवर्क की निगरानी कर रही थी। सूचना पुख्ता होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा और पुलिस उपाधीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह के सुपरविजन में तथा पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

एजीटीएफ टीम ने तकनीकी इनपुट और सूचना के आधार पर जाल बिछा बांदीकुई में दबिश देकर आरोपी चंदू उर्फ चंद्र प्रकाश को पकड लिया। आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी कर पंजाब पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

- **एक महीने की कड़ी निगरानी के बाद एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को सफलता हासिल हुई**

जहां उससे पूछताछ जारी है। आरोपित से पूछताछ में गैंग के नेटवर्क, रंगदारी व अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुडे अहम खुलासे होने की संभावना है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। जांच में यह भी पता चला कि वह हाल ही में पंजाब के गैंगस्टर जीशान अख्तर के गिरोह से जुड़ा था। जीशान अख्तर फिलहाल विदेश में रहकर गैंग ऑपरेट कर रहा है और भारत में अपने नेटवर्क के जरिए रंगदारी व अन्य आपराधिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

एडीजी एमएन ने बताया कि आरोपित चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू ने पंजाब के नकोदर शहर में एक व्यापारी को गैंग द्वारा रंगदारी के लिए धमकाया गया था। जब व्यापारी ने बात नहीं मानी तो गैंग के सदस्यों ने उसके ऑफिस बक्शी ट्रेवल्स पर 18 जनवरी 2026 को फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की थी। इस मामले में पंजाब पुलिस ने गैंग के तीन अन्य सदस्यों दीपक,अंकित कुमार और हरिजंदर गुप्ता को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। वहीं तीन फरवरी को नाकाबंदी के दौरान पंजाब पुलिस पर फायरिंग करने पर जवाबी कार्रवाई में अंकित कुमार और हरिजंदर घायल भी हुए थे। इस घटना के बाद चन्द्र प्रकाश फरार हो गया और लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचता रहा। पूछताछ में सामने आया कि पंजाब से भागने के बाद यह जयपुर, दौसा के पाराशर धाम, लालसोट व अन्य इलाकों में फरारी काट रहा था। इस कार्रवाई में एजीटीएफ टीम के प्लाटून कमांडर सोहन सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, होशियार सिंह, प्रवीण कुमार, महावीर सिंह, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार के साथ जिला दौसा की डीएसटी टीम की विशेष भूमिका रही।

# पशु चोरी गैंग का पर्दाफाश, शातिर बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर** । दौलतपुरा थाना पुलिस ने पशुधन चोरी करने वाली एक सक्रिय गैंग का पर्दाफाश करते हुए उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के एक शातिर आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में राजस्थान के विभिन्न जिलों में 15 से अधिक पशु चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि दौलतपुरा थाना पुलिस ने पशुधन चोरी करने वाली एक सक्रिय गैंग का पर्दाफाश करते हुए उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी दिलशाद (40) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने कानोता, बस्सी, टोंक, सवाई माधोपुर और दौसा सहित कई जगहों पर कुल 15 पशु चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस फिलहाल आरोपी से उसके अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है और चोरी किए गए पशुधन की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। थानाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि 4 जनवरी 2026 को परिवादी मुकेश कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 3 जनवरी 2026 की रात अज्ञात चोरों ने उसके घर के पीछे बंधी तीन भैंसे चोरी कर लीं। पुलिस ने इस संबंध में बीएनएस की धारा 305(ए) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता व सहायक पुलिस आयुक्त (चौमू) उषा यादव के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई थी।

# राजस्थान और मध्यप्रदेश में डोडा-चूरा की तस्करी का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

## पिछले 9 साल से फरार इस कुख्यात तस्कर को ए.एन.टी.एफ. ने मध्यप्रदेश बॉर्डर से दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** राजस्थान और मध्यप्रदेश में डोडा-चूरा की तस्करी कर रहे कुख्यात तस्कर को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। छोटी सादडी (प्रतापगढ़) निवासी नितेश आंजना पर 45 हजार रुपए का इनाम घोषित था और वह पिछले करीब 9 साल से पुलिस को चकमा दे रहा था। उसे मध्य प्रदेश बॉर्डर से दबोचा गया।

एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि नितेश का नाम करीब 9 साल पहले बाड़मेर के सदर थाना में मादक पदार्थ की बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद मुख्य सप्लायर के रूप में सामने आया था। इसके बाद 2021 में जालौर के करडा थाना क्षेत्र में भी उसका नाम सामने आया, जिस पर इनाम घोषित किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी बेहद शातिर था और जिन तस्करों को सप्लाई करता, उन्हें भी अपनी असली पहचान और ठिकाना नहीं बताता था। ऐसे में पकड़ी गई खेप में उसका नाम सामने नहीं आता था।

एएनटीएफ टीम ने उसे पकड़ने के लिए खास रणनीति अपनाई। टीम ने इलाके में अलग-अलग भेष बदलकर नेटवर्क खंगाला और उसके करीबियों

- **आरोपी पर 45 हजार रु. का इनाम घोषित था, एएनटीएफ ने भेष बदलकर पीछा किया**
- **आरोपी इतना शातिर था कि, जिन तस्करों को मादक पदार्थ सप्लाई करता था, उन्हें भी अपनी असली पहचान और ठिकाना नहीं बताता था**

तक पहुंच बनाई। इस दौरान पता चला कि वह साइटिका की बीमारी से पीड़ित है और हर माह आवरी माता के दर्शन करने जाता है। इसी सूचना पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में सामने आया कि नितेश बीकॉम पास है और पहले डोडा के ठेके पर हिसाब-किताब का काम करता था। वहीं से तस्करों के संपर्क में आकर उसने खुद का नेटवर्क खड़ा कर लिया। वह अग्रिम सौदे कर मोटा मुनाफा कमाता और गुर्गों के जरिए तस्करों को एस्कॉर्ट करवाता था। खास बात यह भी सामने आई कि वह काली कमाई का पूरा हिसाब रखता और करीब 10 फीसदी राशि दान-पुण्य में खर्च करता था। स्थानीय स्तर पर उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं था, जिससे वह वर्षों तक पुलिस से बचता रहा। एएनटीएफ अब आरोपी से गहन पूछताछ कर उसके पूरे नेटवर्क और अन्य तस्करों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

# तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार महिला को कुचला

## कार की टक्कर से महिला गाड़ी के टायर में जा फंसी, गंभीर घायल

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । शिप्रा पथ थाना क्षेत्र में मंगलवार को तेज रफ्तार थार गाडी ने स्कूटी सवार महिला को टक्कर मारकर करीब 20-25 फीट तक घसीट दिया। हादसे में महिला वाहन के अगले टायर के नीचे आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

थाना प्रभारी महेंद्र सिंह के अनुसार, विजय पथ स्थित एसबीआई बैंक के सामने हुई इस दुर्घटना में मानसरोवर निवासी नेहा श्रीवास्तव (35) घायल हुई हैं। वह एक्टिवा से घर से निकलकर बाजार जा रही थीं, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार ब्लैक थार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला गाडी के साथ घसीटती चली गई और टायर के नीचे फंस गई। घटना के बाद मौके पर भीड जमा हो गई। परिजनों ने तुरंत महिला को बाहर निकालकर साकेत अस्पताल पहुंचाया, जहां गंभीर हालत में उन्हें दोपहर करीब 1 बजे

- **कार नंबरों के आधार पर चालक की तलाश शुरू की पुलिस ने**

वेंटिलेटर पर रखा गया। महिला के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। नेहा के देवर अर्पित सक्सेना ने बताया कि वह हादसे के समय पीछे ही थे। उन्होंने बताया कि थार चालक पहले नीचे उतरकर स्थिति देखता रहा, फिर दोबारा गाडी में बैठ गया। बाद में लोगों के पहुंचने पर गाड़ी को पीछे लेकर महिला को निकाला गया और ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद थार में सवार दो लोग वाहन सहित मौके से फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उक्त वाहन के पहले भी ओवरस्पीड के चालान हो चुके हैं। पुलिस ने वाहन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

# आरजीएचएस को लेकर कर्मचारी सड़कों पर

## सरकारी कार्मिकों ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध-प्रदर्शन

**जयपुर।** राजस्थान सरकारी स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में पिछले एक वर्ष से इलाज नहीं मिलने की समस्या को लेकर प्रदेशभर के कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ गया है।

इसी से नाराज होकर राज्य कर्मचारियों ने मंगलवार से आंदोलन की शुरुआत करते हुए काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन

- **राज्य सरकार इस व्यवस्था को सुधारे, अन्यथा होगा बड़ा आंदोलन : राठौड़**

किया। साथ ही सरकार को चेतावनी दी कि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

राजधानी जयपुर के गवर्नमेंट प्रेस कार्यालय में राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में कर्मचारियों ने नारेबाजी कर विरोध जताया। करीब आधे घंटे के प्रदर्शन के बाद कर्मचारी काली पट्टी बांधकर ही अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौटे।

राठौड़ ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की तनख्वाह से राशि कटने

आरजीएचएस योजना में सरकारी कर्मचारियों का इलाज नहीं होने के विरोध में मंगलवार को कार्मिकों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

के बावजूद उन्हें इलाज की सुविधा नहीं मिल रही है। निजी अस्पतालों में उपचार बंद है और फार्मेसी से दवाइयां भी उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों को भुगतान नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी है,जो सरकार के लिए चिंताजनक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो ब्लॉक, तहसील, जिला और प्रदेश स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन तेज किया जाएगा। साथ ही यह भी सवाल उठाया कि कर्मचारियों के खातों से कट रही राशि का उपयोग कहां हो रहा है, इसकी मॉनिटरिंग आवश्यक है। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि अब तक केवल आश्वासन मिले हैं,लेकिन बकाया भुगतान और ठोस निर्णय नहीं होने तक आरजीएचएस का बहिष्कार जारी रहेगा। उन्होंने योजना की संरचना में गंभीर खामियों की ओर भी ध्यान दिलाया। कर्मचारियों के इस विरोध से स्पष्ट है कि आरजीएचएस की व्यवस्था को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है, जिसे दूर करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

# सीमावर्ती इलाकों में हीटवेव संभव

**जयपुर** । प्रदेश में आगामी समय में बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी। इससे एक बार फिर गर्मी रफ्तार पकड़ेगी। 9 मई को सीमावर्ती इलाकों में हीटवेव का दौर देखने को मिल सकता है। सोमवार देर रात प्रदेश के करीब एक दर्जन से अधिक शहरों में आंधी-बारिश हुई। इससे प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। 41.7 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 30 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार देर रात जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, वनस्थली, पिलानी, सीकर, कोटा, चित्तोड़गढ़, जोधपुर, उदयपुर, चूरू, श्रीगंगानगर, पाली सहित करीब 16 शहरों में आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश जयपुर के शाहपुरा में 68 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा भीलवाड़ा में 32, पाली में 16 और कोटा में 12 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंधी-बारिश के चलते प्रदेश के शहरों के तापमान में 2 से 7 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई।

## सार-समाचार

### गैस एजेंसी संचालक समेत तीन गिरफ्तार

**जयपुर।** सोडाला पुलिस और रसद विभाग ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सोडाला इलाके में अवैध रूप से गैस सिलेंडर बेचते हुए गैस एजेंसी संचालक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि जयपुर शहर में रिहायशी इलाकों में वाहनों के जरिए अवैध रूप से गैस रिफिलिंग और कालाबाजारी की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर रसद विभाग की प्रवर्तन अधिकारी कविता शर्मा और सोडाला थाना पुलिस ने जमुना नगर विस्तार (सुशीलपुरा) स्थित एक खाली प्लॉट पर दबिश दी। जहां दबिश के दौरान मौके पर पुलिस ने एक बोलेरो पिकअप और भारी मात्रा में 97 घरेलू (14.2 किग्रा) और 2 व्यावसायिक (19 किग्रा) गैस सिलेंडर सहित एक चौपहिया,पिकअप,दो दुपहिया वाहन बरामद किए। वहीं पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपित सुरेश योगी और कुलदीप योगी मिलकर अजमेर स्थित श्री कृष्णा एचपी गैस सर्विस से सिलेंडर अवैध रूप से खरीदते थे। पुलिस ने इस मामले में गैस एजेंसी के संचालक वेणी गोपाल को भी गिरफ्तार किया है। जिसने लालच में आकर बिना बुकिंग के आरोपितों को सिलेंडर उपलब्ध कराना स्वीकार किया। आरोपित सुरेश और कुलदीप करीब एक साल से इस धंधे में शामिल थे। वे निर्धारित दर से 100 रुपये अधिक कीमत पर जरूरतमंद लोगों को सिलेंडर बेचते थे। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपितों ने अपनी पिकअप पर एचपी गैस का लोगो भी लगवा रखा था,ताकि चेकिंग के दौरान वे पकड़े न जाएं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ईसी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### 'ग्लोबल पीस थ्रू इवेंट्स' थीम तय

**जयपुर** । वर्तमान समय में विश्वभर में बढ़ती हिंसा, संघर्ष और युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच इवेंट इंडस्ट्री ने इवेंट मैनेजर्स डे के तहत एक सकारात्मक पहल के साथ इस वर्ष की थीम ग्लोबल पीस थ्रू इवेंट्स निर्धारित की है। इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल ग्लोबल कन्वीनर, अरशद हुसैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य कला, संस्कृति और आयोजनों के माध्यम से पूरी दुनिया में शांति, सौहार्द और प्रेम का संदेश फैलाना है।दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी अशांति के माहौल को देखते हुए, वैश्विक स्तर पर इवेंट मैनेजर्स और कलाकार एकजुट होकर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। इस अनूठे प्रयास के तहत विभिन्न देशों में रचनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर समाज को एकजुट करने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का लक्ष्य रखा गया है। जयपुर से शुरू हुए इवेंट मैनेजर्स डे भारत के अलावा 60 से अधिक देशों में मनाया जाता है। इस साल यह अभियान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर फोरम प्रेजिडेंट, हितेंद्र शर्मा; जर्नल सेक्रेटरी, भुवनेश अग्रवाल; आशीश चतुर्वेदी; मिस राजस्थान के योगेश मिश्रा, अक्षत पुरोहित, यश महेश्वरी, सुरेश कुमावत और अभिनीत शुक्ल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इस अभियान के पोस्टर का विधिवत विमोचन भी किया और इस पहल की सराहना करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया।

### जयपुर में 'परिणय पथ' का आयोजन

**जयपुर** । भारतीय जैन संघठना (बीजेएस) पिंक सिटी जयपुर के तत्वावधान में रविवार को 22 गोदाम सर्किल स्थित होटल हॉलिडे इन में परिणय पथ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं नेतृत्व सुनील कोठारी अध्यक्ष पिंक सिटी ने की। इसका मुख्य उद्देश्य जयपुर के जैन युवाओं को जीवनसाथी चयन की प्रक्रिया में व्यवहारिक मार्गदर्शन देना एवं खुला, गरिमामय संवाद का मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के प्रमुख आयाम युवाओं के लिए इंटरैक्टिव गतिविधियां एवं एक्सप्रेशनल सेशन,जीवनसाथी चयन को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण एवं अपेक्षाओं पर संवाद, अभिभावकों के लिए समर्पित मार्गदर्शन सत्र ,व्यक्तित्व, मूल्यों एवं सोच को प्राथमिकता- केवल बायोडाटा आधारित मिलान नहीं था! इस आयोजन में युवक एवं युवतियों ने सहभागिता कर इसे यादगार बनाया। पूरे कार्यक्रम का संचालन बी जे एस राष्ट्रीय मैनेजिंग डायरेक्टर कोमल जैन द्वारा अत्यंत कुशलता एवं संवेदनशीलता के साथ किया गया, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को सहज एवं सुव्यवस्थित अनुभव प्राप्त हुआ।

# जाट ने की किसान प्रतिनिधियों से चर्चा

**जयपुर** । किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि, किसानों के लंबे संघर्ष के उपरांत चने के दाने-दाने की खरीद का मार्ग प्रशस्त हुआ था, उसे भी राजस्थान सरकार ने अवरोध उत्पन्न कर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की प्राप्ति से वंचित कर दिया। इसलिए किसानों को कमाई छोड़कर लडाई की आवश्यकता हुई। इसी के साथ चौमूं जैसे गेहूं के खरीद केंद्र चालू नहीं होने से किसानों में आक्रोश है। ये विचार किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने किसान प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए प्रकट किये। किसान प्रतिनिधियों को प्रदेश उपाध्यक्ष सेवा निवृत प्राचार्य गोपी राम डबास,भगवान निठारवाल, छीतरलाल बैरवा, गौरी शंकर मालू ने भी संबोधित किया।

# मुख्य सचिव ने की जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण पर चर्चा

**जयपुर ( कासं )।** मुख्य सचिव व राजस्थान नदी बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जल संसाधन प्रबंधन, संरक्षण एवं विभाग की योजना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य सचिव द्वारा मुख्य अभियंता हनुमानगढ़ को घग्गर नदी के मानसून अवधि में बाढ़ और जल उपलब्धता और संभावित उपयोग का अध्ययन करवाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किए। साथ ही, सभी बेसिन मुख्य अभियंता एवं बेसिन अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं को अपने-अपने संभाग में स्थित नदी बेसिनों की अद्यतन प्रभावी योजना एवं नदी बेसिन मास्टर प्लान विकसित राजस्थान-2047 को ध्यान में रखते हुए शीघ्र तैयार करने के निर्देश प्रदान किए।

इसमें जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य

मुख्य सचिव व राजस्थान नदी बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

- **मुख्य अभियंता हनुमानगढ़ को घग्गर नदी के मानसून अवधि में बाढ़ और जल उपलब्धता व संभावित उपयोग का अध्ययन करवाकर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए**

सचिव एवं प्राधिकरण के आयुक्त अभय कुमार ने राजस्थान नदी बेसिनों की जानकारी प्रस्तुत दी। प्राधिकरण के मुख्य अभियंता राज पाल सिंह ने विभिन्न परियोजनाओं एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। बैठक में जल संसाधन प्रबंधन से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई। इनमें सतही जल की उपलब्धता, रावी-ब्यास से प्राप्त जल, भूजल विकास की स्थिति, विभिन्न क्षेत्रों में जल की मांग (सिंचाई, पेयजल एवं औद्योगिक उपयोग), नहरों में जल परिवहन के दौरान होने वाली हानि तथा प्रमुख परियोजनाएं शामिल रहीं। इनमें इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंग नहर, भाखड़ा नहर एवं सिद्धमुख-नोहर परियोजना प्रमुख रूप से सम्मिलित हैं। इसमें भूजल की गुणवत्ता एवं बढ़ती पेयजल मांग को प्रमुख चुनौतियों के रूप में चिन्हित किया गया।

# विधानसभा परिसर में हर्बल और नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन

## पर्यावरण, आयुर्वेद एवं ज्योतिष विज्ञान को समर्पित इन वाटिकाओं का उद्घाटन देवनानी ने 5 राज्यों के स्पीकर्स के साथ किया

**जयपुर** (कासं)। राजस्थान विधानसभा परिसर में मंगलवार को पर्यावरण, आयुर्वेद एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान को समर्पित दो अनूठी वाटिकाओं "हर्बल वाटिका" एवं "नक्षत्र वाटिका" का विधिवत उद्घाटन सम्पन्न हुआ। यह उद्घाटन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने देश के पांच राज्यों के विधान सभा अध्यक्षों के साथ किया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तरप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी एवं सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष मिंगमा नोर्बु शेरपा की विशिष्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी उपस्थित रहे।

राजस्थान विधानसभा परिसर में मंगलवार को पर्यावरण, आयुर्वेद एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान को समर्पित दो अनूठी वाटिकाओं "हर्बल वाटिका" एवं "नक्षत्र वाटिका" का विधिवत उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

विधानसभा परिसर के उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थापित हर्बल वाटिका का उद्देश्य स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के महत्व को रेखांकित करना तथा औषधीय पौधों के संरक्षण के प्रति जन जागरुकता बढ़ाना है। इस वाटिका में वैज्ञानिक पद्धित से निर्मित 8-13 फीट आकार की कुल 38 क्यारियों बनाई गई हैं, जिनमें 38 प्रकार की औषधीय प्रजातियों के 20 से 25 पौधे प्रति क्यारी रोपित किए गए हैं। वाटिका में इलायची, पोदीना, लेमनग्रास, घृतकुमारी (एलोवेरा), सदाबहार, तुलसी, सिट्रोनेला, पत्थर चट्टा, हडजोड, सफेद मूसली, इन्सुलिन, पीपली, समुद्र बेल. ब्राहमी, लाजवती एवं अपराजिता सहित अनेक महत्वपूर्ण जडी-बूटियाँ रोपित की गई हैं। यह वाटिका औषधीय जान के प्रसार के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा पद्धित को भी प्रोत्साहित करती है।

विधानसभा परिसर के दक्षिणी क्षेत्र में स्थापित नक्षत्र वाटिका भारतीय ज्योतिष एवं आयुर्वेद की समृद्ध परम्परा को समर्पित एक अनूठी संकल्पना है। भारतीय ज्योतिष एवं आयुर्वेद के अनुसार आकाशमण्डल में 27 नक्षत्र माने गए हैं, जिनका संबंध विशिष्ट वृक्षों से है। इस वाटिका में अश्विनी - कुचला, भरणी आँवला, कृतिका गूलर, रोहिणी जामुन, मृगसिर खैर, आर्दा शीशम, पुनर्वसु बाँस, पुष्य पीपल, आश्लेषा नागकेसर, मघा बरगद, पूर्व फाल्गुनी पलाश, उत्तर फाल्गुनी पाकड़, हस्त जामली, चित्रा बेल, स्वाती अर्जुन, विशाखा कटाई/शमल, अनुराधा मौलश्री, ज्येष्ठा घीड़/सेमल, मूल साल, पूर्वाषाढा अशोक, उत्तराषाढ़ा कटहल, श्रवण शमी/आक, धनिष्ठा मदार, शतभिषा कदंब, पूर्व भाद्रपद आम, उत्तर भाद्रपद नीम तथा रेवती - महुआ के प्रतिनिधि वृक्ष रोपित किए गए हैं। यह वाटिका प्रकृति और खगोल विज्ञान के अद्भुत संगम की जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। उद्घाटन के पश्चात् अतिथियों ने राजस्थान विधानसभा के सभागार का अवलोकन किया तथा विधानसभा की संसदीय परम्पराओं एवं ऐतिहासिक विरासत से परिचय प्राप्त किया। अतिथियों ने विधानसभा परिसर में स्थापित अत्याधुनिक डिजिटल म्यूजियम का भी अवलोकन किया। यह डिजिटल म्यूजियम राजस्थान की विधायी यात्रा, संसदीय इतिहास एवं लोकतांत्रिक परम्पराओं को अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवत रूप में प्रस्तुत करता है। अतिथियों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणाप्रद बताया।

स्पीकर्स ने राजस्थान विधानसभा के भवन, सदन व म्यूजियम को शानदार बताया

ARBiT
it happens here...

## World Carnivorous Plant Day

World Carnivorous Plant Day honours the remarkable plants that thrive by trapping and digesting insects and small organisms. From Venus flytraps to pitcher plants and sundews, these species evolved unique survival strategies in nutrient-poor environments. The day raises awareness about their ecological importance, conservation needs and the delicate habitats they depend on. It also inspires curiosity about biodiversity and plant science, reminding us that nature's ingenuity extends far beyond what we see every day.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
06 May 2026
A-B

#BLOWN

# The Seven Sutherland Sisters

## These Victorian Icons let Fame slip through their Fingers

In the late 19th century, the world was captivated by a group of siblings whose extraordinary hair became their ticket to fame and fortune. The Seven Sutherland Sisters, originally from Scotland, were Victorian celebrities known far and wide for their incredibly long, flowing locks. With a combined hair length totaling an astonishing 11 meters (over 36 feet), these sisters embodied the era's ideals of femininity and beauty, captivating audiences and redefining celebrity culture.

### From Humble Beginnings to Global Fame

The sisters, Sarah, Victoria, Isabella, Grace, Ruth, Mary, and Dora, moved to the United States, where they quickly became a sensation. Their hair was so long and lustrous that it became their trademark, propelling them into vaudeville shows, advertisements, and stage performances. They toured the country, showcasing their hair as both a natural wonder and a symbol of feminine allure. Their presence was so magnetic that they were regularly featured in magazines and newspapers, inspiring countless women to grow and care for their own hair.

### The Hair Care Empire

Recognizing the commercial potential of their signature asset, the sisters launched a line of hair care products, including oils, brushes, and soaps, claiming that their secret to hair health could be shared. Their business boomed, with products flying off shelves across America. For a time, the Seven Sutherland Sisters were not just entertainers, they were also pioneering entrepreneurs in the burgeoning beauty industry.

### The Critical Mistake That Changed Everything

But despite their early success, the sisters made a critical mistake that would eventually contribute to their downfall, one that continues to be made by many today: they failed to innovate and adapt.

As the 20th century approached, new competitors entered the hair care market, offering scientific formulations and modern marketing techniques. The Sutherland Sisters clung to their old-fashioned remedies and vaudeville performances, refusing to modernize their brand or product line. Meanwhile, the public's fascination with their hair began to wane, replaced by new beauty ideals and emerging celebrities.

### Lessons from the Past for Today

The story of the Seven Sutherland Sisters is a cautionary tale about the fleeting nature of fame and the importance of innovation. While their incredible hair earned them celebrity status and wealth, their inability to evolve with changing times caused their brand to fade into obscurity.

Even now, many brands and individuals make the same mistake, resting on past glory instead of embracing change, creativity, and growth. The sisters' legacy reminds us that success is not only about what makes you famous but also about how you sustain and evolve that fame in an ever-changing world.

### Final Thoughts

The Seven Sutherland Sisters dazzled the Victorian world with their breathtaking hair and entrepreneurial spirit. Though their moment in the spotlight was brief, their story lives on as a fascinating chapter in the history of beauty, fame, and the importance of adaptation. So, next time you hear about them, remember: their hair was legendary, but their real story lies in the lessons their rise and fall teach us today.

# Reaching The Bend

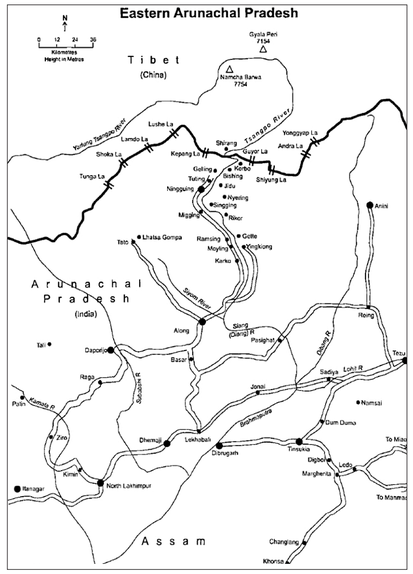


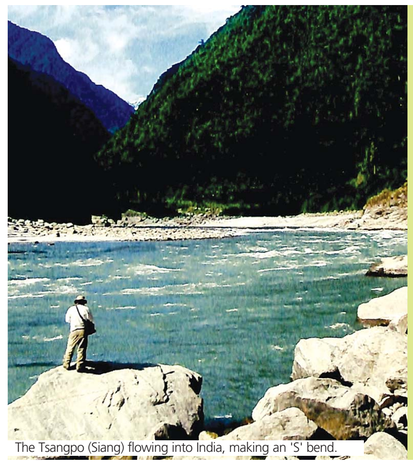

The Tsangpo (Siang) flowing into India, making an 'S' bend.

By late evening, we were comfortably stationed in the rest house at Tuting and making our final arrangements. It was a small little village with Dipun Peak (3338 m) rising in background. Yang Sang chu drained into the Tsangpo from the east. This valley contains several trekking opportunities with high altitude lakes and the peak of Doni Lipik (4612 m). The only attraction in Tuting was ruins of a Dakota aircraft, which crash-landed here in 1988. We visited village Jiddu across the Tsangpo crossing over a Foot Suspension Bridge or FSB and we were to cross many such FSBs during our trek. These bridges were locally constructed of bamboo planks over steel wires. Many times, they are slanting on one side, some footholds are broken, swings high over turbulent river, but it gets you across! Tuting in a way was the end of the inhabited world for only about two small villages were situated ahead and a special clearance was required to proceed further.

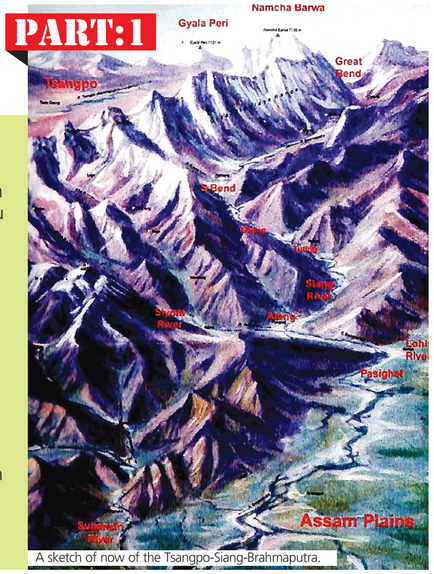


A sketch of now of the Tsangpo-Siang-Brahmaputra.

Traditional bamboo tower over a grave.

● Harish Kapadia

Since Kingdom Ward's day, there have been no significant advances. The Tsangpo still guard its secrets, and will continue to do so until the last great Asian adventure, a journey all the way up Tsangpo, Brahmaputra from the Assam valley to the Tibetan plateau, is undertaken.

For earlier explorers, journeys towards the Tibetan highlands from India began in the plains of Assam, arranging supplies, mules and porters. Now, roads have been built leading many kilometres towards the mountains, so, the journey begins with hiring a taxi. We hired a big one for the 985 km journey from Dibrugarh, in the valley of Assam, to Tuting high in Arunachal Pradesh (formerly NEFA), heading towards the Tsangpo bend.

The first thing one has to ensure while hiring a taxi in mountain areas, apart from good tyres, a good driver and enough diesel, is to see that it has a good cassette player. The hill drivers are addicted to driving with music, any will do as long it makes enough noise to keep him company. In fact, when fog and rain make visibility poor, volume of music is made louder and louder to enable the driver to concentrate better. Our taxi had a player with unique features. The tape always ran at a faster speed making well-known male singers sound more like female singers, and as far as female singers were concerned, the less said the better. As we drove along narrow lanes of the so called 'National Highway No. 52,' the driver matched his speed with that of the tape. But I found it too difficult to keep my mind's eye on as fast a track as the tape. It was exasperating to imagine lightly clad Bollywood actresses dancing to these tunes so fast, rather too fast for my liking.

The Brahmaputra, one of India's mightiest rivers, originates in lake Manasarovar in Western Tibet. It starts off as an unimpressive rivulet and cleaves an easterly course across the Tibetan plateau. The river, called Yarlung Tsangpo (Tsangpo means 'river' in Tibetan) in Tibet, steadily swells up being fed by glacial melts from the Himalaya. It takes a southern course at the Namcha Barwa massif in what is known as the Tsangpo gorge. Further south, at Pemako, the river tumbles over a giant waterfall, thus acquiring the energy and momentum with which it sweeps into India. Over a century, explorers and mapmakers were puzzled as to where and how the Tsangpo cuts through high mountain, and after the gorge, which direction it takes. One school of thought believed it to proceed further east to join the Irrawaddy or the Salween and flow into the Myanmar. Others believed that it flows south into India what is now Arunachal Pradesh. But here too, it was matter of conjecture as to how it flowed south: to the Subansiri, or into the Siang (also called the Dihang) or into the Dibang further east. Due to various names and hostile tribal areas, the course could not be fully investigated. The final question was that does it flow into the Assam plains to form the Brahmaputra?

Aerial photography and satellite imagery have now confirmed beyond doubt that the Tsangpo enters India, is called the Siang and forms a major tributary of the Brahmaputra. But all said and done, seeing is believing, and nobody had done that so far, that is reaching the spot where Tsangpo flowed into India to be called the Siang.

The Tsangpo bend expedition 2004 was organised with two main objectives: firstly, to reach the bend where Tsangpo enters India and secondly, to see if Namcha Barwa could be viewed from the Upper Siang valley. The expedition comprised of Harish Kapadia, Motup Chewang and Wing Commander V K Sashindran.

We had come only some distance after landing at the Dibrugarh airport. The first thing we noticed in Dibrugarh was the drive through the famed tea gardens. The one nearest to the town was called Cha Khowa, it being the first one to be established by the British more than a century ago. Cha means 'tea' and Khowa means 'plant,' so, this name, given by the British, was simple as it meant 'tea garden.' Soon, we crossed the mighty Brahmaputra in a huge ferry, which accommodated four army trucks and a number of people on this two-hour ride across. As the boat was expertly navigated looking between two bamboo poles as indicators, and going through several channels, we relaxed on the upper deck.

On the other bank (northern bank), we drove to Itanagar to obtain our inner line permits. The capital of Arunachal Pradesh had nothing much to offer, except one curious sight. As we checked into a hotel, we noticed that the clerk at the reception desk had locked himself behind an iron grill and we were to pass our registration and money through its little gaps. It made for a funny sight and illustrated how fragile security was in these areas.

### The Long Winding Road

Going through the usual procedures in the babudom of the Government Secretariat, we were out with the prized permits in less than two hours, a record. We immediately started our journey via a roundabout road to Tuting from where we would start our trek. The first halt was at Ziro in the Kamla river valley. The drive was amidst thick forests and you could observe a variety of people and their customs on the Apatani Plateau famed for its beauty and local customs.

This Siang Frontier Division (now known as Upper Subansiri) had recorded an unfortunate incident of massacre at Achingmori in 1953. Hostile Tagin tribes inhabited these valleys and they had a distrust of visitors. A party of Assam Rifles was resting in this village with their weapons stacked at one side. They were unarmed and were distributing salt as a gesture of goodwill. All of a sudden, locals attacked them and they were massacred to a man. The main reason was that this party had employed porters from another Abor subtribe, whose members while accompanying the previous column had caused much harassment to the villagers. The Assam Rifles were out for blood and the retribution for such hostile acts was burning of entire villages, a practice well established since the British times. But the then Governor Jairamdas Daulatram, on advice of Nari Rustomji, an administrative officer who loved and understood tribals, ordered not to act aggressively. The culprits were arrested and punished but villages were not burnt. Locals were waiting for their houses to be burnt and were quite surprised when this did not happen. This allowed for the first inroads of acceptance to be made by the Indian officials in the area.

Things have moved on since then, and today, we did not encounter a single tribe, which looked like a 'tribe.' Most of them were wearing city clothes, were educated, using telephones and going about their business.

Christianity is prevalent here and there was a large Baptist church at Ziro and many small churches built in bamboo huts. This was the earliest spread of the religion in the area and villagers who earlier followed 'Donyi-Polo' (the Sun and Moon Gods) religion were converted to Christianity. Though foreigners are not allowed to enter Arunachal Pradesh, local priests who are trained at Shillong, continue the worship. Verrier Elwin studied the traditions and beliefs of locals and has written several books on it.

We drove to Daporijo in the Subansiri valley across a high ridge of Joram Top. Near the road and in some villages, there were bamboo structures at prominent places and with an eagle and other birds hanging on it. On inquiry, we were told that these were funeral towers erected on recent graves and the birds were supposed to take the soul to heaven. It was considered an ill omen to go too near to it. After few months, a permanent solid rock grave would be engraved here.

Along the road, we saw two important products of Arunachal Pradesh. One was mithun, which is the main strength of local farmers. It is yak-like in appearance, strong and semi-domesticated. In the early days, the wealth of a local would be judged on how many mithuns he owned. During marriages, it is still quite common to sacrifice several mithuns for a feast. We saw large fields of chillies being grown, in a variety of colours and shapes. These were very hot but no Arunachal meal is complete without a dose of hot chillies. One particular variety is known as the 'Mithun Mirchi' (mithun chilly) as it is so strong that by eating it, even a Mithun can be tamed. These were small but extremely poten chillies, the *jaan leva khursani* (mirchi that can take life). Eat three of them, and your life could be in danger. Our friend Motup ate some mithun mirchis, and literally for weeks, he complained of serious acidity.

We enjoyed the forest during the drive, looking at a wide variety of trees with great pleasure. Such rainforests were of great interest for the botanist F. Kingdon Ward, who has written several books on the subject. Much of the forest here is privately owned, and ironically, that is why it has been so well preserved. On way to Daporijo, by a coincidence, we came across several villages, with names similar to those of our friends. One was called 'Gigi,' that of a friend of mine living in the USA, another was called 'Paka,' a friend living in Mumbai, and 'Dua,' maiden name of my daughter-in-law! It was a pleasant surprise and we played a guessing game during our drive.

Arunachal lady with typical headgear.

Soon, we were at Along which was the original trade centre for salt and was called 'Alo.' The next day after completing formalities, we started driving towards Tuting along the Siyom river. The clear water of the Siyom began to merge with the muddy flow of the Tsangpo. The first view of Tsangpo (called the Siang or Dihang here) was stupendous. It now led us to our destination.

### The Journey of the Tsangpo

At foot of the pass Mayum la, little southeast of Kailash and Mansarovar lake, starts a small stream. One cannot imagine that this stream will become a large river, travel long distances and cause much debate. This is the source of the Tsangpo (for Tibetans, simply the 'great river').

It travels along the great Tibetan barren plateau on its eastward course gathering many small rivulets, and soon, acquires name of the Yarlung Tsangpo to distinguish itself from other rivers. At Saga in Central Tibet, it is a huge river and has to be crossed in ferry (a bridge across the river is almost complete). In the early days, it was crossed by small boats, sometimes, on inflated animal skins, all sounding romantic but dangerous. Now, there are two bridges across it, at Lhatse and Gonggar, thus allowing easy access. The river continues east to pass Yamdrok Tso and Lhasa, little to its south. The Younghusband Expedition to Tibet in 1904 had to cross the Tsangpo in improvised boats to finally reach the city.

Further east, the great massifs of Namcha Barwa (7756 m - 25,446 ft) and Gyala Peri (7151 m - 23, 460 ft) blocked its course. In order to negotiate this great wall, the river forms a deep gorge between the two, and is joined by the Po Tsangpo. Turning south, the river starts losing height quickly to enter India.

Ahead, as our taxi negotiated a sharp bend at village Pakong and Jengging, the three of us suddenly shouted 'waah,' shocking the driver that major part gone wrong. Far in the distance were the peaks of Namcha Barwa and Gyala Peri. It was rather rare to have got a clear view for we were told that almost throughout the year, the area remains cloudy and foggy. We spent a night at Moyling and passed Migging. On the opposite bank was the village of Singging. It was up to here that the British army had reached a century ago while trying to explore the entry of the Tsangpo in India.

### Explorations from Assam

The exploration from the south, Assam valley, started in 1824 when Lt. Wilcox surveyed a number of rivers including the Siang and the Lohit that formed the Brahmaputra. They learnt from locals that the Tsangpo and the Siang were the same river but it could not be verified as hostile tribes did not allow any entry along the course of the Siang. At the same time, various theories again surfaced about the Tsangpo flowing into the Irawaddy and the Salween, specially a view held by Robert Gordon, who was a government official in Assam. Lectures at the Royal Geographical Society saw much heated exchanges between explorers.

In 1910, the Chinese had expanded their influence in the Pome and Zayul districts and down the Lohit into Assam. This alarmed the British government who decided to move to interiors of the tribal country of NEFA (North-East Frontier Agency). Noel Williamson, who was following the Siang to check the Chinese infiltration, was murdered by tribes. A major punitive force under General Hamilton Bower was sent which burned many Abor villages. The main force of the expedition stayed at Kebang while other detachments went up many side valleys. One detachment followed the Siang to reach Singging about 40 miles (64 km) from the border. The gap between this observation and Kinthup's earlier observation from Onlet was only 80 miles (128 km) in a straight line.

Ahead of Moyling, the road was rough, narrow, winding and with many potholes. As the road deteriorated, our taxi slowed down but its cassette player played songs as fast as before. The show must go on, so now, the heroines were dancing rather slowly in my imagination, but with more jerks. The road signs too were unnerving. 'If your brakes are not fit, you will land up in shit!'

By late evening, we were comfortably stationed in the rest house at Tuting and making our final arrangements. It was a small little village with Dipun Peak (3338 m) rising in background. Yang Sang chu drained into the Tsangpo from the east. This valley contains several trekking opportunities with high altitude lakes and the peak of Doni Lipik (4612 m). The only attraction in Tuting was ruins of a Dakota aircraft, which crash-landed here in 1988. We visited village Jiddu across the Tsangpo crossing over a Foot Suspension Bridge or FSB and we were to cross many such FSBs during our trek. These bridges were locally constructed of bamboo planks over steel wires. Many times, they are slanting on one side, some footholds are broken, swings high over turbulent river, but it gets you across! Tuting in a way was the end of the inhabited world for only about two small villages were situated ahead and a special clearance was required to proceed further.

These last kilometres from the Indian side would physically link up the exploration of Kinthup and the British.

### The Riddle of the Tsangpo

In 1715, Fathers Ippolito Desideri and Manuel Freyre stood on Mayum la and were the first outsiders to view the source of the Tsangpo. They travelled along the Tsangpo to reach Lhasa. Their report that this was the beginning of the great river was confirmed only in 1913, Several other explorers followed them. Among them were George Bogle (1774) who described the middle course, Thomas Manning (1811) who followed the route of Desideri from its source, Edmund Smythe (1864) and Sven Hedin.

With the interest in the Tsangpo growing, the Survey of India deputed the first of its Pundit explorers, Nain Singh to venture here. He travelled in disguise as Tibet was closed to outsiders, and in two epic journeys, in 1865 and 1874, followed the course to Lhasa and beyond. Reaching Chetang, east of Lhasa, he was forced to turn south as his subterfuge was revealed to the Chinese. He crossed into India at Tawang. His notes and information were invaluable. Another Pundit, Lala, was deputed to continue south from Chetang where Nain Singh had reached but he failed in 1876 and 1877.

In 1874, the Assam Survey was placed under Lt. Henry Harman. He measured the flow of various rivers and found that the flow in the Siang was greater than others, thus, proving that most likely, the river was the Tsangpo. He recruited Nem Singh in 1878-79 to be dispatched to Tibet. Kinthup, a tailor from Darjeeling, accompanied him. They followed the Tsangpo from Chetang onwards between the gorge of Namcha Barwa and Gyala Peri and turned south to reach Gyala Sindong before returning. They had taken the exploration further by 287 miles (460 km), thus making a major contribution.

Harman, now posted in Darjeeling, again deputed Kinthup to Tibet in 1880. As Kinthup was illiterate, a Chinese lama accompanied him. From Darjeeling, they went to Lhasa and followed the course of the Tsangpo to Chetang and Gyala Sindong. After 15 miles (24 km), they reached Pemakochung village where, as Kinthup described, the Tsangpo fell 150 ft (45 m) in a waterfall, which came to be known as the 'rainbow waterfall.'

The Chinese lama unfortunately sold Kinthup to slavery and disappeared. Kinthup escaped and reached Marpung, 35 miles (56 km) downstream but was captured. However, later, he was allowed to go on a pilgrimage. He crossed the Tsangpo to opposite bank and prepared 500 logs with special markings. These were to be thrown into the Tsangpo, and if they appeared in the Brahmaputra, it would conclusively prove the course of the river.

In 1882, he was allowed on another pilgrimage to Lhasa from where he arranged for a letter to be sent to Nem Singh in Darjeeling, informing Harman about the logs and dates when he would throw them in water. Unfortunately, Harman had left India and the letter was not opened. Not knowing this, Kinthup returned to Marpung and threw logs into the river. Afterwards, he followed the Tsangpo downstream as far as small village Onlet (Olon). It was close to Dalbung (called Tarpin by Kinthup). He could see the haze of the Assam plains and a small village (Korbo) on the banks of the Tsangpo in India. He was about 40 miles (64 km) in a straight line from the border. He returned to Darjeeling in 1884 and took up his old job as a tailor. Two years later, the Survey debriefed him, but he was hardly believed. It was only in 1913 that his description was acknowledged as remarkably accurate.

**To be continued...**

rajeshsharma1049@gmail.com

#TSANGPO

Tsangpo-Siang 'S' Bend at border. Dapang Peak (5570 m) in left background. Bailey had reached foot of this peak on Nugong Asi Nala.

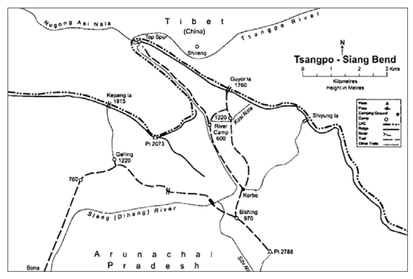


Tsangpo-Siang Bend.

THE WALL

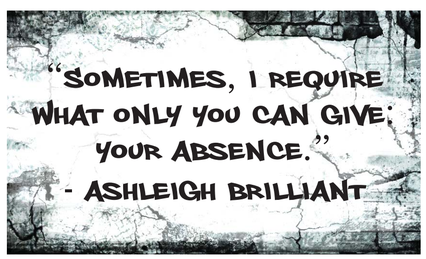


BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

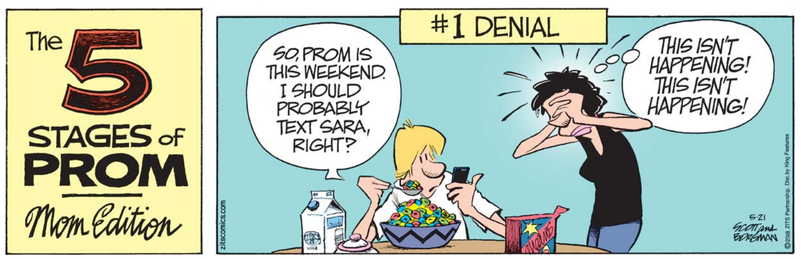

# सीकर : युवक की मौत के मुख्य आरोपी सहित कई लोग हिरासत में

## आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद 36 घंटे से चल रहा धरना भी समाप्त हो गया

**सीकर,** (निसं)। सीकर में दो दिन पहले हुए एक युवक की मौत के मुख्य आरोपी सहित कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। वहीं आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद 36 घंटे से चल रहा धरना भी मंगलवार को समाप्त हो चुका है।

जिले के रामगढ़ सेठान थाना इलाके के तिहावली गांव में प्रकाश सिंह (43) सहित पूरे परिवार पर आरोपियों ने कुल्हाड़ी और गंडासी से 3 मई की रात 11:30 बजे हमला किया था। वारदात में प्रकाश सिंह की मौत हो गई थी। वहीं प्रकाश का बेटा अभिजीत, मां नैन कंवर गंभीर घायल हो गए थे, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

- **रामगढ़ सेठान के तिहावली गांव में एक परिवार पर आरोपियों ने हमला किया था, जिसमें एक जने की मौत हो गई थी**

सीकर एसपी प्रवीण नायक ने कहा कि मामले में मुख्य आरोपी ओम सिंह सहित अन्य को हिरासत में ले लिया गया है। ओम सिंह का पिता भंवर कंवर प्रशासक (सरपंच) हैं। भंवर कंवर के खिलाफ विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और अतिक्रमण की शिकायत प्रकाश सिंह ने की थी। परिजनों का आरोप है कि इससे गुस्साए आरोपी ओमसिंह ने चचेरे भाई प्रकाश सिंह की हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार घटना 3 मई की रात को हुई थी। प्रकाश सिंह अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। इसी दौरान वहां उसका चचेरा भाई ओमसिंह और उसके परिवार के लोग हाथों में कुल्हाड़ी और गंडासी लेकर आए। इसके बाद प्रकाशसिंह और उसके परिवार के लोगों पर हमला किया। घटना में प्रकाश सिंह की मौत हो गई। वहीं घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद ओम सिंह और उसके परिवार के लोग घर के बाहर आकर धमकियां देते रहे। घटना के बाद प्रकाश सिंह के परिजनों ने सोमवार सुबह से फतेहपुर में उप जिला अस्पताल के बाहर धरना शुरू किया था। आरोपियों को मंगलवार को हिरासत में लेने के बाद उन्होंने धरना समाप्त किया।

परिजनों का आरोप है कि आरोपी ओम सिंह के प्रशासक (सरपंच) पिता भंवर कंवर के विकास कार्यों में किए भ्रष्टाचार और अतिक्रमण की प्रकाश सिंह ने शिकायत की थी। प्रकाश सिंह ने मुख्यमंत्री कार्यालय में भी शिकायत की थी। इस पर दीपावली के दिन पिछले साल आरोपी ओमसिंह ने प्रकाशसिंह के घर पर सांप छोड़ दिया था। वहीं दिसंबर 2025 को ओमसिंह के बेटे और अन्य साथियों ने प्रकाश के बेटे अभिजीत पर भी हमला किया था।

# भीलवाड़ा : किरायेदार बनकर आए बदमाशों ने वृद्धा की चेन लूटी

## मुख्य आरोपी गिरफ्तार, तंग गलियों में रेकी कर बुजुर्गों को निशाना बनाते थे

**भीलवाड़ा,** (निसं)। प्रतापनगर भीलवाड़ा पुलिस ने संगठित अपराध और चेन स्नैचिंग की वारदातों पर लगाम कसते हुए एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। जिला विशेष टीम और प्रतापनगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आजाद नगर में हुई लूट की वारदात का खुलासा कर मुख्य आरोपी को दबोच लिया है।

घटना 24 अप्रैल की है, जब आजाद नगर निवासी 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला सज्जन देवी अपने घर के बाहर खड़ी थी। तभी बाइक पर दो युवक आए और मकान किराए पर लेने के बहाने बातचीत करने लगे। बुजुर्ग महिला कुछ समझ पाती, उससे पहले ही बदमाशों ने

- **पुलिस अब आरोपी के दूसरे साथी और चेन की बरामदगी के प्रयास कर रही है**

उनके गले पर झपट्टा मारा और दो तोले की सोने की चेन छीनकर रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया था। आरोपी पवन उर्फ गजानंद पटवा शहर की तंग गलियों में बाइक से घूमकर ऐसी बुजुर्ग महिलाओं को चिन्हित करता था जो अकेली होती थी। इसके बाद बहाने से पास जाकर आभूषण लूटकर फरार हो जाता था। एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर थानाधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और सायबर सेल की मदद से आरोपी का पीछा किया। डीएसटी टीम के विशेष सहयोग से आरोपी पवन उर्फ गजानंद पटवा (40) निवासी मांडल को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस कार्रवाई में प्रतापनगर थानाधिकारी राजपाल सिंह, एएसआई शिवराज, साइबर सेल के आशीष मिश्रा व चंद्रपाल सिंह के साथ ही डीएसटी के कांस्टेबल पवन कुमार, हरवीर, अनिल कुमार, गीतम सिंह व धर्मेंद्र की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अब आरोपी के दूसरे साथी और लूटी गई चेन की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

# स्कूल वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटी, हादसा टला

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर जिले के बिलाड़ा क्षेत्र में मंगलवार सुबह चोपड़ा फीडर नहर के पास आदर्श विद्या मंदिर सैकंडरी स्कूल की एक वैन जेतिवास रोड पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। गनीमत रही कि वैन नहर के पास गहरे गड्ढे में नहीं गिरी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के समय वैन में 10-12 स्कूली बच्चे सवार थे, जो सुरक्षित हैं। हालांकि, इनमें से 5-6 बच्चों को मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों और बच्चों के अनुसार, यह हादसा वैन चला रहे नए ड्राइवर की लापरवाही के कारण हुआ, जो गाड़ी चलाते समय लगातार मोबाइल फोन देख रहा था।

हादसे के बाद सहमे हुए स्कूली

- **हादसे के समय वैन में 10-12 स्कूली बच्चे सवार थे, जो सुरक्षित हैं**

बच्चों ने बताया कि उनका नियमित ड्राइवर आज नहीं आया था और उसकी जगह कोई नया ड्राइवर वैन चला रहा था।

बच्चों के अनुसार, ड्राइवर लगातार मोबाइल फोन देख रहा था, जिससे गाड़ी सड़क पर अनियंत्रित होकर इधर-उधर लहरा रही थी। इसी लापरवाही के कारण वैन सड़क से नीचे उतर गई और एक तरफ पलट गई। बच्चों ने बताया कि वैन पलटने के बाद वे पीछे का गेट खोलकर सुरक्षित बाहर निकले। घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वैन सड़क से उतरकर जिस तरफ पलटी, वहां चोपड़ा नहर का गहरा गड्ढा है। गनीमत रही कि गड्ढे के किनारे बबूल के पेड़ थे, जिससे वैन वहीं रुक कर पलट गई। यदि वैन और आगे जाती तो वह सीधे गहरे गड्ढे में गिर सकती थी, जिससे कई बच्चों की जान को खतरा हो सकता था।

लोगों ने स्कूल प्रशासन से मांग की है कि वह बच्चों की सुरक्षा के प्रति गंभीरता दिखाए और ऐसे लापरवाह व नए ड्राइवरों को बिना पूरी जांच के गाड़ी चलाने की अनुमति न दे, साथ ही यह भी सुनिश्चित करे कि गाड़ी चलाते समय मोबाइल का उपयोग न हो।

## अजमेर में दो युवकों को पकड़ा

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर शहर में अवैध नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आदर्श नगर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। डीएसटी से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया।

एएसपी सिटी हिमांशु जांगिड ने बताया कि पुलिस टीम ने जब दोनों युवकों को रोककर उनकी तलाशी ली, तो उनके पास से संदिग्ध नशीले पदार्थ की पुड़िया बरामद हुई। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने इन पुड़िया को अपने पास छिपाकर रखा हुआ था, ताकि पुलिस की नजर से बच सकें। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके पर ही दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया और थाने लाकर उनसे गहन पूछताछ शुरू कर दी।

# बीकानेर में व्यापारी से जमीन बेचने के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी

## आरोपी और उसकी पत्नी ने इकरारनामा करने के बावजूद करीब 74 बीघा जमीन किसी और को बेच दी थी

**बीकानेर,** (निसं)। कृषि उपज मंडी के व्यापारी मुकुंद लाल शर्मा (61) के साथ जमीन बेचने के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी संजय सेठिया और उसकी पत्नी नीतू सेठिया ने इकरारनामा करने के बावजूद करीब 74 बीघा जमीन किसी और को बेच दी। इस मामले में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-02 ने कड़ा रुख अपनाते हुए

- **मामले में कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपियों के खिलाफ धारा 420 और 406 के तहत प्रसंज्ञान लिया**

आरोपियों के खिलाफ धारा 420 और 406 के तहत प्रसंज्ञान लिया है।

परिवादी मुकुंद लाल ने बताया कि व्यापारिक संबंधों के चलते उन्होंने संजय सेठिया पर भरोसा किया था। आरोपियों ने थारूसर पूगल स्थित अपनी और पत्नी के नाम की कुल 74 बीघा 10 बिस्वा कृषि भूमि बेचने का सौदा किया, लेकिन इकरारनामा होने के बाद आरोपियों ने छल करते हुए उक्त जमीन किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दी। जब व्यापारी को गुमराह करने का पता चला, तो उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय ने प्रकरण पर विचार करते हुए माना कि आरोपियों ने संपत्ति बेचने की प्रवंचना कर परिवादी के साथ विश्वासघात किया है। कोर्ट ने पुलिस को विधि सम्मत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिला एवं सेशन न्यायालय ने भी इसे गंभीर माना है। गौरतलब है कि यह मामला 2021 का है। परिवादी ने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें एफआर लगा दी गई।

## प्रतिबंधित दवाइयां जब्त, दो जने गिरफ्तार

**हनुमानगढ़,** (निसं)। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गोलूवाला थाना पुलिस ने मंगलवार को दो अलग-अलग कार्रवाइयों में बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाइयां जब्त करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरी कार्रवाई में लंबे समय से फरार चल रहे एक इनामी आरोपी को भी दबोचा गया।

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक पुराने मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी तेजवंत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लखासर क्षेत्र में गश्त के दौरान यह कार्रवाई की। इस दौरान दो युवकों को 2800 प्रतिबंधित प्रेगाबालिन कैप्सूल के साथ पकड़ा गया।

आरोपियों की पहचान खरलिया निवासी गुरमीत सिंह और नवदीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक पुराने मामले में वांछित आरोपी कपिल सांवक को लखासर से गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। गिरफ्तार आरोपियों से पूरे नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

# जोधपुर : कुलदीप विश्नोई हत्याकांड का आरोपी छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

**जोधपुर,** (कासं)। कुलदीप विश्नोई हत्या प्रकरण में डीएसटी फलोदी ने पांच हजार के इनामी बदमाश मुकेश को रायपुर छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया है।

फलोदी एसपी सतनाम सिंह ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 को आउ में एक रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद कुलदीप अपने दोस्त विकास व संदीप के साथ वापस रवाना हुआ था। उस समय पुरानी दुश्मनी को लेकर सदासुख, पवन, कमलेश, प्रकाश, विजय, संजय, शिव, मुकेश, श्याम व

- **आरोपी मुकेश चार माह से फरार था और रायपुर में गैस सप्लाई का काम करता था**

5-7 अन्य जनों ने कुलदीप के साथ मारपीट की थी, जिससे गंभीर चोटें लगी। कुलदीप के पिता की लिखित रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया। वही दौराने इलाज घायल कुलदीप की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि प्रकरण में पूर्व में हत्या के आरोप में मुलजिमान सदासुख, पवन, कमलेश, प्रकाश, श्याम को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य पांच मुलजिम फरार चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी पर पांच-पांच हजार रुपए का इनाम जारी किया गया। डीएसटी फलोदी को मिली सूचना के अनुसार प्रकरण में वांछित पांच हजार के इनामी अपराधी मोटाई निवासी मुकेश कुमार भादू की उपस्थिति रायपुर छत्तीसगढ़ में होना ज्ञात हुआ। जिस पर डीएसटी फलोदी टीम को रायपुर छत्तीसगढ़ भेजा गया। डीएसटी फलोदी ने रायपुर में एक गोदाम पर दबिश दी, जहां से आरोपी मुकेश कुमार को दस्तयाब किया।

आरोपी को डीएसटी फलोदी द्वारा रायपुर छत्तीसगढ़ से भोजासर लाया गया है, जहां पर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आरोपी मुकेश पिछले चार माह से फरार चल रहा था। फरारी के दौरान आरोपी रायपुर में गैस सप्लाई का काम करता था।

# जोधपुर : नौ साल की उम्र में हुये बाल विवाह को कोर्ट ने निरस्त किया

**जोधपुर,** (कासं)। महज नौ साल की उम्र में बाल विवाह की बेड़ियों में जकड़ने के बाद करीब एक दशक तक सितम झेलने के बाद बालिका वधु ने आखिरकार बाल विवाह मुक्ति की जंग जीत ली। सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती के संबल से बाल विवाह निरस्त हो गया। जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या-2 के न्यायाधीश वरुण तलवार ने बाल विवाह के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए बाल विवाह निरस्त का ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट के फैसले के बाद युवती और उसके परिवार की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े।

वर्तमान में करीब 20 वर्षीय युवती का बाल विवाह समाज के दबाव में वर्ष 2015 में जिले के एक ग्रामीण इलाके में हुआ था। उस समय उसकी उम्र करीब 9 साल थी। युवती ने बड़ी होने पर बाल विवाह के बंधन को नकार दिया। इस बीच में सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी

- **बाल विवाह से मुक्त युवती का कहना है कि बाल विवाह की बेड़ियां मुझे कभी मंजूर नहीं थी**

और चाइल्ड एंड वूमेन राइट्स एडवोकेट डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्तीकरण मुहिम की जानकारी मिली। करीब सवा साल पहले डॉ. कृति की मदद से युवती ने पारिवारिक न्यायालय संख्या-2 में बाल विवाह निरस्तीकरण के लिए वाद दायर किया। न्यायालय की सुनवाई के दौरान मामला उस समय नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया, जब युवती के तथाकथित पति ने बाल विवाह होने से ही इंकार कर दिया। ऐसे में सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती ने पैरवी करते हुए बाल विवाह से जुड़े कई दस्तावेजी साक्ष्य और पुख्ता सबूत जुटाकर न्यायालय में पेश किए। साथ ही आयु और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रमाण सहित रखा, जिससे पूरा सच अदालत के सामने उजागर हो गया। पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश वरुण तलवार ने प्रस्तुत साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए और लड़के के बार-बार बदलते बयानों को भ्रामक करार देते हुए बाल विवाह को निरस्त करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने के लिए समाज की मानसिकता में बदलाव जरूरी है।

बाल विवाह से मुक्त युवती का कहना है कि बाल विवाह की बेड़ियां मुझे कभी मंजूर नहीं थी। डॉ. कृति दीदी की मदद से मैंने हिम्मत जुटाई और आज मैं आजाद हूं। अब अपना भविष्य संवारूंगी।

डॉ. कृति भारती, पुनर्वास मनोवैज्ञानिक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी, सारथी ट्रस्टने बताया कि यह सही मायने में सच्चाई की जीत है। हर शिक्षित को बाल विवाह को विरोध करना चाहिए।

# बांसवाड़ा : संगमेश्वर तीर्थ पर नाव पलटी, बच्चा व युवक लापता

**बांसवाड़ा,** (निसं)। संगमेश्वर तीर्थ पर नाव पलटने से आठ वर्षीय बच्चा व एक युवक लापता हो गया, जबकि आठ लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई। बताया जाता है कि अरथूना थाना क्षेत्र के पांचवाड़ा पंचायत के भैंसाउ गांव में मंगलवार दोपहर लगभग तीन बजे ये हादसा हुआ।

घटना की जानकारी मिलते ही अरथूना थाना पुलिस ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया और स्थानीय गोताखोरों, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। बताया जाता है कि 21 वर्षीय जयेश पुत्र कचरा और आठ वर्षीय मानव पुत्र नाथू की तलाश की जा रही है। ये सभी लोग गांव भानों का पाड़ा के रहने वाले हैं जबकि आठ वर्षीय मानव मोटागांव थाना क्षेत्र के गांव चंदूजी का गढ़ा का रहने वाला है। ये लोग संगमेश्वर महादेव मंदिर घूमने आये थे और मंदिर के दर्शन के बाद माही नदी में बोटिंग के लिये जा रहे थे। किनारे से लगभग 200 मी. की दूरी पर नाव पलट गयी। नाविक तैरकर निकलने के बाद फरार हो गया। बताया जाता है कि यात्रियों ने लाईफ जैकेट नहीं पहनी थी। प्रारंभिक जांच में क्षमता से ज्यादा लोगों के नाव में सवार होने से यह हादसा होना बताया जा रहा है। युवक एवं बच्चे की तलाश में सिविल डिफेंस की टीमों के अलावा स्थानीय मछुआरों और गौताखोरों की भी मदद ली जा रही है। पुलिस उप अधीक्षक बाबूलाल रैगर ने बताया कि नाव की भी तलाश की जा रही है।

## कोटा में युवक ने घर में फांसी लगा आत्महत्या की

**कोटा,** (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में सामने आया कि मृतक डिलीवरी का काम करता था, जिसने घर में टीनशेड की एंगल पर फांसी लगा ली, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आगे की जांच शुरु कर दी है।

महावीर नगर थानाधिकारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि महावीर नगर इलाके के केशवपुरा निवासी गुरूनाम सिंह (22) ने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि प्रथमदृष्टा से मामले में सामने आया कि मानसिक तनाव के चलते युवक ने यह कदम उठाया है। मृतक डिलिवरी बॉय का काम करता था। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

# उदयपुर के बलीचा में चलती बस में आग लगी, 38 यात्रियों की जान बची

**उदयपुर,** (निसं)। उदयपुर शहर के समीप ही बलीचा बाइपास पर मंगलवार शाम एक निजी ट्रावेल्स की चलती बस में अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और तेज उठती लपटों के साथ बस जलकर राख हो गई। बस में 38 यात्री सवार थे, लेकिन आग लगने से पहले ही यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार शहर के बलीचा बाइपास पर शाम करीब 5 बजे एक बस गुजरात की ओर से जा रही थी। इस दौरान ड्राइवर ने बोनट से धुआं उठता देखा और उसने जल्द ही स्थिति को भांपते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित

- **ड्राइवर ने बोनट से धुआं निकलता देखा तो सवारियों को नीचे उतारा**
- **आमेट से सूरत जा रही थी निजी बस, तीन दमकलें आग बुझाने पहुंची**

बाहर निकाला। बताया जा रहा कि बस में 38 यात्री थे। आग भयावह रूप लेती इससे पहले सूझबूझ के चलते सभी को बाहर उतार लिया गया, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। आग से उठती लपटों के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े इस बाइपास पर यातायात जाम हो गया और मौके पर भीड़ जमा हो गई। आग के भयावह रूप को देखते हुए लोगों में अफरा-तफरी मच गई और बस से समीप से लोग इधर-उधर भागने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल के करीब से लोगों को दूर किया। बस आमेट से सूरत की ओर जा रही थी और उदयपुर में यह आग की घटना घटित हो गई। आग बुझाने के लिए दमकल को सूचना दी गई इस पर करीब तीन दमकलों ने मौके पर पहुंची आग पर काबू पाया। इस दौरान एकतरफ से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया जिसे कुछ देर बाद सुचारू किया गया।

# कपासन के गुलाब सागर तालाब में सैकड़ों मछलियां मृत मिली

## अज्ञात कारणों से हुई मौत, नगर पालिका टीम ने मृत मछलियों को हटाने का काम शुरू किया

**कपासन,** (निसं)। कस्बे के प्राचीन गुलाब सागर तालाब में अचानक सैकड़ों मछलियां मृत पाई जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के बाद तालाब के आसपास रहने वाले लोगों में चिंता का माहौल है। बताया जा रहा है कि मौसम में बदलाव और हालिया बारिश के बाद यह स्थिति सामने आई है।

तेज हवा के चलते बड़ी संख्या में मृत मछलियां तालाब के किनारों पर आकर जमा हो गई, खासकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्यान की ओर इनकी संख्या अधिक देखी गई। इसके अलावा तालाब के पानी में भी कई स्थानों पर मरी हुई मछलियां तैरती नजर आई, जिससे जल की स्थिति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने मछलियों की मौत के पीछे जल प्रदूषण की आशंका जताई है। उनका कहना है कि कस्बे की गंदी नालियों का पानी अक्सर इस तालाब में आकर मिलता है, जिससे पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में यह भी एक संभावित कारण माना जा रहा है कि प्रदूषित पानी के कारण मछलियों की मौत हुई हो। फिलहाल नगर पालिका प्रशासन द्वारा तालाब से मृत मछलियों को हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है, ताकि बदबू और संक्रमण जैसी समस्याओं से बचा जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मछलियों की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

कपासन के प्राचीन गुलाब सागर तालाब में सैकड़ों मछलियां मृत मिलने पर हड़कंप मच गया।

# भरतपुर में अनशन पर बैठे तीन अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

## रीट भर्ती 2018 से जुड़े लंबित नियुक्ति विवाद ने तूल पकड़ा

**भरतपुर,** (निसं)। रीट भर्ती 2018 से जुड़े लंबित नियुक्ति विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। बयाना के हिंडौन रोड स्थित काराबारी-पीलूपुरा स्मारक स्थल पर आमरण अनशन कर रहे तीन अभ्यर्थियों की अचानक तबीयत बिगड़ने से प्रशासन में हड़कंप मच गया। तीनों को पहले बयाना अस्पताल और बाद में जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

अस्पताल में भर्ती अभ्यर्थी राजवीर गुर्जर ने बताया कि एमबीसी वर्ग के 372 पदों पर नियुक्ति को लेकर वे पिछले सात साल से संघर्ष कर रहे हैं। सरकार ने लिखित में पद देने की बात स्वीकार की थी, लेकिन आज तक नियुक्ति नहीं मिली। कई बार धरना-प्रदर्शन और वार्ताओं के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया। उन्होंने बताया कि पूर्व में कलैक्टर की समझाइश पर आंदोलन समाप्त किया गया था और 1 मई तक समाधान का आश्वासन मिला था। लेकिन तय समय सीमा तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर अभ्यर्थियों ने 2 मई से दोबारा भूख हड़ताल शुरू कर दी। अनशन के चौथे दिन उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया। राजवीर ने कहा कि उन्हें इलाज नहीं, बल्कि अपनी मांगों का समाधान चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्रियों और अधिकारियों की बनी कमेटी के साथ सीधी वार्ता कराकर समस्या का स्थायी हल निकाला जाए। इधर, अस्पताल में एडीएम प्रशासन घनश्याम शर्मा अभ्यर्थियों से मिलने पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली, लेकिन अभ्यर्थियों का कहना है कि उनकी ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया। धरना स्थल पर मौजूद अन्य अभ्यर्थियों और गुर्जर समाज के लोगों ने आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। उल्लेखनीय है कि 8 अप्रैल को कलैक्ट्रेट में हुई बैठक में 1 मई तक मंत्रीमंडलीय उपसमिति के साथ वार्ता कराने का भरोसा दिया गया था, जो पूरा नहीं हुआ। चिकित्सकीय टीम के अनुसार, तीनों अभ्यर्थियों का शुगर लेवल काफी गिर गया था और उन्हें चक्कर व कमजोरी की शिकायत थी। फिलहाल तीनों अभ्यर्थियों का अस्पताल में उपचार जारी है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

# राजसमंद : केमिकल से भरा टैंकर पलटा, आग लगने से चालक जिंदा जला

## आग बुझाने के बाद पता चल पाया कि टैंकर चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई

**राजसमंद,** (निसं)। जिले के दिवेर थाना क्षेत्र के छापली घाट में फोरलेन सड़क पर केमिकल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया और टैंकर में भीषण आग लग गई। घटना के बाद फोरलेन पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। वहीं सूचना पर दिवेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को कंट्रोल किया। टैंकर में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। मौके पर राजसमंद, आमेट सहित अन्य जगहों से पांच दमकलों की टीम मौके पर पहुंची और करीब 2 घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, इसके बाद पता चल पाया कि टैंकर चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई।

- चालक उदयपुर से केमिकल से भरा टैंकर अजमेर लेकर जा रहा था, दिवेर थाना क्षेत्र के छापली घाट में फोरलेन पर हादसा हो गया
- घटना के बाद फोरलेन पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, दिवेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को कंट्रोल किया

केमिकल से भरे टैंकर में भीषण आग लगने के बाद पांच दमकलों की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार टैंकर चालक गुडली उदयपुर निवासी सोहनलाल डांगी उदयपुर से केमिकल से भरा टैंकर अजमेर लेकर जा रहा था। इस दौरान छापली के घाटे में हादसे का शिकार हो गया। वहीं घटना के बाद फोरलेन पर बाधित यातायात को पुलिस ने एक तरफा कर सुचारु किया, इसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकी। वहीं दिवेर थाना पुलिस चालक के शव को स्थानीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाकर आगे की जांच शुरू कर दी है, लेकिन टैंकर में लगी आग की घटना के बाद एक समय अफरा-तफरी सा महौल हो गया था। मौके पर बडी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने मौके से क्रेन के माध्यम से क्षतिग्रस्त टैंकर को हटवाकर फोरलेन पर यतायात बहाल करवाया और जांच शुरु कर दी है।

# रेलिंग से टकराई पावर बाइक, एम.पी. के युवक की मौत

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के डीपीएस-सांगरिया रोड हाइवे पर पावर बाइक सवार युवक आधी रात ढाई बजे तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गया। गाड़ी सड़क पर लगी रेलिंग से टकरा गई, जिससे बाइक सवार गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। एंबुलैंस की मदद से उसे एम्स अस्पताल भिजवाया गया, 15 मिनट के अंतराल में मौत हो गई। मां-पिता एमपी से जोधपुर पहुंचे और मामला दर्ज कराया। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया। मृतक निजी फर्म में नौकरी करता था।

चौहाबो थाने के हैड कांस्टेबल हरेंद्र मेहला ने बताया कि मूलत: मध्यप्रदेश के बैतुल का रहने वाला सौरभ पुत्र सुबोध हलधर यहां जोधपुर में एक निजी कंपनी में काम करता था। वह यहां इंडिया बुल्स में ही रहता था। 2-3 मई की रात ढाई बजे अपनी पावर बाइक से डीपीएस-सांगरिया हाइवे पर निकल रहा था। संभवत : उसकी गाड़ी की गति तेज थी और वह अनियंत्रित होकर सड़क पर लगी रेलिंग से टकरा गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर उसे एम्स अस्पताल ले जाया गया, मगर कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

- जोधपुर में एक निजी कंपनी में काम करता था युवक, इंडिया बुल्स में ही रहता था

हैड कांस्टेबल हरेंद्र मेहला ने बताया कि वह अविवाहित था और यहां अकेला ही रहता था। घटना के बाद उसके परिजन को सूचना दी गई। वे जोधपुर पहुंचे और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। प्रथम दृष्टया मामला स्वत: रेलिंग से टकराना प्रतीत हुआ है। उसके संभवत : हेलमेट भी नहीं पहना हुआ था। अग्रिम कार्रवाई जारी है।

# डूंगरपुर में पारिवारिक विवाद में भाई ने भाई की हत्या की

**डूंगरपुर,** (निसं)। जिले के निठाउवा थाना क्षेत्र के डूंगलई गांव में एक पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी, जबकि बीच-बचाव करने आई भाभी को भी घायल कर दिया। घायल महिला को सागवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निठाऊवा थाने के सीआई ने बताया कि डूंगलई निवासी देवली ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। देवली ने बताया कि उनके पति कन्हैयालाल कपड़े सिलाई का काम करते थे। घटना के दिन उनकी बेटी पुष्पा और देवर सोहनलाल की पत्नी भुला के बीच बकरियों के लिए चारा गिराने जैसी मामूली बात पर कहासुनी हो गई थी। इस विवाद से नाराज होकर सोहनलाल की पत्नी भुला अपने पीहर चली गई। जब सोहनलाल घर लौटा और उसे अपनी पत्नी के घर छोड़कर जाने का पता चला, तो वह आग बबूला हो गया। गुस्से में वह कन्हैयालाल के घर में घुस गया और चिल्लाने लगा कि उसकी बेटी की वजह से उसकी पत्नी पीहर चली गई है। इसी दौरान सोहनलाल ने अपने भाई कन्हैयालाल के पेट में चाकू मार दिया, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर पडे। जब पत्नी देवली अपने पति को बचाने के लिए बीच में आईं, तो सोहनलाल ने उन पर भी चाकू से वार किया। चाकू उनके बाएं हाथ की कोहनी के आर-पार हो गया। घटना के तुरंत बाद दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए निठाउवा ले जाया गया। वहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सागवाड़ा रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान कन्हैयालाल की मौत हो गई। पुलिस ने देवली की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी सोहनलाल की तलाश में जुट गई है।

# अजमेर में महिला नकबजन गिरफ्तार, 20 लाख के जेवर बरामद

## पीसांगन क्षेत्र में किरायेदार बनकर रह रही थी महिला

**अजमेर,** (कासं)। जिले में बढ़ रही चोरी, नकबजनी और लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पीसांगन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर महिला नकबजन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से 20 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

ग्रामीण एएसपी दीपक कुमार ने बताया कि पीसांगन थाना क्षेत्र में 19 अप्रैल को मेवाड़िया गांव निवासी 75 वर्षीय वृद्धा चुका देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर उनके सूने मकान से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गए। 12 अप्रैल को घर लौटने पर मकान के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा पड़ा था। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने पुराने अपराधियों का डेटा खंगाला, संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी और तकनीकी विश्लेषण के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। लगातार निगरानी और सूचना संकलन के बाद पुलिस को एक संदिग्ध महिला के बारे में पुख्ता जानकारी मिली। तीन मई को पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला पीसांगन क्षेत्र में किरायेदार बनकर रह रही है और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला को डिटेन कर पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी महिला ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपी महिला की निशानदेही पर पुलिस ने प्रतापपुरा रोड स्थित एक सूने मकान से चोरी किया गया सामान बरामद किया। बरामद माल में सोने-चांदी के आभूषण, नकदी राशि सहित अन्य कीमती सामान शामिल है, जिसकी कुल कीमत 20 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है।

- पीसांगन थाना क्षेत्र में 19 अप्रैल को मेवाड़िया गांव सूने मकान से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी हुये थे

# कार पर पुलिस का लोगो लगाकर तस्करी कर रहे पंजाब के दो तस्कर गिरफ्तार

**भीलवाड़ा,** (निसं)। भीलवाड़ा जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल की है। जिला विशेष टीम और बिजौलियां थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा-चूरा और हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो पंजाब के निवासी हैं।

जानकारी के अनुसार, तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए अपनी अल्काजार कार पर पुलिस का लोगो लगा रखा था। डीएसटी के एएसआई अशोक कड़वा की सूचना पर थानाधिकारी स्वागत पंड्या ने केसरगंज कट पर नाकेबंदी की। लाडपुरा की ओर से आ रही संदिग्ध कार को जब रोका गया तो तलाशी के दौरान उसमें 13 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 246 किलो 620 ग्राम डोडा-चूरा मिला। पकड़े गए तस्कर न केवल मादक पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे, बल्कि वे हथियारों से भी लैस थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 1 पिस्टल, 2 मैगजीन और 21 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। जब्त किए गए डोडा-चूरा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 37 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने तकदीर सिंह (27) निवासी बरनाला, पंजाब और दलजीत सिंह (37) निवासी बरनाला, पंजाब को गिरफ्तार किया।

- बिजौलियां पुलिस ने 37 लाख का डोडा-चूरा, पिस्टल और 21 जिंदा कारतूस सहित लग्जरी कार जब्त की
- पुलिस को अल्काजार कार में 13 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 246 किलो 620 ग्राम डोडा-चूरा मिला
- पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क और हथियारों के स्त्रोत का पता लगाने में जुटी

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशानुसार हुई इस कार्रवाई में थानाधिकारी स्वागत पंड्या, एएसआई सुनील बेनिवाल (विशेष भूमिका), एएसआई अशोक कड़वा (डीएसटी) और साइबर सेल के एएसआई आशीष सहित पूरी टीम का अहम योगदान रहा। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क और हथियारों के स्त्रोत का पता लगाने में जुटी है।

## सीकर में किसान ने आत्महत्या की

**सीकर,** (निसं)। सीकर जिले के फतेहपुर सदर थाना इलाके के गोड़ियां बड़ा गांव में किसान (42) ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। किसान ने अपने ही खेत के पेड़ में फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह जब शव को पेड़ पर लटका हुआ देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। फिलहाल शव को धानुका अस्पताल की मोर्च्यूरी में रखवाया गया है। घटना सोमवार देर रात की है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की तह तक जांच में जुटी है। मृतक का नाम सोहनलाल छबरवाल (42) पुत्र शैतान निवासी गोड़ियां बड़ा है, जिसने अपने ही खेत में पेड़ से फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड किया। सुबह परिजनों ने जब शव को पेड़ पर लटका हुआ देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी।

# पाकिस्तान से आई डेढ़ किलो हेरोइन, एक किलो अफीम व हथियार बरामद

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। श्रीगंगानगर जिले में कार सवार तस्करों ने पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की। इस दौरान तेज रफ्तार कार से सामने खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तस्करों की गाड़ी बंद हो गई। पुलिस ने पंजाब के रहने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनकी कार भी जब्त की है। पुलिस को तस्करों के पास से हेरोइन, अफीम और विदेशी हथियार मिले हैं, जो पाकिस्तान से भेजे गए थे। मामला समेजा कोठी थाना क्षेत्र का का है।

एसपी हरिशंकर ने बताया कि दोपहर करीब दो बजे नशे की खेप और हथियार तस्करी की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने समेजा कोठी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-911 (श्रीगंगानगर से खाजूवाला, बीकानेर) पर भारी नाकाबंदी की थी। ट्रैक्टर-ट्रॉली और बैरिकेडिंग लगाकर सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। इसी दौरान अनूपगढ़ की तरफ से तेज स्पीड में एक लग्जरी कार आती नजर आई। इस कार का पुलिस पीछा कर रही थी।

तस्कर ने रास्ते में ट्रैक्टर-ट्रॉली से नाकाबंदी देखी तो जोरदार टक्कर मारकर आगे निकलने की कोशिश की, लेकिन उनकी गाड़ी रुक गई। गाड़ी रुकते ही दोनों तस्कर उतरकर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने पकड़ लिया। आरोपियों के पास से पाकिस्तान की तरफ से भेजी गई ड्रग्स और हथियारों की खेप बरामद हुई है। खेप में 1.50 किलो हेरोइन, 1 किलो अफीम, 5 विदेशी पिस्टल और 72 राउंड थे। दोनों आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं। इनके पाकिस्तान और पंजाब के अन्य तस्करों से लिंक की भी जांच की जा रही है। फिलहाल दोनों आरोपियों से थाने में पूछताछ की जा रही है और नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। पुलिस इस पूरे अंतरराष्ट्रीय तस्करी रैकेट की परतें खोलने में जुटी हुई है।

- श्रीगंगानगर जिले में कार सवार तस्करों ने पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की थी, पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया
- दोनों गिरफ्तार आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं, इनके पाकिस्तान और पंजाब के अन्य तस्करों से लिंक की भी जांच की जा रही है

# अजमेर में तीन भाइयों के सूने मकानों से 15 लाख के जेवर चोरी

## ब्यावर में मायरा कार्यक्रम में गए थे सभी परिवारजन, पीछे से चोरों ने मकानों के ताले तोड़े

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर शहर के रामगंज थाना क्षेत्र स्थित सोमलपुर इलाके में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात चोरों ने एक ही परिवार के तीन सगे भाइयों के सूने मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। घटना उस समय हुई जब तीनों परिवार सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घरों पर ताला लगाकर बाहर गए हुए थे।

जानकारी के अनुसार सोमलपुर निवासी रफीक खान, शोकीन खान और फिरोज खान अपने-अपने परिवारों के साथ ब्यावर में आयोजित मायरा कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इस दौरान उनके मकान पूरी तरह सूने पड़े थे, जिसका फायदा उठाते हुए चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। जब तीनों परिवार वापस लौटे तो उनके होश उड़ गए। मकानों के मुख्य दरवाजों के ताले टूटे हुए थे। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारियों के ताले भी तोड़े जा चुके थे। जांच करने पर पता चला कि घरों में रखे सोने-चांदी के आभूषण और कीमती सामान चोरी हो चुके हैं। घटना के बाद पीड़ितों ने तुरंत रामगंज थाने पहुंचकर अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज करवाई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, तीनों भाइयों को मिलाकर करीब 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है, साथ ही इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

- पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा किया जाएगा। वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

# गुढ़ागौड़जी में प्रस्तावित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध, सड़कों पर उतरे व्यापारी

**गुढ़ागौड़जी,** (निसं)। गुढ़ागौड़जी कस्बे में मंगलवार को उस समय माहौल गरमा गया, जब स्टेट हाईवे-37 पर प्रस्तावित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने पूरा बाजार बंद कर प्रदर्शन किया। मुख्य बाजार में सैकड़ों व्यापारी एकत्रित हो गये और धरने पर बैठ गये। वहीं प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई रोकने की मांग उठाई। व्यापारियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश की पालना में स्टेट हाईवे-37 को 80 फीट चौड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत सड़क के दोनों ओर से 25-25 फीट अतिरिक्त भूमि खाली कराने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम जारी किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि तय समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाने पर बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी और खर्च भी संबंधित लोगों से वसूला जाएगा।

धरनास्थल पर व्यापारियों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्षों से स्थापित दुकानों और व्यवसायों को बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के हटाना हजारों परिवारों की आजीविका पर सीधा हमला है। व्यापारी प्रतिनिधि प्रदीप कुमावत ने कहा कि अचानक की जा रही इस कार्रवाई से छोटे व्यापारियों का रोजगार पूरी तरह प्रभावित होगा। उन्होंने मांग रखी कि प्रशासन पहले वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराए, उसके बाद ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए।

दूसरी ओर प्रशासन का रुख पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप की जा रही है और इसमें किसी भी प्रकार की नरमी संभव नहीं है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होते ही व्यापक स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी, जिसमें सरकारी निर्माण भी दायरे में आ सकते हैं। बाजार बंद और प्रदर्शन के चलते कस्बे में दिनभर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। हालांकि प्रशासन ने हालात नियंत्रण में होने का दावा किया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह सतर्क रहा। स्टेट हाईवे-37 क्षेत्र की प्रमुख सड़क मानी जाती है और बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए इसे चौड़ा करने की योजना बनाई गई है, लेकिन सड़क चौड़ीकरण की इस मुहिम ने अब व्यापारियों और प्रशासन को आमने-सामने ला खड़ा किया है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गर्माने के संकेत मिल रहे हैं।

गुढ़ागौड़जी कस्बे में प्रस्तावित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

- व्यापारियों ने मांग रखी कि प्रशासन पहले वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराए, उसके बाद ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए
- हाईकोर्ट के आदेश पर 80 फीट चौड़ी होगी स्टेट हाईवे-37, प्रशासन ने 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था

# पुलिस पर जानलेवा हमला करने के दो इनामी बदमाशों को पकड़ा

**झुंझुनूं/गुढ़ागौड़जी,** (निसं)। गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस ने पुलिस जाप्ते पर जानलेवा हमला कर सरकारी वाहनों को टक्कर मारने और चार सरकारी कर्मचारियों को घायल करने के सनसनीखेज मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच-पांच हजार रुपए के दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में हिस्ट्रीशीटर विरेन्द्र उर्फ कालू और विकास उर्फ विक्की शामिल हैं। मामले में पूर्व में भी दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस के अनुसार यह पूरी वारदात 14 मार्च 2026 को गुढ़ाबावनी के बांडियानाला क्षेत्र में हुई थी, जब पुलिस को सूचना मिली कि हिस्ट्रीशीटर रोहित महला अपने गैंग के साथ किसी बड़ी वारदात की फिराक में मौजूद है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर बदमाशों ने सीधे हमला बोल दिया। मारने की कोशिश- गश्त के दौरान मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर बिना नंबर की बोलेरो पिकअप चढ़ाने का प्रयास किया गया। आरोपी विरेन्द्र उर्फ कालू ने सरकारी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि एयरबैग खुलने से पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसी दौरान हिस्ट्रीशीटर रोहित महला दूसरी पिकअप लेकर मौके पर पहुंचा और पुलिस जाप्ते को कुचलने की नीयत से वाहन दौड़ा दिया। इस हमले में पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। बदमाशों ने मौके से अपने पकड़े गए साथी को छुड़ा लिया और राजकार्य में बाधा पहुंचाई। हमले के बाद भागते समय रोहित महला की गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में घायल होने के बावजूद पुलिस ने उसे दबोच लिया, जबकि उसके अन्य साथी फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि रोहित महला के खिलाफ पहले से 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह आरवी ग्रुप 0038 नाम से गैंग संचालित करता है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं, पीडीपीपी एक्ट तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, पुलिस पर हमला करने, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत और वृताधिकारी महावीर सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेश कुमार रोलन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार दबिश देकर आरोपी विरेन्द्र झाझड़िया उर्फ कालू निवासी नाटास और विकास स्वामी उर्फ विक्की निवासी गुढ ाबावनी को गिरफ्तार कर लिया।

- सरकारी गाड़ियों को टक्कर मारी थी, चार पुलिसकर्मी घायल हुए थे

# विधानमंडल समिति प्रणाली को सशक्त बनाने पर जयपुर में मंथन

## जून में लोकसभा को रिपोर्ट सौंपेंगी पीठासीन अधिकारियों की समिति

-विधानसभा संवाददाता-

**जयपुर।** देशभर के विधान मंडलों की समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी, सक्रिय और एकरूप बनाने के उद्देश्य से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित सात पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित हुई।

समिति की इस द्वितीय बैठक में नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधानसभाओं के अध्यक्षों ने भाग लिया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों का पारंपरिक राजस्थानी आतिथ्य के साथ स्वागत किया।

बैठक में विधान मंडलों की समितियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए सभी राज्यों में समिति प्रणाली में एकरूपता लाने, समितियों को अधिक प्रभावशाली बनाने, विधायकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा समितियों की रिपोर्ट पर राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।डॉ. देवनानी ने कहा कि समितियां सदन का लघु रूप होती हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि समितियों के कार्यों को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाने के लिए सुझावों का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है, जिसे जून माह में लोकसभा अध्यक्ष को प्रस्तुत किया जाएगा।

बैठक में यह भी विचार किया गया कि समितियों की रिपोर्ट पर सदन में अधिक प्रभावी चर्चा हो तथा संसदीय शोध और जनहित मामलों में उनकी भूमिका को और मजबूत किया जाए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से भी परिचित कराया गया। सारंगी वादन, कच्छी घोड़ी नृत्य और कठपुतली कला प्रदर्शन ने सभी आगंतुकों को प्रभावित किया।

इस उच्च स्तरीय बैठक को देश की संसदीय और विधायी प्रक्रियाओं को अधिक मजबूत, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति बैठक को राजस्थान विधानसभाध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने संबोधित किया।

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की 5 राज्यों से आए विधानसभा अध्यक्षों के साथ मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में स्पीकर्स से मुलाकात की।

**जयपुर।** देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मुलाकात की। मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा की विधानसभा अध्यक्ष सूरमा पाढ़ी और सिक्किम के विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोर्बू शेरपा के सम्मान में आयोजित विशेष भोज में शामिल हुए एवं विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे।

# पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता और 2 ठेकेदार रिश्वत लेते गिरफ्तार

## ए.सी.बी. ने आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 4 हजार रुपए भी बरामद किए

**जयपुर।** सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में अधिशाषी अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में दो ठेकेदारों को भी दबोचा गया है।

एसीबी के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि विभाग में भ्रष्टाचार की लगातार मिल रही सूचनाओं के आधार पर निगरानी रखी जा रही थी। जांच में सामने आया कि अधिशाषी अभियंता शहजाद मोहम्मद ठेकेदारों से उनके द्वारा किए गए कार्यों के भुगतान के एवज में स्वयं के साथ-साथ अधीक्षण अभियंता खेमचंद मीणा के नाम पर भी रिश्वत की वसूली कर रहा था।

एसीबी अजमेर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में भीलवाड़ा प्रथम इकाई के उप अधीक्षक पारसमल के नेतृत्व में टीम ने मंगलवार को ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान अधिशाषी अभियंता शहजाद मोहम्मद को कलेक्ट्रेट कार्यालय भीलवाड़ा में ठेकेदार मोडूराम धाकड़ और बनवारीलाल से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। टीम ने मौके से 4 लाख 4 हजार रुपए की रिश्वत राशि बरामद की। इस दौरान दोनों ठेकेदारों को भी हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अधिकारी ठेकेदारों से संगठित तरीके से 'कलेक्शन' कर रहा था। एसीबी अब इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस मामले में और कौन-कौन अधिकारी या कर्मचारी शामिल हैं। एसीबी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जांच के दायरे को और बढ़ाया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों में भी हड़कंप मच गया है और भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है।

एसीबी टीम ने पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन और दो ठेकेदारों को गिरफ्तार किया।

## दस हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर।** ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने और मारपीट के मामलों में फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी बदमाश देवेन्द्र उर्फ लालू (23) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिछले दो माह से पुलिस की पकड से दूर था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि 7 मार्च 2026 को परिवादी विजय सिंधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि तीन अज्ञात बाइक सवारों ने उनके साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। इस संबंध में ब्रह्मपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक व सहायक पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह राणावत के सुपरविजन में ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमंत जनागल के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सहायता और खुफिया सूचना के आधार पर आरोपी देवेन्द्र को जयपुर से दबोच लिया।

# एएसआई व पूर्व पार्षद दलाल एक लाख रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

**जयपुर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की डूंगरपुर टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक(एएसआई ) मदन लाल एवं उसके लिए दलाली कर रहे पूर्व पार्षद डायालाल पाटीदार को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि डूंगरपुर एसीबी को एक परिवाद प्राप्त हुआ था। जिसमें आरोप लगाया गया कि एएसआई मदन लाल ने परिवादी को धोखाधड़ी के एक मामले में डराते हुए उसकी बेटी और जमाई को गिरफ्तार करने की धमकी दी। आरोप था कि मामले से बेटी और जमाई का नाम हटाने तथा परिवादी को राहत दिलाने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत का सत्यापन 5 मई को कराया गया। जिसमें सामने आया कि दलाल के रूप में डायालाल पाटीदार (पूर्व पार्षद) के माध्यम से 1 लाख रुपए की रिश्वत लेने पर सहमति बनी। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाते हुए ट्रैप कार्रवाई की। उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में पुलिस उप अधीक्षक रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को जैसे ही दलाल डायालाल पाटीदार ने एएसआई मदन लाल के लिए परिवादी से एक लाख रुपये की राशि ली। उसी दौरान एसीबी की टीम ने उसे दबोच लिया। इसके साथ ही आरोपी सहायक उप निरीक्षक को भी गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी मदनलाल और डायालाल पाटीदार।

# 93 प्रतिशत रहा शेखावत का स्ट्राइक रेट

## केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 28 सीटों पर प्रचार किया, 26 पर भाजपा जीती

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** जोधपुर सांसद और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने उत्तरी बंगाल में भाजपा की जीत की पटकथा लिखी। शेखावत ने 15 दिन लगातार कैंप कर 28 सीटों पर सघन प्रचार की कमान संभाली और पार्टी को 26 सीटों पर विजय दिलाई। उनका स्ट्राइक रेट 93 प्रतिशत रहा। खास बात यह है कि सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशी बड़े अंतर से जीते, जो पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रदर्शन का निर्णायक आधार बना।

केंद्रीय मंत्री शेखावत को पार्टी नेतृत्व ने कूचबिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी जैसे रणनीतिक जिले का जिम्मा सौंपा था। यह इलाका सीमावर्ती होने के कारण राजनीतिक और सुरक्षा, दोनों लिहाज से संवेदनशील माना जाता है।

लगातार जमीनी डेरा डालकर शेखावत ने स्थानीय समीकरणों को साधा और मतदाताओं के मुद्दों को सीधे चुनावी नैरेटिव में बदला। शेखावत ने डोर टू डोर कैंपेनिंग के अलावा रोड शो, नुक्कड़ सभाएं, कार्यकर्ताओं के साथ रणनीतिक बैठकें कीं। बूथ मैनेजमेंट को मजबूत किया। मारवाड़ी समुदाय समेत प्रभावशाली सामाजिक समूहों को साधकर एक व्यापक समर्थन आधार खड़ा किया।

- कई सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की जीत का अंतर 70 हजार वोटों से अधिक रहा

2021 के विधानसभा चुनाव में शेखावत के आक्रामक और परिणामोन्मुखी अभियान को देखते हुए ही पार्टी ने उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी दी थी। इस बार उन्होंने इसे नतीजों में तब्दील कर दिया। 26 सीटों पर जीत का अंतर सामान्य नहीं, बल्कि रिकॉर्ड स्तर का रहा। माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी में 1,04,265 वोटों की बढ़त, डाबग्राम-फुलबाड़ी में 97,715, सिलीगुड़ी में 73,192, अलीपुरद्वार में 70,420 और कूचबिहार उत्तर में 70,384 वोटों से जीत के आंकड़े बताते हैं कि मुकाबला एकतरफा था।

जलपाईगुड़ी (68,805), माथाभांगा (57,090), मयनागुड़ी (56,503) और कुमारग्राम (52,877) जैसी सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों ने 50 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। मदारीहाट, फांसीदेवा और फालाकाटा में भी जीत का अंतर 40 हजार से ऊपर रहा, जो संगठनात्मक पकड़ और वोट ट्रांसफर की सटीकता को दिखाता है। केंद्रीय मंत्री शेखावत की रणनीति सिर्फ रैलियों तक सीमित नहीं रही। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों की समस्याओं, जैसे सुरक्षा, घुसपैठ, विकास और पहचान को सीधे मतदाताओं के बीच उठाया।

## जल संसाधन के निर्माण कार्यों में अनियमितता पर 3 अभियंता निलम्बित

**जयपुर।** जल संसाधन की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कार्यों में मानक सामग्री का उपयोग नहीं पाए जाने पर 3 अभियंताओं को निलम्बित किया गया है। साथ ही, 3 अभियंताओं को चार्टशीट दी गई है। विभाग अब इन मामलों में दोषी संवेदकों के खिलाफ की कार्रवाई करेगा।

जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता (प्रशासन) ने 5 मई को आदेश जारी किया है। इसमें दायीं मुख्य नहर सीएडी चम्बल कोटा में चल रहे निर्माण कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर दायीं नहर उपखंड सीएडी अंता के कनिष्ठ अभियंता नेमीचंद बैरवा, सोनू कुमार गोचर और दीपक चौधरी को निलम्बित किया गया है। इसके साथ ही, दायीं मुख्य नहर खंड द्वितीय सीएडी चम्बल कोटा के अधिशाषी अभियंता हेमराज मीणा, सहायक अभियंता एवं तकनीकी सहायक नरेश मालव और दायीं नहर खंड सीएडी चम्बल अंता के सहायक अभियंता अमित कुमार बोहरा पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

# पिता ने नाबालिग बेटी को मोहरा बनाकर दर्ज कराया पॉक्सो का मामला

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने पॉक्सो से जुडे मामले में आरोपी मनोज कुमार को बरी करते हुए कहा है कि पिता ने अपनी नाबालिग बेटी को मोहरा बनाकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

यदि वास्तव में पीडिता के साथ अपराध होता तो पीडिता की मां को जानकारी होने के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराती। इसके अलावा परिवादी पक्ष की ओर से पूर्व में भी एक व्यक्ति को दुष्कर्म प्रकरण में फंसाने के बाद पक्षद्रोही होने का मामला सामने आया है। मामले में एफआईआर तीन माह बाद दर्ज कराई गई और पीडिता के बयान भी विश्वसनीय प्रकृति के नहीं पाये जाते हैं।

आरोपी के वकील नाथू सिंह चौहान ने बताया कि पीडिता के पिता ने 16 मार्च, 2022 को पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट दी थी कि 8 दिसंबर, 2021 को वह ड्यूटी से घर लौटा तो उसकी पत्नी व बेटी नहीं मिली। उसे पता चला कि वह मनोज के साथ रह रही है। जब वह उन्हें लेने गया तो उसकी बेटी ने बताया कि आरोपी उसके साथ अश्लीलता करता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। जहां पीडिता ने भी आरोप दोहराए। वहीं बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि पूर्व में पीडिता की मां ने एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। जिसमें नौ लाख रुपए लेकर राजीनामा किया गया।

पीडिता की मां और शिकायतकर्ता पिता के बीच झगड़ा होता था। जिसके कारण वह पीडिता के साथ अलग रहती थी और मनोज भी साथ रहता था। इस कारण उसने नाबालिग को मोहरा बनाकर एफआईआर दर्ज करा दी।

## 700 से अधिक असामाजिक तत्व गिरफ्तार

**जयपुर।** जयपुर पूर्व जिला पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए चलाए गए तीन दिवसीय विशेष एरिया डोमिनेशन एवं ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत 700 से अधिक असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया गया। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई।

# पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के बीच एमओयू

## भारत में विद्यमान असीम संभावनाओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का सामर्थ्य है पतंजलि के पास : आचार्य बालकृष्ण

**हरिद्वार।** वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समठा स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है। यह समझौता ज्ञापन कल नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाई के अंतर्गत किया है।

यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साक्ष्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, जो ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक प्रतिष्ठित शैक्षिणक एवं अनुसंधान संस्थान है, इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाएगा, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए भी एक सशक्त आधार तैयार करेगा।

उन्होने कहा कि आयुर्वेद केवल एक उपचार पद्धित नहीं, बल्कि जीवन जीने का विज्ञान है और जब इस पारंपरिक ज्ञान का आधुनिक अनुसंधान से समन्वय होता है, तब उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पतंजलि के पास भारत में विद्यमान असीम संभावनाओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का सामर्थ्य है और यह वैश्विक सहयोग उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समझौता ज्ञापन समारोह में सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के प्रो-वाईस-चांसलर (रिसर्च एंड एजुकेशन इम्पैक्ट) प्रोफेसर बेन रॉश कहा कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान, शिक्षण और छात्र-आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

इसके अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाले विषयों पर अनुसंधान करेंगे। यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु का कार्य करेगा।

सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के नेशनल सेंटर फॉर नैचुरोपैथिक मेडिसिन के फाउंडेशन डायरेक्टर प्रोफेसर जॉन वार्डल ने आगे बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान साझा अनुसंधान परियोजनाओं का विकास करेंगे, सरकारी अनुदान के लिए संयुक्त आवेदन करेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकाशनों को बढ़ावा देंगे। पतंजलि प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना ही समय की आवश्यकता है।

- यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु : प्रोफेसर बेन रॉश
- अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान की आधारशिला : प्रोफेसर जॉन वार्डल

पतंजलि अनुसंधान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी में एमओयू हुआ।

## सहकारिता मंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया

**जयपुर ।** सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने मंगलवार को जयपुर स्थित राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे राज्य सेवाओं (सहकारिता, जेल, उद्योग एवं श्रम कल्याण) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

दक ने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से आ ान किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पारदर्शिता, ईमानदारी एवं जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

दक ने अधिकारियों से जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने तथा योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने का आ ान किया।

## दलित इंजीनियर को न्याय देने के बजाय फुटबॉल बना रहा सिस्टम : जूली

- नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि "यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि बैरवा पर कोई दबाव न डाला जाए और जांच पूरी तरह से निष्पक्ष हो, क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के विधायक से जुड़ा हुआ है?"

**जयपुर।** नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार को घेरते हुए दलित उत्पीडन और प्रशासनिक विफलता पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। जूली ने कहा कि प्रदेश में दलित इंजीनियर जगनलाल बैरवा को अभी तक न्याय नहीं मिला है। पीड़ित को इंसाफ दिलाने के बजाय भाजपा विधायक, जिला कलेक्टर और सीएमओ के बीच इस प्रकरण को फुटबॉल की तरह घुमाया जा रहा है।

उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक दलित समाज को न्याय के लिए तरसना पडेगा? जूली ने सरकार से सवाल किया है कि यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि बैरवा पर कोई दबाव न डाला जाए और जांच पूरी तरह से निष्पक्ष हो क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के विधायक से जुडा हुआ है ?

जूली ने कहा कि बताया जा रहा है कि एक हाईलेवल कमेटी इस मामले की जांच कर रही है, लेकिन बडा सवाल यह है कि यह जांच कब पूरी होगी? सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब बगैर जांच के श्री बैरवा को पुलिस के हवाले कर दिया गया था, तो अब इंजीनियर मीणा के मामले में इतनी देरी क्यों? क्या इस सिस्टम से एक दलित इंजीनियर को निष्पक्ष न्याय मिल पाएगा? यह मौजूदा सरकार के दलित विरोधी चेहरे को उजागर करता है

नेता प्रतिपक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि आज राजस्थान में पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव समय पर न कराना भाजपा की हार के डर को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, "भाजपा का हाल ऐसा है कि घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने।" प्रदेश में चुनाव न होने से लोकतान्त्रिक संस्थाएं ठप पडी हैं, विकास कार्य रुके हुए हैं, लेकिन सरकार अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए बाहरी राज्यों के जश्न में डूबी है।

जो सरकार अपने राज्य के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पूरा करने का साहस नहीं जुटा पा रही, वह किस मुँह से जश्न मना रही है?

आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह का खराब प्रदर्शन केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि भारी अंतरराष्ट्रीय वर्कलोड के कारण हुई मानसिक थकान का भी परिणाम है।

– रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, जसप्रीत बुमराह की खराब फॉर्म को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **सुनील गावस्कर**

**सुनील गावस्कर** ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही प्लेऑफ की दौड़ में हैं, इसलिए यह मैच दोनों टीमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सुनील गावस्कर ने कहा कि सीएसके लगातार दो जीत के साथ एमआई के खिलाफ मैदान में उतर रही है, जबकि दिल्ली ने अपना पिछला मैच राजस्थान के खिलाफ जीता था। आत्मविश्वास काफी ऊंचा होगा, खासकर चेन्नई का। लेकिन दिल्ली को उसके घर पर हराना आसान नहीं होगा। गावस्कर ने दोनों टीमों के कुछ अहम खिलाड़ियों पर भी प्रकाश डाला, जिन पर नजर रखने की जरूरत है।

**क्या आप जानते हैं ?...** 1951–1962 का समय भारतीय फुटबॉल का स्वर्ण युग था, और टीम ने 1964 में एशियन कप में उपविजेता बनकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

## सैमसन के तूफान में उड़ी दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स को मिली धमाकेदार जीत



नई दिल्ली, 5 मई। चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 विकेट से विजयी परचम फहराया। डीसी ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 158 रनों का टारगेट दिया, जिसे सीएसके ने 17.3 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर चेज किया। यह पांच बार की चैंपियन सीएसके की मौजूदा सीजन में 10 मैचों में पांचवी जीत है जबकि दिल्ली को इतने ही मुकाबलों में छठी हार का सामना करना पड़ा। डीसी संजू सैमसन के तूफान में उड़ गई। बतौर ओपनर उतरे सैमसन ने 52 गेंदों में नाबाद 87 रनों की पारी खेली। उन्होंने सात चौके और 6 छक्के जमाए। सैमसन ने कार्तिक शर्मा (32 गेंदों में नाबाद 41, चार चौके, दो छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रनों की अटूट पार्टनरशिप की। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 6 और उर्विल पटेल ने 17 रनों का योगदान दिया। लुंगी एनगिडी ने चौथे ओवर में गायकवाड़ और अक्षर पटेल ने सातवें ओवर में उर्विल का शिकार किया।

इससे पहले, दिल्ली ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के बाद सात विकेट पर 155 रन बनाए। केएल राहुल (12), पथुम निसंका (19), नीतिश राणा (15), करुण नायर (13) और कप्तान अक्षर पटेल (2) जैसे बल्लेबाज सस्ते में लौटे। डीसी ने 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) ने टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी की। रिजवी ने 24 गेंदों की नाबाद पारी में चार छक्के लगाए, जबकि स्टब्स ने 31 गेंदों की पारी में एक चौका और दो छक्के जड़े।

## राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार व नेटबॉल स्पोर्ट्स सोसायटी से मांगा जवाब

जयपुर, 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नेटबॉल स्पोर्टस से जुड़े मामले में राज्य सरकार सहित अन्य पक्षकारों को कहा है कि राजस्थान स्पोर्टस एक्ट 2005 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करें। वहीं मामले में पक्षकार नेटबॉल स्पोर्टस सोसायटी भरतपुर, सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार व राजस्थान स्टेट स्पोर्टस काउंसिल से 25 मई तक जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने यह निर्देश राजस्थान नेटबॉल एसोसिएशन व अन्य की याचिका पर दिया। प्रार्थी पक्ष के अधिवक्ता राजेश महर्षि ने बताया कि खेल गतिविधियों के संचालन के लिए राजस्थान स्पोर्टस एक्ट 2005 के तहत पंजीकरण करवाया जाना जरूरी है। लेकिन अप्रार्थी संस्था नेटबॉल स्पोर्टस सोसायटी सहकारिता विभाग में ही पंजीकृत है। लेकिन वह फिर भी खुद को राज्य स्तरीय संस्था बताते हुए खेल गतिविधियों को संचालित कर रही है और अपनी टीमों को देशभर में भेज रही है। ऐसे में यह ना केवल स्पोर्टस एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन है बल्कि प्रार्थी संस्था के अधिकारों को भी प्रभावित करने वाला है। इसलिए अप्रार्थी संस्था को पांबद किया जाए कि वह स्पोर्टस एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करे।

## के.एम. रूंगटा ट्रॉफी : ड्रॉ मैच में हार्दिक कुक्कड़ का शतक



जयपुर, 5 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी में आज खेले गए तीन दिवसीय मैच के तीसरे दिन टीम बी ने दूसरे दिन के स्कोर बिना विकेट पर 9 रन से आगे खेलते हुए हार्दिक कुक्कड़ के 154 रन (175 गेंद, 22 चौके व 1 छक्के), मनय कटारिया के 81 रन, रोहन सिंह के 33 रन, कैफ गुडऐज के 15 रनो से 72 ओवर में 8 विकेट पर 325 रन बनाए। टीम सी मान क्लब के लिए के अभिषेक यादव ने 66 पर 3, सुमित भगेरिया ने 52 पर 2, दीपक चौधरी, राहुल चौधरी व आदित्य शर्मा ने एक – एक विकेट लिया। तीन दिन के खेल में दोनों टीमों की एक – एक पारी पूरी नहीं हो सकी । मैच ड्रॉ रहा।

## ज्योतिबा फूले क्लब ने संस्कार एकेडमी को हराया, नयन माली का पंजा



जयपुर, 5 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल बी के मैच में ज्योति बा फूले क्लब ने संस्कार एकेडमी को 5 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में संस्कार एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अक्षत गुप्ता के 28 रन, राहुल यादव के 44 रन व आरव कुमार के 18 रन से 31.2 ओवर में 125 रन बनाकर आउट हो गई। ज्योति बा फूले क्लब के लिए नयन माली ने 33 पर 5, हिमांशु शर्मा ने 20 पर 2 व चर्चित निर्वाण ने 12 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में ज्योति बा फूले क्लब ने वशिष्ठ शर्मा के 23 रन, सात्विक जैन के 49 रन, तन्मय यादव के 20 रन नाबाद व जतिन सैनी के 29 रन नाबाद से 29.2 ओवर में 5 विकेट पर 126 रन बनाकर मैच जीत लिया। संस्कार एकेडमी के लिए नवीन बुरी ने 53 पर 2, पुलकित माथुर ने 22 पर 2 व समीर रशीद ने 27 पर एक विकेट लिया।

## तीसरी अतिया परवीन स्मृति टी-20 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता



जयपुर, 5 मई । मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गये तीसरी अलिया परवीन स्मृति टी–20 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मैचों रिशिता यादव 15 रन पर 5 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा नीतू शर्मा 60 रन, नाबाद व अनाया 59 रन की अद्धर्शतकीय पारियों की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने डिम्पल कन्सट्रक्शन एकादश टीम को 107 रन से हराकर फाईनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमिफाईनल मैच में स्काई एन्जल क्रिकेट एकेडमी ने रितू कपूरिया 20 रन पर 3 विकेट, प्रिया सामोता 16 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंडबाजी की बदौलत नेशनल क्रिकेट एकेडमी को 20 रन से हराकर फाईनल में प्रवेश किया।

## पांचवां अरुपे कप खेल प्रतियोगिता का सफल समापन

जयपुर, 5 मई। सेंट ज़ेवियर्स स्कूल, नेवटा, जयपुर द्वारा आयोजित 5वां अरुपे कप फुटबॉल, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल टूर्नामेंट (लड़के और लड़कियां) का सफल समापन आज तारीख 2 मई को हुआ। यह भव्य खेल प्रतियोगिता 30 अप्रैल से शुरू हुई थी, जिसमें जयपुर शहर की 109 से ज़्यादा टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रिटायर्ड डीजीपी मनोज भट्ट रहे।

## पावर प्ले जीतने वाली टीमें अक्सर मैच जीत जाती है : केएल राहुल



नई दिल्ली, 5 मई। केएल राहुल ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए शीर्ष क्रम में असाधारण प्रदर्शन किया है, और अगर उन्हें शीर्ष चार में जगह बनानी है तो उनका फॉर्म महत्वपूर्ण होगा। डीसी फिलहाल नौ मैचों में चार जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। मंगलवार रात दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाने वाले अपने अगले आईपीएल मैच में उनका मुकाबला सीएसके से होगा।

जियोस्टार के सुपरस्टार्स कार्यक्रम में बोलते हुए, राहुल ने अपने नए ओपनिंग पार्टनर, पथुम निस्संका और उनकी भूमिका में स्पष्टता के बारे में अपने विचार साझा किए। राहुल ने शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी शैली को अपनाने के बारे में बात करते हुए कहा कि पिछले दो–तीन वर्षों में टी20 क्रिकेट, खासकर आईपीएल में, काफी विकसित हुआ है। टीमों के जीतने के तरीकों में एक पैटर्न दिखाई देता है, और हाल ही में, पावर प्ले जीतने वाली टीमें अक्सर मैच जीत जाती हैं। कुछ साल पहले, मैच आमतौर पर 14वें और 20वें ओवर के बीच तय होते थे।

पावर प्ले हमेशा महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन अब इसका महत्व और भी बढ़ गया है। व्यक्तिगत रूप से, मुझे टीम के लिए इस शैली में ढलना पड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि इस सीज़न में टीम प्रबंधन का संदेश बिल्कुल स्पष्ट था। उन्होंने आईपीएल से पहले मुझसे बात की और मुझसे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने और खुलकर खेलने को कहा। टीमें उस चरण में 60 से अधिक रन बनाने का लक्ष्य रखती हैं।

इस स्पष्टता ने मुझे अपनी क्षमताओं के अनुरूप इसे हासिल करने के बारे में सोचने का समय दिया। मैंने हर मैच में इसी इरादे से खेलने की कोशिश की है। आप हमेशा सफल नहीं होंगे, लेकिन विचार सही है। मेरा ध्यान पावरप्ले का अधिकतम लाभ उठाने पर है, क्योंकि यही टीम और टी20 क्रिकेट की वर्तमान मांग है।

एशियाई खेल 2026 की तैयारी तेज

## 1.67 करोड़ की लागत से शुरू हुई तीन राष्ट्रीय बैडमिंटन शिविर में जुटे शीर्ष खिलाड़ी

नई दिल्ली, 5 मई। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत 1.67 करोड़ रुपये की लागत से संचालित तीन राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भारतीय बैडमिंटन टीमों की एशियाई खेल 2026 की तैयारियों को नई दिशा दे रहे हैं। 10 अप्रैल से शुरू हुए ये शिविर हैदराबाद, बेंगलुरु और गुवाहाटी में आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें देश के शीर्ष शटलरों को एक मंच पर लाकर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

हाल ही में डेनमार्क के हॉर्सेंस में 24 अप्रैल से 3 मई के बीच आयोजित थॉमस और उबेर कप 2026 में भारतीय पुरुष टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। इन शिविरों के जरिए लक्ष्य सेन, पदार्पण करने वाले आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत और युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी–चिराग शेट्टी जैसे खिलाड़ियों को एक साथ अभ्यास, संयोजन सुधारने और मैच लय विकसित करने का अवसर मिला।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग अपडेट

## भारत 275 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार, कई टीमों की रैंकिंग में बदलाव

नई दिल्ली, 5 मई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा वार्षिक अपडेट के बाद पुरुष और महिला टी–20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया ने क्रमशः अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। इस अपडेट में मई 2025 के बाद खेले गए मैचों को पूर्ण महत्व और पिछले दो वर्षों के मुकाबलों को आंशिक महत्व दिया गया है। पुरुष रैंकिंग में भारत 275 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड के साथ उसका अंतर अब 14 से घटकर 13 अंक रह गया है। इंग्लैंड 262 अंकों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 258 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष सात टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज ने अपने–अपने स्थान बरकरार रखे हैं।

इस अपडेट में बांग्लादेश एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि श्रीलंका छह अंक गंवाकर नौवें स्थान पर खिसक गया है। अफगानिस्तान दसवें स्थान पर बना हुआ है। अमेरिका ने नीदरलैंड और स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ते हुए 13वां स्थान हासिल किया है। नेपाल ने संयुक्त अरब अमीरात को पीछे छोड़ते हुए 17वां स्थान प्राप्त किया, जबकि ओमान 19वें स्थान पर पहुंच गया है। अन्य उल्लेखनीय बदलावों में इटली ने 11 अंकों की बढ़त के साथ 23वां स्थान हासिल किया, स्पेन 12 अंकों की बढ़त के साथ 26वें स्थान पर पहुंचा, साइप्रस और इस्वातिनी ने भी उल्लेखनीय प्रगति की। दूसरी ओर, मोजाम्बिक को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ और वह 15 स्थान गिरकर 87वें स्थान पर पहुंच गया। महिला टी–20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया 287 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम है, हालांकि इंग्लैंड के साथ उसका अंतर 18 से घटकर 12 अंक रह गया है। इंग्लैंड 275 अंकों के साथ दूसरे और भारत 264 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है।

महिला रैंकिंग में शीर्ष 16 टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर हैं। श्रीलंका सातवें स्थान पर रहते हुए शीर्ष टीमों के करीब पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश ने भी सुधार करते हुए आयरलैंड के करीब पहुंच बना ली है। अमेरिका ने महिला रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर 20वां स्थान हासिल किया है वहीं जर्मनी ने छह स्थान ऊपर चढ़ते हुए 29वां स्थान प्राप्त किया है। इस अपडेट के बाद पुरुष वर्ग में कुल 98 और महिला वर्ग में 78 टीमों को रैंकिंग में शामिल किया गया है। कुछ टीमें न्यूनतम मैच न खेलने के कारण रैंकिंग से बाहर हो गई हैं।

## अंडर-18 एशिया कप से पहले भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेंगी चार मैचों की श्रृंखला

भोपाल, 5 मई। भारत की अंडर–18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें एशिया कप की तैयारी के तहत ऑस्ट्रेलिया की अंडर–18 टीमों के खिलाफ चार–चार मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। यह मुकाबले 15 से 20 मई तक उद्धव दास मेहता केंद्रीय केंद्र, भोपाल में आयोजित होंगे। यह श्रृंखला 19 अप्रैल से साई भोपाल में चल रहे अंडर–18 राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के बाद आयोजित की जा रही है और महीने के अंत में काकामिगाहारा में शुरू होने वाले अंडर–18 एशिया कप की तैयारी के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। भारतीय महिला अंडर–18 टीम अपनी श्रृंखला की शुरुआत 15 मई को शाम 7 बजे से करेगी। दूसरा मुकाबला 17 मई को शाम 5 बजे खेला जाएगा। तीसरा मैच 18 मई को शाम 7 बजे होगा, जबकि अंतिम मुकाबला 20 मई को सुबह 8 बजे खेला जाएगा। वहीं भारतीय पुरुष अंडर–18 टीम 15 मई को शाम 5 बजे अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दूसरा मुकाबला 17 मई को शाम 7 बजे, तीसरा मैच 18 मई को शाम 5 बजे खेला जाएगा, जबकि अंतिम मुकाबला 20 मई को सुबह 10 बजे होगा। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि साई भोपाल में प्रशिक्षण शिविर बेहद उपयोगी रहा और खिलाड़ियों ने अच्छी प्रगति दिखाई है।

## अंडर–20 नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए राजस्थान टीम छत्तीसगढ़ रवाना

जयपुर, 5 मई । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित होने वाली स्वामी विवेकानंद अंडर–20 पुरुष नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 के लिए राजस्थान फुटबॉल टीम मंगलवार को सुबह रवाना हो गई। टीम की घोषणा राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत द्वारा की गई।

शेखावत ने बताया कि टीम चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में चित्तौड़गढ़ में आयोजित राज्यस्तरीय अंडर–20 पुरुष फुटबॉल स्टेट चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चिन्हित कर जयपुर में दो दिवसीय चयन ट्रायल आयोजित किए गए। इसके बाद चयनित 33 खिलाड़ियों का 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर चित्तौड़गढ़ में कॉलेज ग्राउंड पर लगाया गया, जिसका समापन सोमवार को हुआ। शिविर के आधार पर 18 सदस्यीय राजस्थान टीम की घोषणा की गई।

उन्होंने बताया कि राजस्थान फुटबॉल संघ द्वारा चयन प्रक्रिया में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता, चयन ट्रायल एवं प्रशिक्षण शिविर जैसे सभी चरणों का पालन किया जाता है। साथ ही, खिलाड़ियों के निष्पक्ष चयन हेतु विशेष चयन समिति का गठन भी किया गया है।

राजस्थान टीम अपने अभियान की शुरुआत 9 मई को आंध्रप्रदेश के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम 13 मई को झारखंड, 15 मई को बिहार और 17 मई को मेघालय के विरुद्ध अपने लीग मुकाबले खेलेगी। राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, संघ पदाधिकारियों, वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं फुटबॉल प्रेमियों ने टीम को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

**टीम (राजस्थान अंडर–20):** शिवम कुमार (गोलकीपर), हर्षवर्धन , शिवम(कप्तान,) सर्वेश राव, जितेंद्र कुमार,(उप कप्तान) जितेंद्र सिंह, विकास, प्रशांत यादव, आदेश गरसा, जयदीप, रुद्रप्रताप, कुमार प्रिंस सामोता, अनिल कुमार, अंशुमान मीणा, सौरभ, अब्बास, अभिनय सिंह, असद अली (गोलकीपर)। **हेड कोच:** हर्ष चौधरी, **मैनेजर:** हितेश शर्मा, **फिजियो:** गौरव गुप्ता।

## आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप की रेस में शामिल हुए रिकेल्टन, छठे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली, 5 मई। मुंबई इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला। मुंबई के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने शानदार पारी खेलते हुए एक साथ कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रयान रिकेल्टन ने इस मुकाबले में सिर्फ 32 गेंदों पर 83 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की। इस प्रदर्शन के साथ उनके सीजन में कुल रन 380 हो गए हैं और वह सीधे छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पांच बल्लेबाजों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 440 रन के साथ बने हुए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 433 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन 425 रन, चौथे स्थान पर वैभव सूर्यवंशी 404 रन और पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 385 रन के साथ हैं।

रिकेल्टन से पहले 300 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लंबी सूची थी, लेकिन उनकी इस पारी ने उन्हें सीधे शीर्ष खिलाड़ियों की कतार में ला खड़ा किया है। फिलहाल मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का कोई अन्य बल्लेबाज शीर्ष 20 में शामिल नहीं है। अब सभी की नजरें केएल राहुल पर हैं, जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अगले मैच में खेलेंगे और कुछ चौकों के साथ फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने किया बरकतुल्लाह खान स्टेडियम का निरीक्षण

## प्रशिक्षित व अनुभवी आरसीए ग्राउंड स्टाफ जल्द से जल्द तैयार करेगा स्टेडियम के विकेट व मैदान : डॉ. मोहित



जयपुर, 5 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव , सदस्य आशीष तिवाड़ी, अरिष्ट सिंघवी ने आज जोधपुर पहुंच बरकतुल्लाह खान स्टेडियम का दौरा किया। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ जोधपुर के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

एडहॉक संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया कि आरसीए की आगामी क्रिकेट प्रतियोगिताओं व बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2026 – 27 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन व बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में मैचों की मेजबानी के लिए बरकतुल्लाह खान स्टेडियम का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी ने आज स्टेडियम का दौरा किया।

संयोजक के अनुसार एडहॉक कमेटी ने स्टेडियम के मुख्य मैदान, विकेट्स ,साउथ व नॉर्थ ब्लॉक, पवेलियन, जिम्नेजियम, दर्शक दीर्घा, अन्य ब्लॉकव अकादमी की वर्तमान स्थिति का गहननिरीक्षणकिया व सभी के सम्बद्ध में वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। डॉ मोहित ने बताया कि आरसीए एडहॉक कमेटी का प्रयास है कि अति शीघ्रस्टेडियम के सभी ब्लॉक , पवेलियन, मैदान को खेल के सभी मापदंडों के अनुसार विकसित कर खेल गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराया जाए जिसके लिए एडहॉक कमेटी आरसीए के अनुभवीप्रशासकों , विशेषज्ञों सहित आरसीए स्टाफ को नियुक्त करेगी व उन्हें स्टेडियम की सभी अनावश्यक कमियों को दूर कर स्टेडियम को प्रतियोगिताओं के आयोजन व मेजबानी के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी दी जाएगी।

आशीष तिवाड़ी, सदस्य एडहॉक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी बरकतुल्लाह खान स्टेडियम के मुख्य मैदान व विकेट्स को बीसीसीआई की राष्ट्रिय प्रतियोगिता के मैचों की मेजबानी व आरसीए के घरेलू प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है जिसके लिए आरसीए के अनुभवी क्यूरेटर व ग्राउंड स्टाफ जोधपुर पहुंच स्टेडियम के विकेट्स व मैदान को आईपीएल व अंतर्राष्ट्रीय मैचों के समान ही तैयार करेंगे। उनके अनुसार स्टेडियम में प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाडियोंको अंतर्राष्ट्रीयस्तर की परिस्थितियों में खेलने का अवसर प्राप्त हो होगा जिससे उनमे उत्साह का संचार होगा व उनका मनोबल बढ़ेगा।

अरिष्ट सिंघवी, सदस्य एडहॉक के अनुसार जोधपुर जिला क्रिकेट संघ आरसीए के निर्देशन में राज्य के युवा खिलाड़ियोंको हर स्तर पर उच्च स्तरीय खेल वातावरण व सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आरसीए का हर स्तर पर सहयोग कर रहा है। उनके अनुसार जोधपुर में बरकतुल्लाह खान स्टेडियम के मैदान व अकादमी को उच्च स्तर पर विकसित करने से जिले के खिलाड़ियोंको प्रशिक्षण हेतु एक उच्च स्तरीय खेल मैदान की सौगात प्राप्त होगी व वे अकादमी में प्रशिक्षण के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल मैदान पर अपना शानदार प्रदर्शन दे पाएंगे।


**Rajasthan Olive Cultivation Limited**

**निविदा-सूचना**

राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन लिमिटेड के विभिन्न जैतून फार्मो एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बस्सी पर श्रमिक नियोजन हेतु सेवा प्रदाता ऐजेसी के चयन हेतु निम्नानुसार निविदा कार्यालय में आमंत्रित किये गये है। UBN No.: OCL2627SLRC00004

| क्र. सं. | कार्य का नाम | निविदा की अनु. लागत राशि रु. लाख में | निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक | निविदा खोलने की दिनांक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन लिमिटेड के विभिन्न जैतून फार्मो एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बस्सी पर श्रमिक नियोजन हेतु सेवा प्रदाता ऐजेसी के चयन। | 228.39 | 21.05.2026 प्रातः 11.00 बजे तक | 22.05.2026 साय 4.00 बजे |

निविदा दस्तावेंजो की जानकारी **https://eproc.rajasthan.gov.in** पर अथवा कार्यालय से ली जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/2067 — चीफ ऑपरेशन ऑफिसर

**कार्यालय नगर निगम, अजमेर**

REMAINING VRV AC WORKS IN NAGAR NIGAM NEW BUILDING

क्रमांकः 991 — दिनांक : 29.04.2026

**ई-टेण्डरिंग-निविदा-सूचना**

नगर निगम, अजमेर की ओर से केंद्र एवं राज्य सरकार में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत मैसर्स फर्म/संवेदक से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से विद्युत शाखा द्वारा REMAINING VRV AC WORKS IN NAGAR NIGAM NEW BUILDING हेतु ऑनलाईन अल्पकालीन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी।

| | कार्य का विवरण | निविदा राशि | अमानत राशि | निविदा शुल्क | प्रोसेसिंग फीस |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | REMAINING VRV AC WORKS IN NAGAR NIGAM NEW BUILDING | 47.74 लाख | 95500 रूपये | 1000/– रू. | 500/– रू. |

| निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की दिनांक व समय | निविदा ऑनलाईन भरकर देने की दिनांक व समय | तकनिकी निविदा खोलने की दिनांक व समय |
|---|---|---|
| 29.04.2026 सायं 6.00 बजे से प्रारम्भ | 29.04.2026 सायं 6.00 बजे से 10.05.2026 सायं 6.00 बजे तक | 11.05.2026 प्रातः 11.00 बजे |

| | |
|---|---|
| वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक व समय | तकनिकी बिड् के सफलतम निविदादाताओं को नेट के माध्यम से सूचित कर दिया जायेगा। |
| निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की वेबसाईट | www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in |

1. प्रोसेसिंग फीस / निविदा शुल्क/ बिड सिक्योरिटी राशी डी.डी. /बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक से मान्य नही होगी ।
2. RTPP नियमानुसार बिड सिक्योरिटी राशी देय होगी।
3. शेष शर्तो की जानकारी निम्नलिखित वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code : ANN2627A0016
UBN Code: ANN2627WSOB00021
राज.संवाद/सी/26/2042

# मुख्यमंत्री ने गंग नहर में शताब्दी समारोह व्यापक स्तर पर मनाने के निर्देश दिए

## शताब्दी कार्यक्रम सभी प्रमुख हेड रेगुलेटर्स तथा 12 अनाज मंडियों में आयोजित होंगे

जयपुर, 05 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिमी राजस्थान की जीवन रेखा गंग नहर के निर्माण के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शताब्दी समारोह को लेकर महत्वपूर्ण बैठक ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गंग नहर के शिवपुर हैड सहित सभी प्रमुख हैड रेगुलेटर्स पर नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही, गंग नहर प्रणाली से जुड़े क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए पूरे वर्ष गतिविधियों का संचालन किया जाए।

शताब्दी समारोह श्रृंखला के तहत नहर क्षेत्र की 12 अनाज मंडियों में किसानों के साथ संवाद कार्यक्रम भी शामिल है। इनमें किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीक, ड्रिप सिस्टम और जल संरक्षण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही, नहरों की साफ-सफाई, उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल उपयोगकर्ता संगठनों के अध्यक्षों का सम्मान एवं जन जागरुकता कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसके अलावा, साइकिल रैली, जल संरक्षण विषय पर नुक्कड़ नाटक सहित, विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आमजन को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि गंग नहर शताब्दी समारोह जनभागीदारी और जागरुकता का व्यापक अभियान बन सके।



*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को गंगनहर निर्माण के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह को लेकर अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली।*

- **महाराजा गंगासिंह द्वारा निर्मित गंग नहर में पहली बार पानी शिवपुर हेड से 26 अक्टूबर 1927 को आया था। राज्य सरकार अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2027 तक इस उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है।**
- **शताब्दी समारोह श्रृखंला के तहत नहर क्षेत्र में किसानों से संवाद कर उन्हें विशेषज्ञों के द्वारा आधुनिक सिंचाई तकनीक, ड्रिप सिस्टम, जल संरक्षण आदि की जानकारी दी जाएगी।**

उल्लेखनीय है कि 5 दिसम्बर 1925 को महाराजा गंगासिंह द्वारा गंगनहर का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया था तथा 26 अक्टूबर 1927 को गंगनहर की शिवपुर हैड में पहली बार पानी आया था। इसी उपलक्ष्य में 26 अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2027 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार सहित, अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

## अपराधिक अपील लंबित होने के कारण पेंशन परिलाभ नहीं रोक सकते

जयपुर, 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि आपराधिक मामले में दोषमुक्त होने के बाद अपील लंबित होने के चलते रिटायर कर्मचारी के पेंशन परिलाभ नहीं रोके जा सकते हैं। इसके साथ ही, अदालत ने कहा है कि तीन माह में याचिकाकर्ता को समस्त बकाया परिलाभ छह फीसदी ब्याज सहित अदा किये जायें। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने ये आदेश देवेन्द्र सलोल्या की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त व विकास निगम के कर्मचारी के मामले में आदेश दिया।**

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त व विकास निगम में कार्यरत था। उसके खिलाफ एसीबी में मामला लंबित होने के कारण उसे एसीपी का लाभ नहीं दिया गया। वहीं अप्रैल, 2016 में उसे एसीबी कोर्ट, कोटा ने दोषमुक्त कर दिया। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी, जो लंबित चल रही है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता 31 जनवरी, 2022 को रिटायर हो गया, लेकिन आपराधिक अपील के लंबित होने के कारण उसे पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए, जिसे याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को समस्त परिलाभ ब्याज सहित अदा करने को कहा है।

# एसओजी पूरे प्रदेश में आरजीएचएस घोटाले की जाँच करेगा

## स्वास्थ्य विभाग के मुकदमे से सामने आया कि कुछ सरकारी डॉक्टर निजी लैब संचालकों से मिलकर बड़े पैमाने पर सरकारी राशि का गबन कर रहे हैं

जयपुर, 5 मई। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में सामने आए बड़े घोटाले ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीकर में एक डॉक्टर और एक लैब संचालक की गिरफ्तारी के बाद अब स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए पूरे प्रदेश में इसकी पड़ताल करने का निर्णय लिया है।

एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से दर्ज मुकदमे में सामने आया है कि कुछ सरकारी डॉक्टरों और निजी लैब संचालकों ने मिलीभगत कर सरकारी राशि का बड़े पैमाने पर गबन किया। यह योजना सरकारी कर्मचारियों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिए है, जिसमें इलाज के खर्च का सरकार द्वारा अस्पतालों को पुनर्भरण किया जाता है।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि कई मामलों में मरीजों के नाम पर जांच की राशि उङ्गाई गई, जबकि वे संबंधित डॉक्टर के पास गए ही नहीं थे। डॉक्टरों द्वारा परामर्श पर्चियों पर अनावश्यक और महंगी जांचें लिखी जाती थीं, जिन्हें एक ही निजी लैब में करवाकर बिल को कई गुना बढ़ा दिया जाता था।

- **कई मामलों में मरीजों के नाम पर जाँच की राशि उठाई गई, जबकि वे संबंधित डॉक्टर के पास गए ही नहीं थे। डॉक्टरों द्वारा परामर्श पर्ची पर अनावश्यक और महंगी जाँचे लिख कर बिल को कई गुना बढ़ा दिया जाता था।**

तुलनात्मक विश्लेषण में कुछ लैब के बिल अन्य लैब्स की तुलना में कई गुना अधिक पाए गए, जिससे संदेह गहराया और मामला स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान में आया।

अब तक की कार्रवाई में सीकर स्थित एक लैब के संचालक डॉ. बनवारी लाल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके दूसरे साझेदार का निधन हो चुका है। वहीं सरकारी डॉक्टर कमल कुमार अग्रवाल उर्फ केके अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया गया है, जो फर्जी तरीके से जांच लिखने में शामिल था।

एसओजी के अनुसार, अब तक की जांच में एक ही एजेंसी द्वारा करोड़ों रुपए के गबन के प्रमाण सामने आए हैं। आगे जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि फिलहाल दर्ज मुकदमा सीकर सहित दो जिलों से संबंधित है, लेकिन अब स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर पूरे राजस्थान में जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर उन्होंने कहा कि अभी तक किसी अधिकारी की संलिप्तता सामने नहीं आई है, लेकिन जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसओजी की इस कार्रवाई के बाद साफ है कि आरजीएचएस में लंबे समय से चल रहे इस संगठित फर्जीवाड़े पर अब कड़ा शिकंजा कसने की तैयारी है।

## स्कूल ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

लिए आयोजित स्कूल व्याख्याता भर्ती-2024 की गत जून माह में हुई लिखित परीक्षा में याचिकाकर्ता शामिल हुआ था।

आयोग की ओर से मॉडल उत्तर कुंजी जारी कर प्रश्नों पर आपत्तियां मांगी, जिसमें याचिकाकर्ता ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि प्रश्न संख्या 71 का जवाब आयोग ने विकल्प संख्या 2 को सही माना है, जबकि मान्यता प्राप्त पुस्तकों में इस सवाल का जो जवाब बताया गया है, वह विकल्प संख्या 1 का है।

इसके बावजूद, आयोग की ओर से जारी अंतिम उत्तर कुंजी में विकल्प संख्या 2 के जवाब को ही सही माना गया, जिसे चुनौती देते हुए कहा गया कि इसी सवाल को आयोग ने साल 2022 की स्कूल व्याख्याता भर्ती में पूछा था और उस समय आयोग ने विकल्प संख्या 1 के जवाब को सही माना था।

दो साल में आयोग ने अपनी ओर से तय जवाब को ही बदल दिया।

याचिका में यह भी कहा गया कि माइनस मार्किंग की इस परीक्षा में याचिकाकर्ता केवल 0.66 अंक से कट ऑफ से बाहर हो गया है। ऐसे में यदि इस सवाल का विकल्प संख्या 1 में बताए जवाब को सही माना जाए तो उसका चयन हो जाएगा।

याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए नियुक्तियों को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है।

# होर्मुज़ को लेकर अमेरिका व ईरान में फिर भड़का तनाव

## अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हैगसेथ ने कहा सीज़फायर लागू है पर होर्मुज़ के लिए अलग से अभियान चल रहा है

वॉशिंगटन/तेहरान, 05 मई। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को लेकर स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। हालात ऐसे हैं कि सीज़फायर की घोषणा के बावजूद दोनों पक्षों की सैन्य गतिविधियां जारी हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्पष्ट किया है कि सीज़फायर अभी भी लागू है और इसे खत्म नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में जहाजों की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा अभियान अलग और सीमित प्रकृति का है। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऑपरेशन केवल वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए अस्थायी व्यवस्था है।

रक्षा मंत्री हेगसेथ ने पेंटागन ब्रीफिंग में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को निकालने का अमेरिकी प्रयास ऑपरेशन एपिक फ्यूरी से अलग है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट फ्रीडम रक्षात्मक प्रकृति का अभियान है। इसका दायरा सीमित है और यह अस्थायी अवधि के लिए है। इस अभियान का एकमात्र मिशन ईरानी आक्रामकता से निर्दोष वाणिज्यिक जहाजों की रक्षा करना है।

- **ईरान ने अमेरिका को और गंभीर स्थिति पैदा होने की चेतावनी दी।**

रक्षा मंत्री ने बताया कि दो अमेरिकी वाणिज्यिक जहाज जलडमरूमध्य से सफलतापूर्वक गुजर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, छह अन्य जहाजों ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी का उल्लंघन करने का प्रयास किया था। इन सभी जहाजों को वापस भेज दिया गया।

ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को लेकर संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है और स्थिति आगे और गंभीर हो सकती है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाया गया तो ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

# कतर के आसमान से अमेरिकी विमान केसी-135 लापता

## यह विमान मिडिल ईस्ट में चल रहे सैन्य अभियानों में सहायता दे रहा था

वॉशिंगटन, 05 मई। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका की वायुसेना का एक केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान अचानक लापता हो गया है। यह विमान कतर के ऊपर उड़ान भर रहा था, तभी अचानक यह रडार स्क्रीन से गायब हो गया। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार 24 के अनुसार, इस विमान ने उड़ान के दौरान 7700 इमरजेंसी कोड भेजा था। यह कोड किसी गंभीर तकनीकी खराबी या आपात स्थिति का संकेत होता है। इसके कुछ समय बाद विमान का संपर्क पूरी तरह टूट गया और वह रडार से गायब हो गया।

- **विमान ने उड़ान भरते समय इमरजैंसी कोड भेजा था, उसके बाद वह रडार से गायब हो गया।**

रिपोर्ट के मुताबिक, यह केसी-135 विमान संयुक्त अरब अमीरात के अल धफरा एयर बेस पर तैनात था तथा मिडिल ईस्ट में चल रहे सैन्य अभियानों में सहायता कर रहा था। ट्रैकिंग डेटा में देखा गया कि विमान पहले कुछ समय तक हवा में चक्कर लगाता रहा और फिर नीचे उतरने की कोशिश करने लगा, लेकिन इसके बाद उसका संपर्क टूट गया।

अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि विमान के साथ क्या हुआ। न तो किसी हादसे की पुष्टि हुई है और न ही किसी हमले की आधिकारिक जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसियां इस पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगी हुई हैं। यह पहली बार नहीं है, जब केसी-135 विमान को लेकर ऐसी स्थिति सामने आई हो। इससे पहले मार्च महीने में भी ईरान युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना का एक केसी-135 विमान लापता हो गया था।

## जहाँ एसआईआर में ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

एनडीटीवी द्वारा किए गए एक विश्लेषण में दिखाया गया कि इनमें से अधिकांश सीटें भाजपा के पक्ष में गईं। पार्टी ने इन 147 सीटों में से 95 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल ने लगभग आधी, यानी 51 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने केवल एक सीट पर जीत दर्ज की।

कुल 67 सीटों पर 15,000 से 25,000 नाम काटे गए थे, वहां भाजपा फिर विजेता बनी। इनमें भाजपा ने 47 सीटें जीतीं, तृणमूल ने 19 सीटें और कांग्रेस ने एक सीट जीती।

62 सीटों में, जहां 5,000 से 15,000 के बीच नाम हटाए गए थे, में भाजपा ने 50 सीटें जीतीं और बाकी तृणमूल ने हासिल कीं। उन सभी 13 सीटों पर, जहां 5,000 से कम वोटर्स के नाम कटे, भाजपा ने जीत दर्ज की।

निर्णय प्रक्रिया के दौरान, "बहिष्कृत करने योग्य" मामलों की संख्या सबसे ज्यादा मुर्शिदाबाद जिले से थी। यहां 4.55 लाख से अधिक नाम हटाए गए, उसके बाद नॉर्थ 24 परगना (3,25,666) और मालदा (2,39,375) का स्थान है। मुर्शिदाबाद में, तृणमूल ने 2021 में 22 में से 20 सीटें जीती थीं; इस बार केवल नौ सीटों पर जीत मिली, जिससे अल्पसंख्यक वोटों में विभाजन और भाजपा के पक्ष में हिंदू वोटों का समेकन दिखा। नॉर्थ 24 परगना में भी यही प्रवृत्ति रही। इस जिले की 33 सीटों में से तृणमूल ने 2021 में 28 सीटें जीती थीं, जो इस बार केवल आठ रह गईं। मालदा की 12 सीटों में पार्टी का हिस्सा 2021 में आठ से घटकर इस बार छह सीटों तक रह गया। बाकी सभी सीटें भाजपा ने जीतीं।

## कौन होगा ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

इस पद के लिए आदर्श उम्मीदवार बन सकती हैं। पॉल 2019 से 2024 तक लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि समिक भट्टाचार्य को इसलिए भी उपयुक्त माना जा सकता है, क्योंकि उनके नेतृत्व में पार्टी ने बंगाल के विधानसभा चुनाव में पहली बार जीत हासिल की। भट्टाचार्य वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं।

## ट्रंप ने मोदी को बधाई दी

वॉशिंगटन, 05 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक और निर्णायक चुनावी जीत की बधाई दी है।

- **विधानसभा चुनावों में मिली जीत को एतिहासिक जनादेश बताया ट्रंप ने।**

इस ऐतिहासिक जीत और ट्रंप की बधाई को भारत की बढ़ती वैश्विक साख से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूती मिलेगी और वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका और प्रभावशाली होगी।

## 'सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 की जाएगी'

नई दिल्ली, 05 मई। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस संबंध में सरकार संसद में विधेयक लाएगी। वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश समेत 34 न्यायाधीश हैं। इसे बढ़ाकर कुल 38 किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को संसद में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

- **प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में इस संबंध में संशोधन विधेयक पेश करने को मंजूरी दी गई।**

सरकार का कहना है कि न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि से सर्वोच्च न्यायालय अधिक कुशलता और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेगा और त्वरित न्याय सुनिश्चित कर सकेगा।

# 7 मई को सम्राट चौधरी मंत्रिमण्डल का विस्तार होगा

पटना, 05 मई। बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बहुप्रतीक्षित विस्तार को लेकर आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है।

बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को जानकारी दी कि 7 मई को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें कई बड़े राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे।

- **पटना के एतिहासिक गांधी मैदान में होगा शपथ ग्रहण समारोह**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक, समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति तय मानी जा रही है। इसके अलावा, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान, केन्द्रीय मंत्री जितन राम मांझी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार समेत, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेतृत्व द्वारा नए मंत्रियों के नाम लगभग तय कर लिए गए हैं। शपथ ग्रहण को लेकर गांधी मैदान में तैयारियां जोरों पर हैं। वहां एक भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही विशिष्ट अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए बैठने की व्यापक व्यवस्था की जा रही है।

प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत योजना बनाई जा रही है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दो उपमुख्यमंत्रियों के साथ शपथ ली थी।

## 'मैं इस्तीफा नहीं ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

टीएमसी सुप्रीमो ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने वास्तव में जनमत नहीं खोया, तथा आरोप लगाया कि लगभग 100 सीटों को "जबरन छीना गया।" उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर चुनाव में "खलनायक" की भूमिका निभाने का आरोप लगाया और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए तथा मतदान के बाद असामान्य रूप से उच्च बैटरी स्तर को लेकर चिंता जताई।

उन्होंने कहा, "सीईसी इस चुनाव में जनता के लोकतांत्रिक अधिकार लूटने वाले विलेन बन गए, और ईवीएम मशीन को लूटने के लिए। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मतदान के बाद ईवीएम मशीन 80 से 95 प्रतिशत चार्ज कैसे रह सकती है? यह कैसे संभव है?"

ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव भारत के चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी के समन्वित प्रयासों से प्रभावित हुए, और दावा किया कि शीर्ष नेतृत्व, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हैं, ने सीधा हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, "भाजपा ने सीधे चुनाव आयोग के साथ मिलकर खेल खेला। आप इसे "बैटिंग" कह सकते हैं। हम पूरी मशीनरी के खिलाफ लड़े, जिसमें प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी शामिल थे, मैंने अपने जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा।" ममता ने चुनाव को गंदा, नीच और शरारती प्रक्रिया कहा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मतदान से पहले के दिनों में उनके पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी और छापेमारी की गई। ममता के अनुसार, प्रशासनिक फेरबदल, जिसमें आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति और स्थानांतरण शामिल थे, परिणाम को प्रभावित करने के लिए किए गए। "चुनाव से दो दिन पहले उन्होंने हमारे लोगों को अंधाधुंध गिरफ्तार करना शुरू किया, उन्होंने हर जगह छापेमारी शुरू कर दी।"

बनर्जी ने "चुनाव के बाद की हिंसा से प्रभावित" क्षेत्रों का दौरा करने और वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए 10 सदस्यीय तथ्य-जाँच समिति गठित करने की घोषणा की।

उन्होंने 2021 में पोस्ट-पोल हिंसा के आरोपों को आधारहीन बताया।

बनर्जी ने कहा कि विपक्षी इंडिया ब्लॉक के कई नेताओं ने चुनाव परिणाम के बाद उनके साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने मुझे एकजुटता दिखाने के लिए कॉल किये। सोनिया जी और राहुल गांधी ने मुझसे बात की।"

बनर्जी ने कहा कि अब वे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने पर ध्यान देंगी।

ज्ञातव्य है कि भाजपा ने 294-सदस्यीय विधानसभा में निर्णायक बहुमत हासिल किया और 207 सीटें जीतकर टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत किया।

टीएमसी नेता ने मतदाता सूची को लेकर भी चिंता जताई तथा कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान लगभग 90 लाख नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि अदालत के हस्तक्षेप के बाद 32 लाख नाम बहाल किए गए, लेकिन विसंगतियां बनी रहीं और कथित तौर पर अतिरिक्त नाम पारदर्शिता के बिना जोड़ दिए गए।

2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की निर्णायक जीत हुई, जो राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव दर्शाती है और टीएमसी के लंबे समय से चले आ रहे शासन का अंत करती है।

## गत लोकसभा में ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

मददगार रहा। भाजपा के स्टार प्रचारक और मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा द्वारा जोरहाट में आयोजित मेगा रैलियों और यात्राओं का जनता ने स्वागत किया।

युवाओं का एक हिस्सा, जो गौरव गोगोई का समर्थन करने वाला माना गया था, मतदान के दौरान क्षेत्र में अनुपस्थित था, जिससे उनके वोट शेयर पर असर पड़ा।

एक खामोश लेकिन महत्वपूर्ण कारक असम के केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री और राज्यसभा सांसद पबित्रा मार्गेरिटा का जोरहाट को अपना "बेस" बना लेना भी रहा।

भाजपा के पबित्रा मार्गेरिटा, जो गौरव गोगोई की तरह 'अहोम' समुदाय से हैं, ने जोरहाट में लगातार जमीनी संपर्क के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सहज उपलब्धता और लगातार जन संपर्क ने मतदाताओं की धारणा भाजपा के पक्ष में बनाने में मदद की।

गोस्वामी, जो गौरव गोगोई की तुलना में काफी छोटे कद के नेता हैं, ने मुद्दा आधारित और प्रभावी चुनाव अभियान चलाया, जिसमें आक्रामक भाषणों से बचा गया। राष्ट्रीय स्तर पर गौरव की ताकत को स्वीकार करते हुए और खुद को प्रतिबद्ध स्थानीय नेता के रूप में प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने मतदाताओं के दिल को छू लिया।

जोरहाट का परिणाम यह दिखाता है कि चुनावी राजनीति में जमीनी संपर्क, स्थानीय विश्वसनीयता और नैरेटिव नियंत्रण कितने ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। कांग्रेस और विशेष रूप से गौरव गोगोई के लिए यह परिणाम असम में अपनी रणनीति की पुनः समीक्षा करने और आत्म-विश्लेषण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

## 'तमिलनाडु ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

थे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी विजय के साथ चुनाव लड़ते, तो वे 180-190 सीटें जीत सकते थे।

चोडणकर ने कहा, "स्थानीय नेता, जमीनी स्तर के नेता सुझाव दे रहे थे कि अगर राहुल गांधी, जिनकी तमिलनाडु में व्यापक स्वीकृति है, विजय के साथ अभियान में शामिल होते, तो इसका बड़ा प्रभाव पड़ता और हम तमिलनाडु के चुनावों में धूम मचा सकते थे और लगभग 180-190 सीटें जीत सकते थे।"

## लंदन से न्यूयॉर्क तथा ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

भारत में लंबी यात्रा का समापन है।"

दूसरे प्रमुख ब्रिटिश अखबार, द गार्जियन ने भी बंगाल के परिणामों पर ध्यान केन्द्रित किया और कहा कि इस राज्य, जो विपक्ष का एक दुर्लभ गढ़ रहा है, को देश भर में भाजपा की सत्ता को मजबूत करने में बेजोड़ कहा जा सकता है।

"नरेन्द्र मोदीज़ बीजेपी विन्स इलैक्शन इन वैस्ट बैंगॉल फॉर द फर्स्ट टाइम" शीर्षक वाले लेख में कहा गया कि बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम "भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे और पहले से कमजोर विपक्ष को एक और हतोत्साहित करने वाला एक और झटका लगेगा।"

अमेरिका में, न्यूयॉर्क टाइम्स ने "मोदीज़ हिंदू नैशनलिस्ट्स कॉन्कर अ बैस्टियन ऑफ इण्डियाज़ ऑपोजिशन" शीर्षक वाली रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदर्शन को 'ऐतिहासिक' बताया।

इसमें कहा गया कि पीएम मोदी की भाजपा ने "दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को फिर से बनाने के अपने दशकों पुराने अभियान में सोमवार को नई उपलब्धि हासिल की, और देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में से एक में विधानसभा चुनाव जीता, जहां वह पहले कभी शासन के करीब भी नहीं पहुँची थी।"

रिपोर्ट में तमिलनाडु में विजय की अप्रत्याशित जीत पर भी चर्चा की गई। रिपोर्ट में कहा गया, "दिन के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक तमिलनाडु में था, जहां एक राजनीतिक नौसिखिया अभिनेता जोसेफ विजय चंद्रशेखर की पार्टी ने राज्य की स्थापित पार्टियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।

वॉशिंगटन पोस्ट ने अपने कवरेज में कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनावी परिणाम पीएम मोदी की "छवि को बढ़ावा देंगे और उनके तीसरे कार्यकाल के मध्य में उनकी स्थिति को मजबूत करेंगे। लेख में कहा गया, "2024 के राष्ट्रीय चुनाव ने उनकी सत्ताधारी पार्टी को सरकार बनाने के लिए क्षेत्रीय सहयोगियों पर निर्भर होना पड़ा। लेख में कहा गया, "उम्मीद है कि वे 2029 में रिकॉर्ड चौथी बार चुनाव लड़ेंगे।

रिपोर्ट में केरल पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया, जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस-नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी ने सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार को परास्त किया, और अपने अंतिम गढ़ों में से एक पर वामपंथी शासन का अंत किया।

पाकिस्तान में, द डॉन अखबार ने चुनावों पर एएफपी की रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें कहा गया कि पीएम मोदी की "राष्ट्रवादी पार्टी" ने "विपक्ष के गढ़ पश्चिम बंगाल राज्य में महत्वपूर्ण चुनावों में जीत हासिल की, जो लंबे समय से उसके प्रतिद्वंद्वी के नियंत्रण में था।"

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इन परिणामों के बाद पीएम मोदी "2029 में आम चुनाव से पहले अधिक बेरोजगारी दर और एक लंबित ट्रेड डील सहित कई आर्थिक और विदेश नीति चुनौतियों से जूझते हुए मजबूत स्थिति में होंगे।"

बांग्लादेश के ढाका ट्रिब्यून ने भी वही एएफपी रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें एक और बड़े चुनावी झटके का उल्लेख किया गया, जिसमें दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के वरिष्ठ राजनेता एम.के. स्टालिन अपनी सीट एक अनजाने प्रतिद्वंद्वी को हार गए।

रिपोर्ट में कहा गया कि स्टालिन की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कज़गम (डी.एम.के.) पार्टी पीछे छूट गई और अभिनेता-राजनेता सी. जोसेफ विजय की नई पार्टी को पहला स्थान मिला।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908